Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 24
लखनऊ, सोमवार, 11 नवम्बर 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

स्पोर्ट्स 12

खिताब बरकरार रखने उतरेगी भारतीय टीम

निज्जर का साथी कनाडा में गिरफ्तार

पीटीआई। नई दिल्ली

प्रतीकात्मक चित्र

भारत द्वारा आतंकवादी घोषित किए गए अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डल्ला को कनाडा के ओंटारियो प्रांत में गोलीबारी की घटना के बाद संभवत: गिरफ्तार कर लिया गया है। सूत्रों ने रविवार को यह दावा किया। गोलीबारी की यह घटना 28 अक्टूबर को मिल्टन में हुई थी। हैल्टन क्षेत्रीय पुलिस सेवा (एचआरपीएस) ने 29 अक्टूबर को कहा था कि उसने एक जांच के बाद, दो लोगों को गोलीबारी के आरोप में गिरफ्तार किया था। दोनों लोग एक अस्पताल गए थे और उनमें से एक गोली से जख्मी था, जिसे बाद में छुट्टी दे दी गई। एचआरपीएस ने उनकी पहचान का खुलासा नहीं किया और कहा कि दोनों आरोपियों को जमानत की सुनवाई तक हिरासत में रखा गया है।

सूत्रों ने दावा किया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक का नाम अर्श डल्ला है, जो प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) से जुड़ा हुआ है और पिछले साल जून में मारे गए आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की ओर से आतंकी मॉड्यूल चलाता था। हैल्टन पुलिस ने एक बयान में कहा, 28 अक्टूबर 2024 की सुबह गुएल्फ पुलिस ने एचआरपीएस से संपर्क किया, जब दो व्यक्ति वहां एक अस्पताल में आए थे। उनमें से एक का इलाज किया गया और अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। दूसरे व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई थी। हैल्टन पुलिस ने एक बयान में कहा, एचआरपीएस मेजर क्राइम ब्यूरो अब जांच कर रहा है और दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हैल्टन हिल्स के 25 वर्षीय व्यक्ति और सरे बीसी के 28 वर्षीय व्यक्ति, दोनों पर जानबूझकर आग्नेयास्त्र चलाने का आरोप है। पुलिस ने यह भी कहा कि वह घटना की सक्रियता से जांच कर रही है।

इससे पहले, रविवार को पंजाब पुलिस ने बताया कि मोहाली के खरड़ से डल्ला के गिरोह के दो सदस्यों को एक सिख कार्यकर्ता की हत्या में कथित रूप से संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया गया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि यह गिरफ्तारी राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ, गैंगस्टर रोधी कार्य बल और फरीदकोट पुलिस के संयुक्त अभियान के तहत की गई। दोनों की पहचान बरनाला के भदौड़ निवासी अनमोलप्रीत सिंह उर्फ विशाल और खरड़ के निज्जर रोड निवासी नवजोत सिंह उर्फ नीटू के रूप में हुई।

पंजाब में लक्षित हत्याओं, आतंकवाद के वित्तपोषण और जबरन वसूली में शामिल होने के आरोपी अर्श डल्ला को पिछले साल जनवरी में भारत सरकार ने आतंकवादी घोषित किया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा था कि वह बड़े पैमाने पर ड्रग्स और हथियारों की सीमा पार तस्करी में शामिल था।वह राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा दर्ज और जांच किए गए विभिन्न मामलों में आरोपी है, जिनमें लक्षित हत्या, आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए धन उगाही, हत्या का प्रयास, सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ना और पंजाब में लोगों के बीच आतंक पैदा करना शामिल है। डल्ला पर हत्या, जबरन वसूली और लक्षित हत्याओं जैसे जघन्य अपराधों में शामिल होने का आरोप है। उस पर आतंकवाद के वित्तपोषण, बड़े पैमाने पर ड्रग्स और हथियारों की सीमा पार से तस्करी का भी आरोप है। डल्ला 2020 में सक्रिय हुआ था।

वह ज्यादातर आतंकी फंडिंग, आतंकी मॉड्यूल तैयार करने, सीमा पार से हथियारों की आपूर्ति का समन्वय करने और पूरे पंजाब में विशिष्ट हत्याओं की योजना बनाने में लगा हुआ था। खुफिया एजेंसियों द्वारा बनाए गए डोजियर के अनुसार, डल्ला का केटीएफ नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से भी ज्यादा हत्याओं का रिकॉर्ड है। डल्ला ने कथित तौर पर अपने सहयोगियों राम सिंह उर्फ सोना और कमलजीत शर्मा उर्फ कमल के जरिए जनवरी 2021 में जालंधर के फिल्लौर में एक हिंदू पुजारी प्रज्ञा ज्ञान मुनि पर हमले की योजना बनाई थी। अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डल्ला नवंबर 2020 में बठिंडा में डेरा सच्चा सौदा के अनुयायी मनोहर लाल की हत्या में भी शामिल था। डल्ला ने मृतक अपराधी सुखप्रीत सिंह की हत्या की जिम्मेदारी भी ली थी। डल्ला ने 2021 में गैंगस्टर बिक्रम बराड़ और कनाडा में रहने वाले गोल्डी बराड़ के साथ मिलकर 4 सदस्यीय मॉड्यूल बनाया, जिसका काम खास व्यक्तियों को निशाना बनाना था। मॉड्यूल को बिट्टू प्रेमी, शम्मा बदमाश और सिरसा स्थित शक्ति सिंह को निशाना बनाने का काम सौंपा गया था।

श्रीनगर में रविवार को जबरवान वन क्षेत्र में आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान सतर्क सुरक्षाकर्मी। पीटीआई

आतंक विरोधी अभियान में पैरा कमांडो बलिदान

मोहित कंधारी। जम्मू

ग्राम रक्षा समूह के दो सदस्यों की हत्या करके छिपे आतंकियों को खोज निकालने के लिए किश्तवाड़ के भारत रिज इलाके में शुरू किए गए आतंकवाद विरोधी अभियान में भारतीय सेना के एक विशिष्ट पैरा कमांडो शहीद हो गया। गंभीर रूप से घायल तीन अन्य सैनिकों को किश्तवाड़ से बेहतर उपचार के लिए सैन्य अस्पताल ले जाया गया। खबर लिखे जाने तक अभियान जारी था। सेना ने बहादुर सैनिक की पहचान 2 पैरा के नायब सूबेदार राकेश कुमार के रूप में की और उनके सर्वोच्च बलिदान को सलाम किया। सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया इनपुट के आधार पर, किश्तवाड़ के भारत रिज के सामान्य क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। यह वही समूह है जिसने दो निर्दोष ग्रामीणों (ग्राम रक्षा रक्षकों) का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी थी। इस दौरान उन्हें खोज लिया गया और गोलीबारी शुरू हो गई।

ग्राउंड रिपोर्ट्स के अनुसार, यह मुठभेड़ उस स्थान से कुछ किलोमीटर दूर हुई, जहां शुक्रवार को वीडीजी नजीर अहमद और कुलदीप कुमार के गोलियों से छलनी शव मिले थे। कश्मीर में, जबरवान वन क्षेत्र के आसपास रहने वाले निवासियों को आतंकवादियों के एक समूह और सुरक्षा बलों के बीच भारी गोलीबारी की आवाज़ सुनाई दी। अत्यधिक किलेबंद क्षेत्र की घेराबंदी की गई क्योंकि भागने के रास्तों को बंद करने के लिए अतिरिक्त बल भेजा गया। पुलिस के अनुसार, दाचीगाम और प्रसिद्ध पर्यटन स्थल निशात क्षेत्र के ऊपरी इलाकों को जोड़ने वाले वन क्षेत्र में सुबह करीब नौ बजे गोलीबारी शुरू हुई। 1 नवंबर के बाद से श्रीनगर में आतंकवादी हिंसा की यह तीसरी घटना है। रविवार सुबह शुरू हुई गोलीबारी कथित तौर पर दोपहर में बंद हो गई। माना जाता है कि आतंकवादी घने जंगल वाले इलाके से भाग गए हैं। 1 नवंबर से, कश्मीर घाटी के विभिन्न हिस्सों में छह आतंकवाद विरोधी अभियानों में सुरक्षा बलों ने आठ आतंकवादियों को मार गिराया है। शनिवार को उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले के सोपोर के बाहरी इलाके राजपोरा इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के दौरान एक विदेशी आतंकवादी मारा गया। पिछले चार दिनों में उत्तरी कश्मीर में कुल चार मुठभेड़ें हुई हैं, जिनमें पांच आतंकवादी मारे गए। शुक्रवार को सोपोर के सागीपोरा इलाके में मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया, जबकि दो स्थानीय आतंकवादियों को अनंतनाग के शांगस में मार गिराया गया।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार शेख हसीना को वापस लाने के लिए इंटरपोल से मदद मांगेगी

पीटीआई। ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने रविवार को कहा कि वह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और अन्य भगोड़ों को भारत से वापस लाने के लिए इंटरपोल से मदद मांगेगी ताकि उन सभी पर मानवता के खिलाफ कथित अपराधों के लिए मुकदमा चलाया जा सके। हसीना और उनकी पार्टी के नेताओं पर सरकार विरोधी छात्र आंदोलन को क्रूर तरीके से दबाने का आदेश देने का आरोप है। जुलाई से अगस्त महीने में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई लोगों की मौत हुई थी। बाद में यह आंदोलन बड़े पैमाने पर विद्रोह में तब्दील हो गया,

जिस कारण हसीना को पांच अगस्त को गुप्त रूप से भारत भागना पड़ा। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के अनुसार, विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 753 लोग मारे गए और हजारों लोग घायल हुए। इस घटना को यूनुस ने मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार बताया।

अक्टूबर के मध्य तक हसीना और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार की 60 से ज्यादा शिकायतें दर्ज कराई गईं। कानूनी मामलों के सलाहकार आसिफ नजरुल ने संवाददाताओं को बताया, इंटरपोल के जरिए बहुत जल्द ही रेड नोटिस जारी किया जाएगा। चाहे ये भगोड़े फासीवादी दुनिया में कहीं भी छिपे हों, उन्हें वापस लाया जाएगा और अदालत में जवाबदेह ठहराया जाएगा। आईसीटी उच्चतम न्यायालय परिसर में पुराने उच्च न्यायालय भवन में स्थित है। अधिकारियों ने बताया कि रेड नोटिस किसी प्रकार का अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट नहीं बल्कि कानून प्रवर्तन (शेष पृष्ठ 9)

जस्टिस संजीव खन्ना आज लेंगे सीजेआई पद की शपथ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, जो चुनावी बॉन्ड योजना को खत्म करने, ईवीएम की पवित्रता और अनुच्छेद 370 को निरस्त करने जैसे कई ऐतिहासिक सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हिस्सा रहे हैं, सोमवार को भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सुबह 10 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाएंगी। उनका कार्यकाल 13 मई, 2025 तक रहेगा। दिल्ली के एक प्रतिष्ठित परिवार से ताल्लुक रखने वाले न्यायमूर्ति खन्ना दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति देव राज खन्ना के पुत्र और प्रसिद्ध न्यायाधीश न्यायमूर्ति एचआर खन्ना के भतीजे हैं, जिन्हें इंदिरा गांधी के शासनकाल में मुख्य न्यायाधीश पद से हटा दिया गया था और बाद में वे कानून मंत्री बने। जस्टिस संजीव खन्ना के चाचा जस्टिस एचआर खन्ना ने 1976 में आपातकाल के दौरान कुख्यात एडीएम जबलपुर मामले में असहमतिपूर्ण फैसला लिखने के बाद इस्तीफा देकर सुर्खियां बटोरीं। आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों के हनन को बरकरार रखने वाले संविधान पीठ के बहुमत के फैसले को न्यायपालिका पर 'काला धब्बा' माना गया। जस्टिस एचआर खन्ना ने इस कदम को असंवैधानिक और कानून के शासन के खिलाफ घोषित किया और इसकी कीमत तब चुकाई जब तत्कालीन केंद्र सरकार ने उन्हें हटाकर जस्टिस एमएच बेग को अगला सीजेआई बना दिया। केंद्र ने 16 अक्टूबर को मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की सिफारिश के बाद 24 अक्टूबर को न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की नियुक्ति को आधिकारिक रूप से अधिसूचित किया। शुक्रवार को न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ का सीजेआई के रूप में अंतिम कार्य दिवस था (शेष पृष्ठ 9)

वक्फ विधेयक समिति फिर विवादों के घेरे में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद सदस्यों की संसदीय समिति अब एक और विवाद में फंस गई है, क्योंकि विधेयक की जांच कर रहे कई विपक्षी सांसदों ने सुझाव दिया है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात के बाद उन्हें जो आश्वासन मिला था, उसे पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने पैनल के अध्यक्ष जगदंबिका पाल पर आरोप लगाया कि उनकी बैठकों में कोरम भी पूरा नहीं होने के बावजूद वे राज्यों का दौरा कर रहे हैं। पिछले मानसून सत्र में सरकार द्वारा पेश किए गए विवादास्पद विधेयक की जांच के लिए गठित संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने विपक्षी सदस्यों के तर्क को खारिज करते हुए कहा कि संसदीय समितियों के 'अध्ययन दौरा' एक अनौपचारिक अभ्यास हैं और कोरम पूरा करने जैसी औपचारिकताओं से बंधे नहीं हैं।

पाल के नेतृत्व वाली समिति वर्तमान में विभिन्न हितधारकों से बात करने के लिए पांच राज्यों के दौरे पर है, हालांकि विपक्षी सदस्यों ने इसका बहिष्कार किया है। समिति के अध्यक्ष ने रविवार को पीटीआई को बताया कि उन्हें 25 नवंबर से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक समिति की रिपोर्ट सौंपने की समयसीमा पूरी होने का भरोसा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले ही 200-250 पृष्ठों की रिपोर्ट तैयार कर ली है। हालांकि, समिति के विपक्षी सांसदों ने उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए हाथ मिला लिया है। उनका आरोप है कि भाजपा के सांसद पाल सरकार के इशारे पर काम कर रहे हैं। उन्होंने पहले तो समिति के कामकाज से खुद को अलग करने की धमकी भी दी थी।

सूत्रों ने बताया कि 9 नवंबर को बिरला को भेजे गए अलग-अलग संदेशों में कुछ विपक्षी सांसदों ने कहा कि 5 नवंबर को बिरला से मुलाकात के बाद उन्हें लगा कि भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली संसद की संयुक्त समिति का पांच राज्यों का दौरा स्थगित किया जा सकता है, क्योंकि (शेष पृष्ठ 9)

कहीं बड़ी दाढ़ी तो कहीं नारंगी रंग पर बहस

● सरकारी कॉलेजों में विचित्र मुद्दों पर खींचतान

पायनियर समाचार सेवा। जयपुर/बेंगलुरु

कर्नाटक के सरकारी कॉलेजों में जम्मू-कश्मीर के छात्रों द्वारा दाढ़ी रखने के विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है, वहीं राजस्थान में एक और मुद्दा सामने आ रहा है, जहाँ संस्थान अपनी इमारतों को नारंगी रंग से रंगना चाहते हैं। राजस्थान कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय ने कायाकल्प योजना के तहत 20 सरकारी कॉलेजों को अपनी इमारतों और प्रवेश हॉल के अग्रभाग को नारंगी रंग से रंगने का निर्देश दिया है। आयुक्तालय के अनुसार, यह कदम शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक माहौल सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। यह योजना भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में स्वच्छता, स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एक राष्ट्रीय पहल है

विपक्षी कांग्रेस ने इस कदम की आलोचना करते हुए इसे शैक्षणिक संस्थानों का राजनीतिकरण करने का प्रयास बताया। इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सरकार पर निशाना साधते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने कहा कि यह कॉलेजों में शिक्षा का 'राजनीतिकरण' करने का प्रयास है। बीजेपी सरकार लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा, सरकार के पास अपनी उपलब्धियों के रूप में बताने के लिए कुछ भी नहीं है और ध्यान भटकाने के लिए वह इस तरह के कदम उठा रही है। राजस्थान सरकार के संयुक्त निदेशक (योजना), कॉलेज शिक्षा विजेंद्र कुमार शर्मा ने पिछले महीने इस योजना के तहत कॉलेजों के सामने के हिस्से और प्रवेश हॉल की पेंटिंग के संबंध में आदेश जारी किया था। आदेश में कहा गया है कि पहले चरण में कुल 20 कॉलेजों, प्रत्येक संभाग स्तर पर दो कॉलेजों को पेंट किया जाना है। कॉलेज उच्च शिक्षा के मुख्य केंद्र हैं। आदेश में कहा गया है कि कॉलेज का शैक्षणिक माहौल और परिदृश्य छात्रों के लिए ऐसा होना चाहिए कि वे कॉलेज में प्रवेश करते ही सकारात्मक महसूस करें। संयुक्त निदेशक ने आदेश में आगे कहा कि योजना के पहले चरण में प्रत्येक संभाग के दो सरकारी कॉलेजों को शामिल किया गया है और 20 कॉलेजों की इमारतों के सामने के हिस्से और प्रवेश द्वार को एशियन पेंट्स व्हाइट गोल्ड 8292 और एशियन पेंट्स ऑरेंज क्राउन 7974 से रंगा जाना चाहिए।

दक्षिण में, कर्नाटक के हासन में, कर्नाटक के एक सरकारी नर्सिंग कॉलेज में पढ़ने वाले जम्मू और कश्मीर के छात्रों द्वारा लंबी दाढ़ी रखने को लेकर उठे विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है, संस्थान के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। यह मुद्दा तब प्रकाश में आया जब जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हसन जिले के होलेनरसिपुरा में कॉलेज में छात्रों के सामने आने वाली 'महत्वपूर्ण चुनौतियों' के बारे में पत्र लिखा। हसन इंस्टीट्यूट (शेष पृष्ठ 9)

सांसों में घुलता जहर!

रविवार को दिल्ली में जहरीली हवा के साथ एक और सुबह हुई, क्योंकि दिवाली के बाद लगातार 10वें दिन भी हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में रही। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में धुंध की घनी परत छाई रही। वायु गुणवत्ता सूचकांक 334 रहा। अलीपुर, आनंद विहार, जहाँगीरपुरी, रोहिणी और बवाना सहित प्रमुख क्षेत्र बहुत खराब एक्यूआई श्रेणी में रहे। सफदरजंग हवाई अड्डे पर धुंध/हल्का कोहरा देखा गया। शहर के कई हिस्सों में, इमारतें, स्मारक, कार्यालय, फ्लाईओवर, सड़कें और पुल मुश्किल से दिखाई दे रहे थे क्योंकि वे धुंध की मोटी परत से ढके हुए थे।

48 लाख विवाह समारोह, छह लाख करोड़ का होगा कारोबार

राजेश कुमार। नई दिल्ली

भारत में हर साल दुनिया में सबसे ज़्यादा शादियाँ होती हैं, और हर शादी दूल्हा-दुल्हन, उनके दोस्तों और परिवारों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं होती। शादियाँ दुनिया भर में एक बड़ा कारोबार है, हालाँकि, बाज़ार के आकार के मामले में, भारतीय विवाह उद्योग अभी भी चीन से छोटा है, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका से लगभग दोगुना बड़ा है। 12 नवंबर को देव उठावनी एकादशी से शुरू होने वाले भारत के विवाह सीजन में पूरे देश में 48 लाख विवाह समारोह होने की उम्मीद है, जिससे छह लाख करोड़ रुपये का कारोबार होगा। इसका श्रेय इस सीजन में 18 शुभ विवाह मुहूर्तों (तिथियों) को जाता है, जबकि 2023 में 11 थे।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के एक अध्ययन के अनुसार, इन 48 लाख शादियों में से लगभग 40 लाख 'बजट-शादियाँ' (जिनकी लागत 3 लाख रुपये से 15 लाख रुपये के बीच होगी) होंगी, जबकि लगभग 50,000 शादियाँ 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक खर्च वाली 'शानदार' होंगी। लगभग सात लाख शादियों का बजट 25 लाख होगा, जबकि 50,000 शादियों पर 50 लाख रुपये या उससे अधिक खर्च होंगे।

अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि 4.5 लाख शादियाँ जो धूमधाम से होंगी, दिल्ली की अर्थव्यवस्था में

1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देंगी। पिछले साल, इस सीजन में 35 लाख शादियों ने यहाँ 4.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार किया था। व्यापारियों का कहना है कि शादियाँ कपड़ों, आभूषणों, ऑटोमोबाइल और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं जैसे कई अन्य क्षेत्रों को भी बढ़ावा देने में मदद करती हैं। इन उद्योगों में शादी के मौसम में अधिक मांग देखी जाती है, क्योंकि कंपनियाँ शादी की तारीखों के आसपास अपने प्रचार और स्टॉक प्रबंधन का सावधानीपूर्वक समय तय करती हैं। आभूषण उद्योग का आधे से अधिक राजस्व दुल्हन के आभूषणों से आता है, जबकि विवाह और उत्सव के परिधानों पर होने वाले खर्च का 10 प्रतिशत हिस्सा होता है। वेडिंग प्लानर्स के अनुसार, एक नया चलन उभर रहा है, जो शादियों के लिए सोशल मीडिया सेवाओं पर खर्च में वृद्धि है।

इस बारे में बताते हुए कैट के महासचिव और चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय विवाह उद्योग काफी हद तक खंडित और असंगठित है, लेकिन बड़े खिलाड़ियों के लिए अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि शादी के खर्च को वस्तुओं और सेवाओं के बीच विभाजित किया जाता है, जिसमें मुख्य व्यय क्षेत्र कपड़े, साड़ी, लहंगे और परिधान (10 प्रतिशत), आभूषण (15 प्रतिशत), इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरण (पांच प्रतिशत), सूखे मेवे, मिठाई और स्नैक्स (पांच प्रतिशत), किराने का सामान और सब्जियां (पांच प्रतिशत), उपहार आइटम (चार प्रतिशत) और अन्य सामान (छह प्रतिशत) हैं। (शेष पृष्ठ 9)

सपा का पीडीए मतलब प्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई एंड अपराधी

● भाजपा लौहपुरुष वल्लभ भाई पटेल की जयंती मना रही थी तो सपा मुखिया जिन्ना की: मुख्यमंत्री

अंबेडकरनगर/मीरजापुर/प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपचुनाव प्रचार की रैलियों में रविवार को सपा के नेतृत्व व नेताओं को खूब धोया। सीएम ने पीडीए को घेरते हुए इसकी नई परिभाषा बताई। इनका पीडीए (प्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई एंड अपराधी) है। सपा माफिया व अपराधियों को पालने का प्रोडक्शन हाउस बन गया है। हर दुर्दांत अपराधी माफिया, दुष्कर्मी पैदा जिस प्रोडक्शन हाउस से पैदा होते हैं, उसके सीईओ अखिलेश यादव व ट्रेनर शिवपाल यादव हैं। प्रदेश का हर बड़ा अपराधी, माफिया व दंगाई सपा के इसी प्रोडक्शन हाउस का हिस्सा होगा। सपा माफिया का प्रोडक्शन हाउस बनकर जनता को तबाह कर रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कटेहरी, मझवा व फूलपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के लिए रविवार को जनसभा की। उन्होंने कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवा से सुचिस्मिता मौर्य व फूलपुर से दीपक पटेल को जिताने की अपील की।

सपा के प्रोडक्शन हाउस की उपज थे अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी व खान मुबारक

सीएम ने कहा कि अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, खान मुबारक सपा के प्रोडक्शन हाउस की उपज थे। यह लोग अपराध के लिए साथ बिजनेस करते थे। गाजीपुर में भाजपा विधायक कृष्णानंद राय, रमेश पटेल, रमेश यादव समेत सात लोग की निर्मम हत्या हुई थी। माफिया ने इन्हें भून डाला था। तब सपा सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन माफिया के मरने पर सपा मुखिया वहां फातिहा पढ़ने चले गए। सपा सरकार में अतीक अहमद के गुंडों ने प्रयागराज में बसपा विधायक राजू पाल की निर्मम हत्या कर दी। जब डबल इंजन सरकार आई, इस परिवार को न्याय तब मिला। डबल इंजन सरकार ने जब अपना वास्तविक रूप दिखाया तो इनका रामनाम सत्य होने में देर न लगी। कटेहरी में सीएम योगी ने कहा कि एक साल पहले भाजपा 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में वल्लभ भाई पटेल की जयंती मना रही थी तो सपा और उसके मुखिया भारत के विभाजन के जिम्मेदार जिन्ना की जयंती मना रहे थे। इन्हें जिन्ना प्यारा है, क्योंकि उसने भारत का विभाजन कराया था। अनुसूचित जाति-जनजाति पर सर्वाधिक अत्याचार सपा शासन के दौरान हुआ। 2015-16 में इन लोगों ने अनुसूचित जाति-जनजाति के बच्चों की छात्रवृत्ति रोक दी थी, उसे भी हमने शुरू कराया। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस व सपा का इंडी गठबंधन देश व समाज के लिए खतरनाक है, इसलिए हरियाणा में जनता ने उन्हें नहीं आने दिया और पीएम मोदी के आह्वान पर दो तिहाई से अधिक सीट देकर भाजपा की हैट्रिक लगाई। सीएम ने कहा कि वहां के लोग समझ गए कि बंटे थे तो कटे थे, इसलिए अयोध्या में 500 वर्ष तक इंतजार करना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ लोग सपा का प्रत्याशी बनकर कटेहरी को परिवारवाद का गढ़ बना देना चाहते हैं। जब रामलला विराजमान हो रहे थे तो यह लोग विरोध कर रहे थे। हर गरीब की श्रद्धा का केंद्र शिवबाबा धाम व श्रवण क्षेत्र के विकास के लिए इन्होंने कुछ नहीं किया, लेकिन भाजपा की डबल इंजन सरकार ने राम मंदिर निर्माण के साथ ही इन दोनों धाम का सुंदरीकरण कराया। सीएम ने अपील की कि अंबेडकरनगर के मेडिकल कॉलेज को तबाह करने के जिम्मेदार बैरियर को हटाइए। सीएम योगी ने कहा कि यह क्षेत्र प्रखर समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया की पावन भूमि है। एक समय जयप्रकाश नारायण, डॉ. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव, चंद्रशेखर, जनेश्वर मिश्र, मोहन सिंह जैसे लोग समाजवादी आंदोलन को नेतृत्व दे रहे थे। इस आंदोलन को आदर्श आंदोलन माना जाता था। लेकिन आज देख सपाई, बिटिया घबराई। अयोध्या में सपा नेता मोइद खान जैसे दुष्कर्मी को जेल भेजा गया तो सपा अंतिम समय तक उसे बचाकर क्लीनचिट दे रही थी। कन्नौज, लखनऊ व हरदोई में भी यही हुआ। लखनऊ में बारिश के दौरान एक बेटी मोटरसाइकिल से परिवार के साथ जा रही थी। एक सपाई के द्वारा उसे मोटर साइकिल से गिरा दिया गया। जब हम लोगों ने आरोपी को जेल में डाला तो सपाई थाने घेर रहे थे, लेकिन पुलिस का डंडा था तो सपाई भाग गए। सीएम ने चेतावनी दी कि बेटियों की इज्जत से खेलोगे तो जहन्नुम पहुंचा देंगे।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा है तो महापुरुषों का सम्मान होता है। मोदी जी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के पंच तीर्थ का भी निर्माण कराया तो दुनिया में सरदार वल्लभ भाई पटेल की सबसे बड़ी प्रतिमा भी गुजरात में बनवाई। इन महापुरुषों को भारत रत्न तब मिला, जब भाजपा सरकार को समर्थन कर रही थी। महाराज सुहेलदेव ने आक्रांता सालार मसूद गाजी को मारकर वह हाल किया कि कोई विदेशी आक्रांता 150 वर्ष तक भारत पर हमले का दुस्साहस नहीं कर पाया था। उन्होंने हिंदू राजाओं की ताकत को एकजुट किया। मथुरा से लेकर बहराइच व नेपाल की सीमा के अंदर तक सुरक्षा का ऐसा जाल बनाया कि एक बार सालार समूद घुसा तो उसकी कब्र ही खोदी गई। हमने बहराइच में महाराजा सुहेलदेव का भव्य स्मारक बनाया। सपा को भय है कि वह सम्मान देगी तो मुस्लिम वोट न खिसक जाए।

सीएम योगी ने कहा कि विंध्य क्षेत्र कभी यह क्षेत्र खनन व भूमाफिया के लिए जाना जाता था। आज मीरजापुर के पास मेडिकल कॉलेज, मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मां विंध्यवासिनी का भव्य कॉरिडोर है। पीएम मोदी इंटरनेशनल सोलर अलाइंस के लिए फ्रांस के प्रधानमंत्री को लेकर यहां आए और सोलर के सबसे बड़े प्लांट का उद्घाटन किया था। सीएम ने कहा कि खटाखट के नाम पर सपा व कांग्रेस के झूठे इंडी गठबंधन से किसी को एक लाख रुपये नहीं मिला। कांग्रेस व सपा वालों से पूछना चाहिए कि यह पैसा कहां गया। चार-चार बार मुख्यमंत्री होने के बावजूद सपा ने मीरजापुर में विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, हर घर नल और मां विंध्यवासिनी धाम को कॉरिडोर के रूप में नहीं बदला। इन्हें परिवार का विकास चाहिए, प्रदेश का नहीं।

सीएम योगी ने कहा कि 2025 में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में महाकुंभ होने जा रहा है। जिसे पीएम मोदी ने यूनेस्को की सूची में लेकर मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दिलाई है। उन्होंने कहा कि आज पैसा विकास में लगता है, लेकिन साढ़े सात साल पहले पैसा सैफई घराने और उनके कारिंदों के पास जाता था। सीएम ने आश्वस्त किया कि कछार क्षेत्र में हजारों बीघा जमीन जलमग्न होती थी, लेकिन अब इसका स्थायी समाधान भी होगा। सरकार का मतलब समाधान होता है, समस्या नहीं। जो सरकार गरीब, किसान व युवा की आवाज न सुनती हो, उसे डूब मरना चाहिए। कुंभ 2007 और 2013 में भी हुए थे, उस समय की अराजकता और दुर्व्यवस्था किसी से छिपी नहीं थी। 2019 कुंभ की भव्यता-दिव्यता, सुरक्षा, स्वच्छता व सुव्यवस्था का मानक गढ़ा गया था। हमारी टीम के हिस्से सभी जनप्रतिनिधियों ने प्रयागराज कुंभ को सफल बनाने में पूरी ताकत लगाई थी। सीएम ने शहीदों-जवानों के लिए सरकार द्वारा किए जाने वाले कार्यों को गिनाया। चुनाव की तिथि परिवर्तित किए जाने पर भी सीएम ने सपा को घेरा। बोले कि सपा राम मंदिर, गंगा स्नान, हिंदु और राष्ट्रीय अस्मिता के साथ खिलवाड़ करती है। हाल में जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने धारा-370 फिर से बहाल करने का प्रस्ताव पारित किया है। मोदी जी के नेतृत्व में नया भारत इसे स्वीकार नहीं करेगा। एक देश में एक प्रधान, एक विधान, एक निशान चलेगा।

सीएम योगी झारखंड में आज करेंगे चार रैली

लखनऊ। तीन दिन तक उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को झारखंड जाएंगे। वे यहां दूसरे दिन चुनाव प्रचार करेंगे। इसके पहले सीएम योगी पांच नवंबर को चुनाव प्रचार में झारखंड गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहली जनसभा भवनाथपुर विधान सभा क्षेत्र में होगी। भारतीय जनता पार्टी ने यहां से मनु प्रताप शाही को टिकट दिया है। सीएम योगी इसके बाद पलामू जनपद की हुसैनाबाद सीट से उम्मीदवार कमलेश कुमार सिंह के लिए वोट मांगेंगे। सीएम योगी की तीसरी व चौथी रैली भी पलामू जनपद में ही होगी। तीसरी रैली पांकी से शशिभूषण मेहता के लिए करेंगे। सीएम योगी की सोमवार को चौथी व आखिरी रैली डॉल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र में होगी। यहां से भाजपा ने आलोक कुमार चौरसिया को उम्मीदवार बनाया है।

किसानों को लहसुन की खेती के लिए प्रोत्साहित कर रही योगी सरकार

● एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत बनाई गई विशेष योजना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में लहसुन की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत विशेष योजना बनाई है। यह मिशन भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। इसे प्रदेश के 45 जनपदों में लागू किया जा रहा है। यह जनपद सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बुलन्दशहर, गाजियाबाद, बरेली, मुरादाबाद, आगरा, मथुरा, मैनपुरी, हाथरस, कानपुर, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, बाराबंकी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, बलिया, कुशीनगर, महराजगंज, बांदा, हमीरपुर, जालौन, चित्रकूट, महोबा, ललितपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही, गोरखपुर, झांसी, अयोध्या एवं फर्रूखाबाद हैं। इस मिशन के अंतर्गत केन्द्रांश 60 प्रतिशत तथा राज्यांश 40 प्रतिशत निर्धारित किया गया है।

योजना के तहत प्रदेश में उद्यान विभाग द्वारा प्रति हेक्टेयर 30 हजार रुपये की अनुमन्य इकाई लागत तय की गई है। इसमें किसानों को प्रति हेक्टेयर 40 प्रतिशत (अधिकतम 12 हजार रुपये) अनुदान दिया जाएगा। यह अनुदान प्रति किसान न्यूनतम 0.2 हेक्टेयर से अधिकतम 4.0 हेक्टेयर तक की भूमि पर उपलब्ध होगा। लहसुन का बीज राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली द्वारा किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। बीज की कीमत 370 से 390 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच रखी गई है।

किसान इस योजना का लाभ प्रथम आवक-प्रथम पावक के आधार पर प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक किसानों को अपने जनपद के जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में संपर्क करना होगा। इसके साथ ही, किसान योजना में पंजीकरण करने के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर भी ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। लहसुन की बढ़ती मांग और उसकी गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने मसाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम के तहत 10 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में लहसुन की खेती का लक्ष्य रखा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इस योजना के प्रस्ताव को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, उद्यान अनुभाग, भारत सरकार को भेजा था, जिस पर केंद्र सरकार ने अनुमति प्रदान की है।

यूपी में ईवी चार्जिंग स्टेशनों का जाल बिछाएगी योगी सरकार

● पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल का उपयोग करके स्थापित किये जाएंगे चार्जिंग स्टेशन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार राज्य में पर्यावरण के अनुकूल और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए लगातार कई कदम उठा रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के उपयोग को प्रोत्साहित करने और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश नवीकरणीय और ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (यूपीआरईवी) की स्थापना की है। इसके तहत योगी सरकार प्रदेश में ईवी चार्जिंग स्टेशनों का जाल बिछाने जा रही है। यह पहल राज्य को एक हरित और ऊर्जा-कुशल भविष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

योगी सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग स्टेशनों के विकास के लिए व्यापक योजना बनाई है। यूपीआरईवी के तहत, राज्य के प्रमुख शहरों, राष्ट्रीय-राज्य राजमार्गों और शहरी क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की जाएगी। इसके लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल का उपयोग किया जाएगा, जिससे निजी निवेश को आकर्षित करने में मदद मिलेगी और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में तेजी आएगी। सरकार ने अन्य सरकारी विभागों के साथ मिलकर राज्य की भूमि को चार्जिंग स्टेशनों के लिए राइट टू यूज के आधार पर उपयोग करने की अनुमति दी है। इस पहल से राज्य के डिस्कॉम कार्यालयों, सब स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर ईवी चार्जिंग पॉइंट्स स्थापित किए जा रहे हैं।

योगी सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग के लिए बिजली दरों में भी संशोधन किया है। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (यूपीईआरसी) के नए आदेश के अनुसार, अब सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए

टैरिफ को औसत लागत से भी कम रखा गया है। इससे इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को किफायती दरों पर चार्जिंग की सुविधा मिलेगी, जिससे ईवी को अपनाने में तेजी आएगी। सरकार का लक्ष्य है कि ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए बेहतर दरें निर्धारित की जाएं ताकि परिवहन क्षेत्र में हरित ऊर्जा का अधिक उपयोग हो सके। इस कदम से राज्य में ईवी उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ योगी सरकार का उद्देश्य न केवल पर्यावरण को सुरक्षित रखना है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित करना है। चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों, इंजीनियरों और स्थानीय लोगों को काम पर लगाया जा रहा है। इससे राज्य के युवाओं को रोजगार मिलेगा और आर्थिक विकास को भी बल मिलेगा। इसके अलावा, यूपीईआरवी के माध्यम से योगी सरकार केंद्र सरकार के साथ मिलकर प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना के तहत 2000 करोड़ रुपये की सब्सिडी का लाभ उठाने की योजना बना रही है, जिससे और अधिक चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की जा सके।

योगी सरकार की यह पहल न केवल राज्य के पर्यावरण को बेहतर बनाने में सहायक होगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को ईवी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करके राज्य न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम करेगा, बल्कि परिवहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भी बढ़ाएगा। इस तरह की योजनाओं से यह स्पष्ट है कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आने वाले वर्षों में यह पहल राज्य को स्वच्छ, हरित और अधिक उन्नत बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

ग्राम चौपालों में चार लाख 27 हजार से अधिक समस्याओं का किया गया निस्तारण

● अब तक एक लाख 07 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का किया आयोजन

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल, (गांव की समस्या-गांव में समाधान) का आयोजन किया जा रहा है, और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत किया जाता रहे। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश की 1210ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिनमें 3080 प्रकरणो का निस्तारण गांव पंचायतों में ही कर दिया गया।इन ग्राम चौपालों मे 3194 ब्लाक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी तथा 5544 ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे और इन चौपालों में 66 हजार से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की। ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि जनवरी 23 से अब तक 01 लाख 07 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें 76 लाख से अधिक ग्रामीण मौजूद रहे और 04 लाख 27 हजार से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

14 कोसी परिक्रमा: राम नगरी में उमड़ा आस्था का सैलाब

लखनऊ/अयोध्या। प्रभु श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा करने को श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मुहूर्त से पहले उठी परिक्रमा में देर रात बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। जय श्रीराम का उद्घोष करते हुए कुछ श्रद्धालुओं ने पांच घंटे में ही 42 किलोमीटर नाप दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद रात भर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी निरीक्षण करते देखे गए। परिक्रमार्थियों को किसी प्रकार की तकलीफ़ न हो, इसलिए रात भर उच्चाधिकारी भी मेला क्षेत्र में मुस्तैदी के साथ जुटे रहे। अब तक मिली जानकारी के अनुसार तकरीबन 30 से 35 लाख श्रद्धालुओं के द्वारा परिक्रमा किये जाने की संभावना जताई जा रही है। यह पहला मौका है कि अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के भव्य मंदिर समेत 5 हजार से अधिक मंदिरों की श्रद्धालुओं ने परिक्रमा की है। पूरे परिक्रमा पथ पर श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न संगठनों की तरफ से जलपान की व्यवस्था कराई गई थी। इसके अलावा नगर निगम की ओर विश्राम गृह व मोबाइल टॉयलेट के भी इंतजाम कराए गए थे। विभिन्न घाटों पर 150 से भी अधिक चेंजिंग रूम बनाये गए थे। 14 कोसी परिक्रमा के महत्व को देखते हुए बड़ी संख्या में बाहरी श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे थे। मण्डल के जिलों के अलावा बहराइच, सीतापुर, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोंडा, प्रयागराज समेत अन्य जिलों के अलावा नेपाल से भी श्रद्धालु पहुंचे थे। कुछ श्रद्धालु अभी 12 नवंबर को पंचकोसी परिक्रमा करने के बाद ही लौटेंगे। परिक्रमा पथ पर देर रात 11 बजे से सुबह सात बजे तक जबरदस्त भीड़ रही। इस दौरान एक पटरी से दूसरी पटरी पर जाने के लिए भी मशक्कत करनी पड़ रही थी। मेला क्षेत्र में जलपान की दुकानें रातभर गुलजार रहीं। किसी तरह से परेशानी न हो इसलिए 14 कोसी पथ पर निकलने वाली सभी गलियों पर बैरिकेडिंग की गई थी।

योगी सरकार का पौष्टिक स्नैक्स बच्चों को बनाएगा हेल्दी

● बेसिक और जूनियर हाई स्कूल के बच्चों को पौष्टिक भोजन संग दिया जाएगा मूंगफली की चिक्की, बाजरे के लड्डू और भुना चना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार द्वारा प्रदेश के बेसिक और जूनियर हाई स्कूल के बच्चों के समग्र विकास के लिए पौष्टिक भोजन के साथ पौष्टिक स्नैक्स उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। यह पौष्टिक स्नैक्स बच्चों को विशेष साप्ताहिक पोषण कार्यक्रम के तहत दिये जाएंगे। इसमें मूंगफली की चिक्की, बाजरे के लड्डू और भुना चना आदि शामिल है। योगी सरकार ने मध्याह्न भोजन योजना को और अधिक प्रभावी संग लाभकारी बनाने के लिए पहल की है। यह पहल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी।

95 करोड़ रुपये खर्च करेगी योगी सरकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को नवंबर से बेसिक और जूनियर हाई स्कूल के बच्चों को विशेष साप्ताहिक पोषण कार्यक्रम के तहत हर गुरुवार को पौष्टिक स्नैक्स उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पीएम पोषण योजना के तहत कक्षा 1 से 8 तक के 1.74 करोड़ छात्रों को पौष्टिक भोजन प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से बच्चों को हर दिन 100 से 150 ग्राम अनाज दिया जा रहा है। बच्चों के पोषण को ध्यान में रखते हुए चक्की के लड्डू, बाजरे के लड्डू, मूंगफली की चिक्की, भुना चना जैसे खाद्य पदार्थ भी योजना में शामिल करने के निर्देश दिये हैं। इसके लिए योगी सरकार करीब 95 करोड़ रुपये खर्च करेगी। छात्रों को पौष्टिक स्नैक्स का लाभ देने के लिए प्रदेश भर में 3.72 लाख रसोइयों को नियुक्त किया गया है। इन्हे प्रत्येक माह 2000 रुपये का मानदेय और साल में एक बार यूनिफॉर्म के लिए 500 रुपये की सुविधा दी जा रही है। इसके अलावा रसोइयों को नियमित प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि वे बच्चों के लिए पोषण युक्त और स्वादिष्ट भोजन तैयार कर सकें। यह कदम योजना की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने और रसोइयों को बेहतर सेवाएं देने के लिए उठाया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने योजना के कार्यान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए डिजिटल निगरानी और सोशल ऑडिट करने के निर्देश दिये हैं। इससे खाद्यान्न की आपूर्ति और उपयोग की सही जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही योजना के निष्पक्षता और प्रभावशीलता को सुनिश्चित किया जा सकेगा। बता दें कि वर्तमान में जिलों में नियमित निरीक्षणों के माध्यम से योजना की गुणवत्ता पर नजर रखी जा रही है, लेकिन यह काफी नहीं है। ऐसे में डिजिटल निगरानी और सोशल ऑडिट का निर्णय लिया गया है।

भाजपा भर्ती नहीं छलावा करती है: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा भर्ती नहीं छलावा करती है और जब एक छल पकड़ा जाता है, तो भाजपाई दूसरा धोखा ले आते हैं। अब यूपी पीसीएस और आर ओ-एआरओ की परीक्षा में दो शिफ़्ट की भाजपाई साज़िश को कैंडिडेट्स भाँप गये हैं, इसीलिए उसके खिलाफ आंदोलनरत हैं। उनकी आवाज़ में समाजवादी अपनी आवाज मिलाते हैं और उनकी जायज़ माँग के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर खड़े हैं। ये भाजपा की चाल है कि युवाओं को सरकारी नौकरी न मिले और वो बेरोज़गार ही रहें और एक दिन सस्ते में मज़दूरों की तरह काम करने पर मजबूर हो जाएं। इससे भाजपाई मुनाफ़ाख़ोरों की तिजोरी भरती रहे और वो भाजपा को चंदा देतें रहें, जिसका दुरुपयोग वो चुनाव जीतने के लिए करते रहें। अब बेरोज़गार युवा भाजपा का ये चुनावी-दुष्चक्र समझ गया है और भाजपा की मंशा भी, इसीलिए वो अब चुनाव में भाजपा को हराने के लिए मुट्ठी बाँध कर संकल्प ले रहा है।

भारतीय जनता पार्टी का भविष्य और युवाओं का भविष्य, दो विरोधाभासी बातें हैं। जो भाजपा नौकरी और रोज़गार की परिभाषा में फँसाकर युवाओं और उनकी नौकरी के सपने देखनेवाले उनके माता-पिता को उलझाए रखती है, उससे कोई भी उम्मीद करना बेकार है। भाजपा के पतन में ही युवाओं का उत्थान है।

भाजपा की हार ही, युवाओं की जीत है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने सत्ता में आने के बाद नौजवानों के लिए किया ही क्या है? 2 करोड़ नौकरियों देने को वादा था, 10 लाख भी नौकरियां नहीं दी। नौजवानों को लैपटॉप देने का कहा वह वादा भी भूल गए। वाईफाई देने का वादा भी उन्हें याद नहीं रहा। आज नौजवान रोजगार के अभाव में अवसादग्रस्त होकर आत्महत्या कर रहा है। प्रदेश में कहीं नया उद्योग चालू नहीं हुआ है। पूंजी निवेश के बड़े-बड़े दावे हवाई साबित हुए है। नौजवान को रोजगार मिल नहीं रहा है, उन्हें उसकी तमाम नौकरियों से छंटनी हो रही है। संविदा पर काम करने वालों को न्यूनतम वेतन भी नहीं मिल रहा है। उनकी सेवा में हर समय असुरक्षा रहती है। ऐसी भाजपा सरकार से जितनी जल्दी मुक्ति मिले, उतना ही अच्छा।

सपा सरकार में गौ संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया था:राजेन्द्र चौधरी

लखनऊ। गोपाष्टमी के पर्व पर कल लखनऊ में जयपाल खेड़ा की गौशाला में गायों का पूजन कर उन्हें गुड़-केला खिलाया गया। पूर्व कैबिनेट मंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने गौशाला की गायों को माला पहनाई तथा उन्हें गुड़-केला खिलाया। गौशाला में 100 गाएं हैं। गोपाष्टमी पर हवन पूजन का भी कार्यक्रम हुआ जिसमें पंडित अरुण मिश्रा ने मंत्रोच्चार के साथ पूर्णाहुति दिलाई। राजेन्द्र चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि भारत में गौ हमारी संस्कृति और सभ्यता का अंग है। भगवान श्रीकृष्ण का गोपालन से विशेष सम्बन्ध रहा है। गौ के

लिए परिवारों में भोजन के समय ग्रास निकालने की परंपरा रही है। समाजवादी सरकार में मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गौ संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया था। गौ सेवा आयोग के गठन के साथ कामधेनु योजना का शुभारम्भ किया था। इसमें गो पालन के लिए तमाम सुविधाएं दी गई थीं। डेयरी उद्योग को भी काफी प्रोत्साहन दिया था। गौशाला, जयपालखेड़ा के संचालक अनुराग मिश्र ने गौशाला में गायों के रखरखाव की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गौशाला सात बीघे क्षेत्र में फैली है। बीमार गायों के पुख्ता इलाज के लिए डाक्टर की भी व्यवस्था है। गोपाष्टमी पर्व पर गौशाला के कार्यक्रम में राजेन्द्र चौधरी के साथ मुकेश शुक्ला पूर्व महानगर अध्यक्ष, सोनू कनौजिया पूर्व प्रत्याशी, मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र, सोनू यादव पूर्व ओएसडी सीएम, एवं आदर्श सिंह एडवोकेट भी शामिल रहे। अनुराग मिश्र गांधी आश्रम, खादी भवन, हजरतगंज, लखनऊ के ट्रस्टी सचिव रहे स्वस्त रामेश्वर नाथ मिश्र के सुपुत्र हैं।

देव दीपावली पर गौ माता के गोबर से बनाए दीयों से दमकेंगे काशी के घाट

● मुश्किल से 400-500 रुपए ही होती थी कमाई, अब 4 से 5 हजार तक हो रही आमदनी

लखनऊ/वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत की है। इन प्रयासों से न केवल महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है, बल्कि उनके आत्मसम्मान में भी वृद्धि हो रही है। खासकर वाराणसी जिले में देव दीपावली के मौके पर गाय के गोबर से बने दीपों का निर्माण कर रही महिलाओं की सफलता इस बात का गवाह है कि कैसे योगी सरकार ने उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत किया है। देव दीपावली के मौके पर, वाराणसी के घाटों पर लाखों दीप जलाने की तैयारी हो रही है। खास बात यह है कि इन दीपों का निर्माण गाय के गोबर से किया जा रहा है और यह कार्य स्वयं सहायता समूह की महिलाएं कर रही हैं। 7 स्वयं सहायता समूहों की 25 परिवारों की

महिलाएं इस कार्य में जुटी हुई हैं और उनका लक्ष्य 30,000 गोबर से बने दीप तैयार करना है। पहले जहां देव दीपावली पर महिलाएं मुश्किल से 400-500 रुपये कमाती थीं, अब उन्हें इस कार्य के लिए लगभग 4,000 से 5,000 रुपये की आय हो रही है।

स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं अब घर-घर जाकर दीपों की बिक्री नहीं करतीं, बल्कि उन्हें पहले से ही बड़े पैमाने पर आर्डर मिलने लगे हैं। ग्राम अहरक की राधिका ने बताया कि पहले उन्हें दीपों को बेचने के लिए घर-घर जाना पड़ता था, लेकिन अब योगी सरकार के प्रयासों से उन्हें पहले से ही आर्डर मिल जाते हैं, जिससे उनकी आय में जबरदस्त वृद्धि हुई है। महिलाएं अब आत्मनिर्भर बनी हैं और अपने पैरों पर खड़ी हैं, जिसका सीधा लाभ उनके परिवारों को मिल रहा है। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं को रोजगार और सशक्तिकरण के नए अवसर प्रदान किए हैं। इस मिशन से जुड़ी महिलाएं गाय के गोबर से बने दीपों का निर्माण कर रही हैं, और इन दीपों की बिक्री से उनकी आय में वृद्धि हो रही है। सरकार ने महिलाओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए गाय के गोबर का उपयोग करके उन्हें एक स्वच्छ और पर्यावरण फ्रेंडली रोजगार का अवसर दिया है। 15 नवंबर को काशी में मनाई जाने वाली देव दीपावली में 12 लाख दीपों से घाट रोशन होंगे, जिसमें गाय के गोबर से बने दीप भी शामिल होंगे। देव दीपावली पर गाय के गोबर से बने दीपों के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि जब महिलाओं को सही अवसर मिलते हैं, तो वे समाज में बदलाव ला सकती हैं। योगी सरकार के इन प्रयासों से न केवल महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं, बल्कि वे समाज में अपनी पहचान भी बना रही हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने धार्मिक, सामाजिक व पार्टी कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्रीय रक्षा मंत्री एवं सांसद लखनऊ राजनाथ सिंह से लखनऊ आवास पर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के जनप्रतिनिधियों ने भेंट की। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, महापौर सुषमा खर्कवाल, महामंत्री पुष्कर शुक्ला भेंट के समय मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि आवास पर भेंट के दौरान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह और प्रदेश महामंत्री एमएलसी गोविंद नारायण शुक्ला, विधायक फतेह बहादुर सिंह और जनप्रतिनिधियों व वरिष्ठ पदाधिकारीयों ने भी भेंट की। लखनऊ ब्राह्मण परिवार अध्यक्ष शिव शंकर अवस्थी ने ब्राह्मण समाज के साथ, अखिल भारतीय ब्रह्म समाज राष्ट्रीय महामंत्री देवेंद्र शुक्ला ने प्रतिनिधिमंडल के साथ, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष संदीप बंसल और सुरेश छबलानी और अशोक मोतियानी व अनिल बजाज ने व्यापारियों के साथ, सीए पवन धवन ने चार्टर्ड अकाउंटेंट एसोसिएशन पदाधिकारी के साथ लखनऊ होटल एंड रेस्टोरेंट ओनर एसोसिएशन अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार शर्मा ने एसोसिएशन सदस्यों के साथ, अमन वाल्मीकि ने समाज सदस्यों के साथ, गजेंद्र सिंह ने सैनिक नगर कॉलोनी वासियों के साथ विकास धानुका और समाज प्रतिनिधियों ने, प्रताप सिंह ने वाल्मीकि समाज से, राहुल गुप्ता और नौनिहाल वैशय समिति ने, सनातन धर्म मंदिर, स्नाकोत्तर कर्मचारी संघ, सनातन महासभा, भारत रक्षा दल , सिटी मोंटेसरी स्कूल चेयरमैन भारती गांधी, गीता गांधी कर्नल दयाशंकर दुबे के साथ प्रतिनिधि मंडल सहित हजारों की संख्या में आमजन जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने आवास पर भेंट की। सभी ने लखनऊ में हो रहे हैं अभूतपूर्व विकास के लिए रक्षा मंत्री का आभार व्यक्त किया और अन्य आवश्यकताओं संबंधी मांग पत्र दिए। रक्षा मंत्री ने आवश्यक कार्यवाही कराए जाने के लिए सभी को आश्वस्त किया।

प्रबुद्ध जनों और पार्टी कार्यकर्ताओं के परिवार जनों के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की

लखनऊ। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ में प्रबुद्ध जनों और पार्टी कार्यकर्ताओं के परिवार जनों के निधन के उपरांत उनके आवास जाकर शोक संवेदना व्यक्त की। परिवार वालों से भेंट कर मुश्किल समय में सांत्वना देकर ढांढस बंधाया और दुख की इस घड़ी में उनके परिवार के साथ होने का विश्वास दिलाया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉक्टर दिनेश शर्मा, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक डॉ नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव, सांसद प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी, महामंत्री पुष्कर शुक्ला, मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग उपस्थित रहे।

राजनाथ सिंह ने रविवार प्रात: चरक अस्पताल व डायग्नोस्टिक के संस्थापक प्रसिद्ध चिकित्सक स्व. डॉ. रतन सिंह जी के आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आवास पर स्वर्गीय डॉक्टर रतन सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामा सिंह, सुपुत्र डॉक्टर अश्वनी सिंह पुत्रवधू रितु सिंह, सुपुत्री कुंदनिका सिंह, दामाद कनिष्क डुकानिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसके बाद राजनाथ सिंह निराला नगर में वरिष्ठ अधिवक्ता एल.पी. मिश्रा जी के आवास गये और कुछ दिनों पूर्व उनके सुपुत्र स्व. सौरभ मिश्रा की असमय हुई मृत्यु पर दुख प्रकट किया।

इसके बाद राजनाथ सिंह ने लखनऊ विश्वविद्यालय के सेवानिवृत आचार्य और उच्च शिक्षा सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय डॉ सियाराम जयसवाल के निधन उपरांत अलग अलीगंज स्थित आवास जाकर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उनके परिवार से डॉक्टर कमल जायसवाल और डॉक्टर विमल जायसवाल भी उपस्थित रहे। उसके बाद रक्षा मंत्री पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता और त्रिवेणी नगर पार्षद मुन्ना मिश्रा के भतीजे शुभम मिश्रा और पश्चिम मंडल तीन के अध्यक्ष अरविंद मिश्रा के भाई अनुराग मिश्रा के निधन पर उनके राजाजीपुरम आवास भी गए और शोक संवेदना व्यक्ति की। इसके बाद रक्षा मंत्री अपने अनु सेवक हजारी चंद्र ठाकुर के गोमती नगर आवास गए । पिछले माह लीवर में इन्फेक्शन और डेंगू के कारण हजारी के 32 वर्षीय पुत्र का निधन हुआ था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने परिवार में उपस्थित उनकी धर्मपत्नी ललिता देवी, पुत्र रविचंद्र और बेटी दुर्गा से बातचीत कर ढांढस बंधाया।

दस आईएएस स्थानान्तरित

लखनऊ। प्रदेश सरकार नें रविवार को 10 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। राजशेखर को प्रबंध निदेशक उप्र जल निगम के पद पर वही अनिल गर्ग वर्तमान पदों के साथ स्टेट नोडल ऑफिसर प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और प्रबंध निदेशक उप्र भूमि सुधार निगम का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अपर मुख्य सचिव वन मनोज प्रतीक्षारत किए गए हैं। अनिल कुमार तृतीय को वर्तमान पद के साथ प्रमुख सचिव वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। रवि रंजन को प्रबंध निदेशक यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉ. लि. के पद पर बने रहेंगे। सान्या छाबड़ा को प्रबंध निदेशक राज्य पर्यटन विकास निगम और प्रणता ऐश्वर्या को प्रबंध निदेशक यूपी एग्रो की जिम्मेदारी दी गई है। प्रभाष कुमार को नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और संयुक्त प्रबंध निदेशक जल निगम (ग्रामीण) बनाया। विशेष सचिव उदय भानु त्रिपाठी को नगर विकास विभाग व अपर आयुक्त डॉ कंचन सरन को राज्य महिला आयोग का सचिव बनाया है।

हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षाओं के परीक्षा केंद्र सूची की गयी सार्वजनिक

- 14 नवम्बर 2024 तक प्रधानाचार्य या प्रबंधक, परीक्षा केंद्र निर्धारण से संबंधित अपना प्रत्यावेदन प्रस्तुत कर सकते हैं
- प्रधानाचार्य या प्रबंधक से प्राप्त आपत्तियों का सम्यक् परीक्षण करेंगे जिला विद्यालय निरीक्षक
- सभी आपत्तियों का निस्तारण, आख्या एवं संस्तुति के साथ 23 नवम्बर 2024 तक की जाएगी अग्रसारित

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2025 की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया को सार्वजनिक कर दिया है। जिलाधिकारी द्वारा गठित तहसील स्तरीय समिति द्वारा प्रमाणित विद्यालयों की आधारभूत सूचनाओं के आधार पर परीक्षा केंद्रों का चयन किया गया है। यह सूची, जिसमें छात्र आवंटन की जानकारी भी शामिल है, जनपद के अवलोकन एवं अनुमोदन हेतु परिषद की वेबसाइट पर जिला विद्यालय निरीक्षक के पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है।

परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि यदि किसी संस्था के प्रधानाचार्य या प्रबंधक को परीक्षा केंद्र निर्धारण में किसी भी प्रकार की आपत्ति या शिकायत है, तो वे निर्धारित प्रारूप में अपना प्रत्यावेदन ऑनलाइन माध्यमिक शिक्षा परिषद के पोर्टल नचउेचण्मकनण्पद पर 14 नवम्बर 2024 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में आपत्तियों के लिए आवश्यक साक्ष्य और युक्तियुक्त कारण प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इस निर्धारित तिथि के बाद कोई भी प्रत्यावेदन मान्य नहीं होगा। इस प्रकार की किसी भी आपत्ति के समाधान हेतु परिषद द्वारा जारी प्रारूप का पालन करना होगा ताकि इसे जनपदीय केंद्र निर्धारण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके। जिविनि को निर्देशित किया गया है कि वे प्रधानाचार्य या प्रबंधक से प्राप्त आपत्तियों का सम्यक् परीक्षण करें। आपत्तियों का समय पर निस्तारण करते हुए, तर्कसंगत एवं औचित्यपूर्ण पाई गई आपत्तियों पर अंतिम कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। सभी आपत्तियों का निस्तारण कर, इनकी आख्या एवं संस्तुति के साथ 23 नवम्बर 2024 तक परिषद की वेबसाइट पर ऑनलाइन रूप से अग्रसारित किया जाएगा।

कैसरबाग में एलडीए ने दो मंजिला काम्पलेक्स किया जमींदोज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कैसरबाग में शुभम सिनेमा के पास एलडीए द्वार दो मंजिला अवैध कॉम्पलेक्स पर कड़ी कार्रवाई की गयी। बिना नक्शा पास कराए खड़ी हुई दो मंजिला काम्पलेक्स को प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा ध्वस्त कर दिया गया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के साथ पहुंचे अधिकारियों द्वारा बुल्डोजर से गिरान शुरू किया गया, जो शाम तक ढहा दिया गया। लखनऊ मे शनिवार को कैसरबाग में शुभम सिनेमा के पास बेशकीमती जमीन पर बने अवैध निर्माण को बुलडोजर ध्वस्त कर दिया गया। इस जगह बेसमेंट खोदकर 2 मंजिला कॉम्प्लेक्स को लखनऊ विकास प्राधिकरण से नक्शा पास किए बिना ही बना दिया गया था।जिसके बाद एलडीए ने ये कड़ा एक्शन लिया है। एलडीए की टीम भारी सुरक्षा बल के साथ मौके पर पहुंची जिसके बाद इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

हालांकि इसको लेकर बिल्डिंग के ऑनर ओवैस मिर्जा ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस बिल्डिंग पर किसी तरह के एक्शन को लेकर स्टे दिया था। एलडीए द्वारा ध्वस्तीकरण की इस कार्रवाई के खिलाफ अरमान और ओवैस मिर्जा कमिश्नरेट कोर्ट भी गए, जहां 14 नवंबर की तारीख लगी है, लेकिन वहां से स्टे पीड़ित पक्ष को नहीं लगा है। विभागीय सूत्रों की मानें तो इस बिल्डिंग का न नक्शा पास था और न ही बिजली कनेक्शन और अन्य प्लान वैलिड थे। ये कॉम्प्लेक्स फर्जी तरीकों से हासिल की गई विवादित जमीन पर बनाया जा रहा था। जांच के बाद एलडीए की टीम ने शुभम सिनेमा के पास निर्माणाधीन बिल्डिंग को ढहा दिया। कैसरबाग में अरमान बशीर और ओवैस मिर्जा की इस निर्माणाधीन बिल्डिंग को बुलडोज कर दिया गया। इस दौरान घटनास्थल पर भारी संख्या में पुलिस और रेपिड फोर्स भी लगाई गई है।

पुस्तक महोत्सव में रामायण पर चर्चा की रही धूम

लखनऊ। राजधानी में चल रहे नैशनल बुक ट्रस्ट एवं शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गोमती पुस्तक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें रविवार को लेखकगंज सत्र में रामायण पर चर्चा की धूम रही। सत्र में उपस्थित श्रोता न केवल मंच से बंधे रहे अपितु राम नाम के सार्थक संवादों को गुंजायमान करते दिखे। पुस्तक महोत्सव में डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में अंग्रेजी की शिक्षक डॉ अलका सिंह ने महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित विश्व प्रख्यात महाकाव्य के न केवल धार्मिक, सांस्कृतिक अपितु शोध और अकादमिक अध्ययन के परिप्रेक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव में चर्चा का विषय था रामायण इज, कॉर्नरस्टोन ऑफ कल्चरल कनेक्शन अमंग एशियन कंट्रीज (यानी) एशियाई देशों के बीच सांस्कृतिक संबंध की आधारशिला के रूप में रामायण सत्र के अंतर्गत राम कथा एवं रामायण के विविध रूपों, विभिन्न सांस्कृतिक परिवेशों में इसके विस्तार की चर्चा की गई।

एससी-एसटी में उपवर्गीकरण को संविधान संशोधन से रोकें: भवन नाथ

लखनऊ। संविधान बचाने एवं निजी क्षेत्र में आरक्षण के लिए बड़ा आन्दोलन किया जाएगा। अपने अधिकार के लिए समाज को संगठित होकर संघर्ष करना होगा। उपरोक्त बातें रविवार को रवींद्रालय सभागार में आयोजित डॉ अम्बेडकर राष्ट्रीय एकता मंच के 12वें राष्ट्रीय अधिवेशन में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भवन नाथ पासवान ने कही। अधिवेशन का प्रारंभ बुद्ध एवं डॉ अम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित एवं दीप जलाकर बुद्ध वंदना से हुई। संगठन के राष्ट्रीय संरक्षकए पूर्व आईएएस राम बहादुर ने राष्ट्रीय अधिवेशन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय प्रधान महासचिव इंण्एसपी सिंह ने किया। अपने संबोधन में भवननाथ पासवान ने कहा कि डॉ अम्बेडकर राष्ट्रीय एकता मंच पूरे देश में एक अलग पहचान बना रहा है और आज इस अधिवेशन 26 प्रदेशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि संविधान से छेड़छाड़ करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए। निजी क्षेत्रए न्यायपालिका और सेवा में आरक्षण की व्यवस्था की मांगए हर नागरिक को समान और सस्ती शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं मिलेए अनुसूचित जातिए जनजाति तथा पिछड़े और कमजोर लोगों पर हो रहे अत्याचार पर सरकार रोक लगाएए सरकारी विभागों एवं सार्वजनिक पदों को विशेष भर्ती अभियान के तहत भरा जाएए पुरानी पेंशन स्कीम लागू की जाएए किसानों की उपज का बीमा सीमा एवं न्यूनतम मूल्य बढ़ाई जाए। इन मांगों को लेकर 26 प्रदेशों से आए प्रतिनिधियों ने समर्थन किया। मुख्य वक्ताओं में सोहन राम पूर्व आईएएसए मनोहर राम पूर्व आईएएसए राजेंद्र प्रसाद एडिशनल कमिश्नर, माताफेर, राकेश कुमार, आरपी सरोज, इं भीमराज, राधेश्याम राम, आसाराम सरोज, डॉ अनिल कुमारए फ्तेह बहादुर सिंह, एडवोकेट एसपी एडवोकेट, एडवोकेट भास्कर पासवान, डॉ शिव शक्ति, डॉ रवि सरोजए बलिराम पासवान, अभिषेक चौधरीए डॉक्टर अशोक चौधरी, राजकुमार चौधरी, सुशील कुमार, कर्णम किशन,आदित्य वर्मा, राकेश चंद्र राणा, भारत वीर, सुभाष पासी, शैलेश धानुक हरीश चंद्र, डॉ जयप्रकाश, शिव बालक,दुर्गा प्रसाद, जय सिंह ,मानसिंह, संजू चौधरी राजकुमार मंडल, रामकिशन पासी, अमन कुमार, विनय कुमार, नीरज, प्रभाकर, उमा देवी, सतीश कुमार दीपराज, हीरामन, इंजीनियर रामदयाल, बृजराज प्रसाद, अरुण सरोज, डॉ आरबी सरोज, गायत्री किरण,ऋषुराज बोरा पिंकू, दास शरद दास आदि शामिल रहे।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव ने व्यक्त की शोक संवेदना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने अयोध्या ग्राम सभा रामदासपुर में ग्राम सभा रामदासपुर के प्रधान प्रतिनिधि डिंपल सिंह तथा सूचना अधिकारी अभिषेक सिंह के पैतृक आवास पर पहुंचकर उनके स्वर्गीय बाबा शीतला बख्श सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने इस अवसर पर कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतृप्त परिवार को यह वियोग सहन करने की शक्ति दे।

ब्राह्मण ही सनातन धर्म का संच्चा संवाहक है: एसपी शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अखिल भारतीय श्री भट्ट ब्राह्मण महासभा एवं भट्ट ब्राह्मण महा समिति (पंजी) रायबरेली के संयुक्त तत्वाधान में मोहनलालगंज स्थित मालती नारायण इंटर कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय भट्ट ब्राह्मण सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड के पूर्व राज्यमंत्री भवानी दत्त भट्ट रहे। सम्मेलन में अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान में ब्राह्मण ही सनातन धर्म का संच्चा संवाहक है।

रविवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय श्री भट्ट ब्राह्मण सम्मेलन के दूसरे दिन भी प्रदेश के दूसरे जिलों से आए वक्ताओं ने अपने विचार प्रकट किया। सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं उत्तराखंड के पूर्व राज्यमंत्री भवानी दत्त भट्ट और ब्रह्म समाज के अध्यक्ष देवेंद्र शुक्ला रहे। अपने अध्यक्षीय भाषण में पं एसपी शर्मा ने कहा कि वर्तमान में ब्राह्मण ही सनातन धर्म का सच्चा संवाहक है जिसमें समस्त हिंदू धर्म संरक्षित होता है। पंडित देवेंद्र शुक्ला ने कहा कि आज सभी सनातनियों को एक मंच के नीचे एकत्रित होने की नितांत आवश्यकता है।

अध्यक्षता पं सुखदेव प्रसाद शर्मा ने की और संचालन महामंत्री पं राजेश कुमार शर्मा द्वारा किया। सम्मेलन में प्रमुख रूप से पंडित वेद प्रकाश शर्मा, सत्येंद्र कुमार शर्मा, दुर्गा प्रसाद शर्मा, राजेश कुमार शर्मा, जवाहरलाल शर्मा, देश दीपक शर्मा सहित बनारस से आनंद राय, श्यामधर शर्मा, घनश्याम शर्मा, रवि शर्मा, अयोध्या से राज किशोर शर्मा, चित्रकूट से हनुमान प्रसाद, निर्मल दिनेश चंद्र शर्मा, अरविंद शर्मा, रामसागर शर्मा, बांदा से कुलदीप शर्मा, रायबरेली से हरिहर प्रसाद शर्मा, अरविंद शंकर शर्मा लखीमपुर से प्रमोद शर्मा, कृष्ण चंद्रशर्मा, सुशील शर्मा, रत्नेश शर्मा, आकाश शर्म आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर सम्मेलन के दूसरे दिन अखिल भारतीय भट्ट ब्राह्मण महासभा की। नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का चुनाव किया और चयनित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ।

आरटीआई मामले के नियमों को दरकिनार कर रहे अफसर

- सूचनाओं के लिए भटक रहे लोग

मोहनलालगंज। बिजली विभाग के अफसर आरटीआई के नियमों को दरकिनार कर रहे हैं। राज्य सूचना आयोग और सरकार की सख्ती के बावजूद जिम्मेदार सूचनाएं छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। लिहाजा विभाग के कामकाज को लेकर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं। विभाग के नामित अपीलीय अधिकारी भी आवेदकों को सूचनाएं दिलाने में दिलचस्पी नही दिखा रहे हैं। आयोग में शिकायतों की तादात बढ़ रही है। लेसा सिस गोमती जोन में सेस डिवीजनों के अफसर सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत सूचनाएं देने में फिसड्डी साबित हो रहे हैं। आरटीआई के तहत प्राप्त हो रहे आवेदनों में निर्धारित समयावधि में सूचनाएं देने के बजाए आवेदकों को आधी अधूरी सूचनाएं देकर टरकाया जा रहा है। जिसकी वजह से विभाग की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी सवालों के घेरे में है। उपभोक्ताओं की मानें तो अगर विभाग में सब कुछ नियम संगत किया जा रहा है। तो फिर आरटीआई आवेदनों में मांगी जा रही सूचनाओं को लटकाने की वजह समझ से परे है। आरटीआई आवेदनों से भ्रष्टाचार और मनमानी पर लगाम कसने में आसानी होनी चाहिए। फिर भी विभाग में नामित प्रथम और द्वितीय अपीलीय अधिकारी भी आवेदकों को मांगी गई सूचनाएं नही दिला पा रहे हैं। लोगों को आयोग में अपील अथवा शिकायत दर्ज करानी पड़ रही है। राज्य सूचना आयोग में शिकायत और अपीलों की संख्या में इजाफा हो रहा है। मोहनलालगंज में डेढ़ माह पूर्व पिछले कुछ माह में किए गए लोड सैंक्शन के मामलों को केवल आरटीआई के तहत सूचनाएं मांगी गई। जनसूचना अधिकारी ने आधी अधूरी आवेदनों की संख्या और विभागीय नियम की जानकारी तो दी लेकिन आवेदन के मुताबिक पूरी जानकारी देने के बजाए बेहद सफाई से किनारा कर लिया गया। मामले में ऑनलाइन ही प्रथम अपील के बाद भी अब तक सूचनाएं नही दी गई है। मीटर सेक्शन से मोहनलालगंज डिवीजन में निश्चित समयावधि में बदले गए मीटर और उनकी एमआरआई के संबंध में कुछ अहम जानकारी मांगी गई। मीटर सेक्शन के जन सूचना अधिकारी ने अब तक कोई सूचना नही दी। ऑनलाइन आवेदन के बावजूद उसका कोई जवाब तक नही दिया। प्रथम अपीलीय अधिकारी से की गई अपील भी मांगी गई सूचनाएं दिलाने में मददगार नही बन सके।

यूपी उद्यान अधिकारी एसोसियेशन के अध्यक्ष बने बलजीत सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उद्यान अधिकारी एसोसियेशन का द्विवार्षिक चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें बलजीत सिंह, उप निदेशक उद्यान, अलीगढ़ को अध्यक्ष चुना गया। महासचिव के पद पर श्रीमती सीमा सिंह राणा, जिला उद्यान अधिकारी, जौनपुर को निर्वाचित किया गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर श्री उमेश चन्द्र उत्तम, अधीक्षक राजकीय उद्यान, प्रयागराज निर्विरोध और उपाध्यक्ष के पद पर श्री मुकेश कुमार, उप निदेशक उद्यान, कानपुर तथा सचिव के रूप में श्री दिनेश चौधरी, जिला उद्यान अधिकारी, बहराइच को मनोनीत किया गया। कोषाध्यक्ष का पद श्री जयराम वर्मा, जिला उद्यान अधिकारी, रायबरेली को सौंपा गया। संगठन सचिव के रूप में श्री सुनील कुमार, जिला उद्यान अधिकारी, बदायूँ और अतिरिक्त सचिव के पद पर श्री श्याम सिंह, जिला उद्यान अधिकारी, इटावा को चुना गया।

सर्वोदय विद्यालयों में आज से शुरू होगी जोन स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सर्वोदय विद्यालयों में 11 से 13 नवंबर तक जोन स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य इन विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की खेल प्रतिभा को निखारना और राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें तैयार करना है।

प्रतियोगिता में विभिन्न मंडलों से सर्वोदय विद्यालयों की टीमों को छह जोनों में विभाजित किया गया है। प्रतियोगिता में 24 खिलाड़ियों की टीमें विभिन्न खेलों जैसे बैडमिंटन, कबड्डी, वॉलीबॉल, और एथलेटिक्स (100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर दौड़, ऊँची कूद, लंबी कूद, भाला फेंक) में भाग लेंगी। प्रत्येक टीम के खिलाड़ियों को ट्रैक सूट, सफेद जूते और मोजे पहनकर अपने मंडल के विद्यालय के फ्लैग के साथ मार्च पास्ट में भाग लेना होगा। खिलाड़ियों को पहचान पत्र और 4इ4 इंच का चेस्ट नंबर लेकर आना अनिवार्य है, जो उनके विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा जारी किया गया होगा।

समाज कल्याण विभाग का प्रयास है कि इन विद्यालयों के छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ खेल की बेहतर सुविधाएं भी मिलें। विभाग के इस प्रयास से इन बच्चों में खेल के प्रति रुचि बढ़ रही है, साथ ही वे राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। इन खेल-कूद प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बच्चों को अनुशासन, टीम भावना, और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का भी अनुभव प्राप्त होता है।

समाज कल्याण विभाग ने सर्वोदय विद्यालयों में खेल की सुविधाओं को विशेष प्राथमिकता दी है। विद्यालयों में प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षकों की देखरेख में बच्चों को नियमित अभ्यास कराया जाता है। प्रतियोगिताओं के लिए बच्चों को उच्च स्तर की खेल किट्स (टी-शर्ट और हाफ पैंट) प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा, रेफरी और खेल अधिकारियों की मदद से खेलों की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाती है।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले जोनों के फ्लैग कलर्स

प्रत्येक जोन के लिए अलग-अलग फ्लैग कलर निर्धारित किए गए हैं ताकि पहचान में आसानी हो। बालक वर्ग में जोन 1 (आगरा) का फ्लैग गुलाबी, जोन 2 (मेरठ) का नीला, जोन 3 (प्रयागराज) का नारंगी, जोन 4 विंध्याचल का पीला, जोन 5 गोरखपुर का केसरिया और जोन 6 लखनऊ का आसमानी रंग का होगा। इसी तरह बालिका वर्ग में जोन 1 (बरेली) का फ्लैग लाल, जोन 2 (प्रयागराज) का नारंगी, जोन 3 (गोरखपुर) का केसरिया, जोन 4 लखनऊ का आसमानी रंग का होगा।

प्रतिभागियों के ठहरने और खान-पान की व्यवस्था

जोन स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान सभी जोन प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे खिलाड़ियों के ठहरने, खाने-पीने और खेल मैदान की उचित व्यवस्था करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। हर विद्यालय के प्रधानाचार्य को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि उनके छात्रों की सुरक्षा और सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए। प्रतियोगिता के शुभारंभ और समापन समारोह के अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, जिला स्तर के अधिकारियों, और मंडल स्तर के उच्च अधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगा। इससे छात्रों में उत्साह का संचार होगा और उन्हें खेलों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी। समाज कल्याण विभाग राज्य मंत्री असीम अरुण ने कहा कि यह प्रतियोगिताएं न केवल छात्रों के खेल कौशल को निखारेगी, बल्कि उन्हें एक स्वस्थ और अनुशासित जीवन जीने के लिए भी प्रेरित करेगी। समाज कल्याण विभाग का यह प्रयास छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए एक सशक्त कदम साबित होगा।

आप के पूर्व मंत्री हरशरण बल्ली भाजपा में शामिल

● कहा, पूरा सिख समाज पीएम मोदी की ओर विश्वास के साथ देख रहा है

● कहा, केजरीवाल सरकार ने दिल्ली को भ्रष्टाचार की दलदल में धकेल दिया है

आप के पूर्व मंत्री हरशरण सिंह बल्ली को भाजपा में शामिल कराते वीरेंद सचदेवा।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री, सिख समाज एवं आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सरदार हरशरण सिंह बल्ली रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। पूर्व मंत्री को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर उनके साथ हरशरण सिंह बल्ली के पुत्र आप के युवा नेता सरदार गुरमीत सिंह 'रिकू' बल्ली ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पूर्व महापौर सुभाष आर्य एवं पूर्व विधायक सुभाष सचदेवा भी मौजूद थे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की सरदार हरशरण सिंह बल्ली ने दिल्ली के उधोग मंत्री के रूप में दिल्ली के उद्योग व्यापार के विस्तार में बड़ी भूमिका अदा की। उन्होंने कहा, हरशरण सिंह बल्ली दिल्ली के प्रतिष्ठित सिख समाज नेता हैं जो ईमानदार जनप्रतिनिधि की छवि के साथ पश्चिम दिल्ली में सर्वमान्य सिख नेता के रूप में स्थापित हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा की दिल्ली में तत्कालीन कांग्रेस सरकार की गलत नीतियों के चलते दिल्ली के व्यापारियों को सीलिंग की मार झेलनी पड़ी।

उस वक्त सरदार हरशरण सिंह बल्ली ने दिल्ली के व्यापारियों के सीलिंग विरोधी आंदोलन को नेतृत्व दिया, अनेक बार जेल गये और आज भी दिल्ली के व्यापारियों के सम्मान के पात्र हैं। भाजपा परिवार में पुन: जुड़ने पर अति भावुक सरदार हरशरण सिंह बल्ली ने कहा है की मैंने बहुत उम्मीद के साथ अरविंद केजरीवाल की बातों से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली थी पर 5 साल बाद हताश होकर आप को छोड़ा है क्योंकि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली को विकासधारा से काट कर भ्रष्टाचार की दलदल में धकेल दिया है।

सरदार हरशरण सिंह बल्ली ने कहा आज पूरे देश के साथ ही पूरा सिख समाज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर विश्वास के साथ देख रहा है और 1984 के दंगाईयो सज्जन कुमार एवं जगदीश टाइटलर को कटघरे में खड़ा करने के लिए आभारी है। सरदार बल्ली ने कहा है की मुझे विश्वास है सज्जन कुमार एवं टाइटलर के कानून का मुजरिम बनने के बाद दिल्ली का सिख समाज 2025 में भाजपा को बड़ी विजय दिलायेगा।

झटका : कांग्रेस नेता मतीन अहमद ने थामा आप का दामन

चौ. मतीन को आप में शामिल करते पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल।

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और सीलमपुर से पांच बार विधायक रहे मतीन अहमद रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। कुछ दिन पहले ही उनके बेटे और बहू भी आप में शामिल हुए थे।

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस की दिल्ली इकाई के वरिष्ठ नेता अहमद के पार्टी में शामिल होने की औपचारिक घोषणा की। केजरीवाल ने पार्टी में शामिल हुए नए सदस्य का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यमुना पार क्षेत्र में चौधरी मतीन अहमद जी जनता के बीच रहकर उनकी सेवा करते आए हैं। अहमद के बेटे चौधरी जुबैर अहमद और उनकी पार्षद पत्नी शगुफ्ता चौधरी 29 अक्टूबर को आप में शामिल हो गए थे।

विरोध प्रदर्शन के चलते कनाडा उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ी

● हिंदू-सिख संगठन के सदस्यों के मार्च को देखते हुए लिया गया फैसला

राजधानी स्थित कनाडा उच्चयोग के बाहर विरोध-प्रदर्शन करते लोग।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कनाडा में हिंदू मंदिरों पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा करते हुए हिंदू-सिख समूह के प्रदर्शन के बीच दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी के चाणक्यपुरी इलाके में कनाडा उच्चायोग के बाहर अपनी सुरक्षा बढ़ा दी है।

पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना से बचने और कानून-व्यवस्था में किसी तरह की बाधा न आए, यह सुनिश्चित करने के लिए उच्चायोग के बाहर बैरिकेड्स लगाए और सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी। हालांकि, इससे आक्रोशित प्रदर्शनकारियों इतने से नहीं माने और विरोध प्रदर्शन करते रहे। प्रदर्शन करने वालों में हिंदू और सिख समुदायों के गठबंधन का प्रतिनिधित्व करने वाले हिंदू सिख ग्लोबल फोरम के सदस्य शामिल थे, जिन्होंने इस तरह के हमलों को रोकने की मांग को लेकर मार्च निकाला। सिख सदस्यों सहित इन प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की मौजूदगी के बावजूद बैरिकेड्स पर चढ़ने की कोशिश की और 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' और 'जस्टिन ट्रूडो, हाय हाय' जैसे नारे लगाए। दिल्ली पुलिस प्रदर्शनकारियों से बैरिकेड्स के पीछे रहने की अपील करती नजर आई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने विरोध मार्च के आह्वान के बाद कनाडा के उच्चायोग के बाहर अतिरिक्त बल और बैरिकेडिंग तैनात की है। किसी को भी कानून और व्यवस्था का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रदर्शनकारियों ने 'कनाडा में मंदिरों पर हमले बंद करो', 'आवाज़ दो हिंदू सिख एक है' और 'ना टूटेंगे ना बटेंगे, हम एक हैं' लिखी तख्तियां हाथ में लिए हुए थे।

कनाडा में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाकर की गई हिंसक घटनाओं की एक श्रृंखला के बाद यह विरोध प्रदर्शन हुआ है। जिसमें सबसे ताज़ा घटना 4 नवंबर को ब्रैम्पटन के एक मंदिर में हुई थी। 3 नवंबर को खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के बाहर महिलाओं और बच्चों सहित हिंदू भक्तों पर हमला किया गया और उन पर लाठियों से हमला किया गया।

भाजपा से नहीं संभल रही दिल्ली की कानून व्यवस्था : केजरीवाल

● आप प्रमुख ने कसा तंज, आखिर जनता किस विश्वास पर उनको पूरा प्रदेश सौंप दे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा की केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। रोहिणी के व्यापारी से रविवार को सरेआम रंगदारी मांगने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा से दिल्ली की कानून-व्यवस्था ही नहीं संभल रही है, तो जनता पूरी दिल्ली की जिम्मेदारी उसे कैसे दे दे।

वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री व वरिष्ठ आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि कोई ऐसा दिन नहीं बीत रहा है, जब दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों से सरेआम गोलीबारी या रंगदारी मांगने की खबर न आ रही हो। गैंगस्टरों के नेटवर्क को बचाने के चक्कर में भाजपा ने दिल्ली की कानून-व्यवस्था का बेड़ा गर्क कर दिया है। इतनी बुरी हालत कभी नहीं देखी गई। अगर भाजपा से कानून-व्यवस्था नहीं संभल रही है, तो दिल्ली की चुनी हुई सरकार को दे दें। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में 10 दिन में कानून-व्यवस्था काबू में आ जाएगा।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि भाजपा ने दिल्ली को उस स्थिति में पहुंचा दिया है, जिस स्थिति में कभी 90 के दशक में मुंबई में अंडरवर्ल्ड का राज हुआ करता था।

सिसोदिया ने प्रदूषण पर भाजपा को घेरा

राजधानी में प्रदूषण पर मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए बहुत बेहतर इंतजाम किए हैं। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में बहुत कमी आई है। दिल्ली और पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकारें प्रदूषण कम करने पर काम कर रही हैं। लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार प्रदूषण रोकने के लिए क्या कर रही है। भाजपा दिन-रात अरविंद केजरीवाल को गाली देने के अलावा क्या कर रही है।

आधा दर्जन बदमाशों ने दो दोस्तों को मारी गोली

● हालत गंभीर, हमलावर फरार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी के भलस्वा डेयरी इलाके में शनिवार रात आधा दर्जन बदमाशों ने दो दोस्तों को गोली मार दी। दोनों की हालत अस्पताल में गंभीर बनी हुई है। वारदात के बाद आरोपी मौके पर से फरार हो गए।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कुछ आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनको पकड़ने की कोशिश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक भलस्वा डेयरी पुलिस को बीती रात करीब पौने 12 बजे जगराम चौक,मुकुंदपुर,डी ब्लॉक में दो युवकों को गोली मारने की पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची।

जगराम चौक के रहने वाले दो दोस्त अरविंद (36) को छाती और पैर जबकि गोलू उर्फ डाबा (21) को थाई के पास गोली लगी थी।

दोनों को तुरंत नजदीक के बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद अरविंद को ट्रॉमा सेंटर जबकि गोलू को लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल में शिफ्ट कर दिया। क्राइम और फॉरेंसक टीम की मदद से सबूत इक्ट्ठा किये। पुलिस को शुरूआती जांच में पता चला कि दोनों दोस्त गली के बाहर बातचीत कर रहे थे। उसी वक्त करीब आधा दर्जन लड़के उनके पास आए और किसी बात को लेकर बहसबाजी करने लगे।

हाथापाई और गाली गलौच के बीच लड़को में से कुछ ने पिस्टल निकालकर उनको गोली मारने के बाद सभी हमलावर फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीड़ितों के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया है। आरोपियों की पहचान करके उनको पकडने की कोशिश की जा रही है।

आजादपुर मंडी में कारोबारी से लूटपाट, सीसीटीवी जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। आजादपुर मंडी में एक कारोबारी से बदमाशों ने लूटपाट हुई। इस मामले में महेंद्रा पार्क पुलिस ने पीड़ित कारोबारी के बयान पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मंडी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।पुलिस सूत्रों के मुताबिक शिकायतकर्ता निसारुल हक परिवार के साथ वीपी ब्लॉक, मौर्या एंक्लेव में रहता है। आजादपुर मंडी में कारोबार है। शनिवार को अलग अलग फर्म से टोटल पेमेंट 2 लाख 35 हजार रुपए पेमेंट कलेक्ट करके पिलर नंबर 270 के पास दोपहर एक बजे माल लाने वाले ट्रक ड्राइवरों को पेमेंट कर रहे थे। करीब 60 हजार रुपए दे चुके थे। बाकी करीब 1 लाख 75 हजार रुपए बैग में टेबल पर रखे थे। क बदमाश आया और बैग लूटकर भाग गया।

अस्पताल में भर्ती बच्चे के पिता को बेहोश कर लूटा

नई दिल्ली। समयपुर बादली इलाके में अस्पताल में भर्ती बच्चों की देखभाल और इलाज के लिए पैसे लेकर घर से निकले पिता को रास्ते में बदमाशों ने जबरन रोककर रूमाल सुंघाकर बेहोश कर करीब 15 हजार रुपये और मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक पीड़ित दाता राम परिवार के साथ भगवानपुरा, समयपुर बादली इलाके में पत्नी व 2 बच्चे के साथ रहता है। वह बेलदारी का काम करता है। जिससे उसके परिवार को गुजारा होता है। पिछले कुछ समय से उसके दोनों बच्चे निमोनिया से ग्रस्त हैं।

15 लाख रुपये की फिरौती व अपहरण में आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की साइबर सेल ने फिरौती के लिए अपहरण करने के मामले में फरार आरोपी अनिल कुमार यादव को गिरफ्तार किया है।

वर्ष 2023 में जमानत पर रिहा होने के बाद, वह गायब हो गया और अदालती कार्यवाही में शामिल नहीं हुआ। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि छह अक्तूबर 2016 को फर्श बाजार में किडनैपिंग और फिरौती मांगने का केस दर्ज हुआ था। जिसमें आरोपी अनिल को गिरफ्तार किया था।

जमानत पर बाहर आने और फिर वापिस नहीं जाने पर बीते नौ सितम्बर को उसको भगौड़ा घोषित कर दिया था।

एक पुख्ता जानकारी के बाद एसीपी पवन कुमार की देखरेख में गाजियाबाद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली के कई इलाकों में रहेगा जल संकट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी के कुछ इलाकों के लोगों को सोमवार और मंगलवार को जलसंकट का सामना करना पड़ सकता है। दिल्ली जल बोर्ड के अनुसार रोहिणी सेक्टर 7 बीपीएस की 700 मिमी व्यास की आउटलेन लाइन पर फ्लो मीटर लगाने के कारण 16 घंटे तक जल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड की तरफ से जारी सूचना में बताय गया कि पानी सोमवार (11 नवंबर) शाम से मंगलवार सुबह तक नहीं आएगा। डीजेबी ने इसकी वजह भी बताई है। फ्लो मीटर लगाने का काम सोमवार सुबह 10 बजे से शुरू होगा और 16 घंटे तक चलेगा। दिल्ली जल बोर्ड ने लोगों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं।

पानी की सप्लाई से प्रभावित इलाके रोहिणी सेक्टर 6, रोहिणी सेक्टर 7, रोहिणी सेक्टर 8 और उसके असापास के हैं। यहां पानी सोमवार शाम और मंगलवार सुबह नहीं आएगा। अगर सोमवार सुबपह पानी की आपूर्ति होती है तो उसका पानी का प्रेशर काफी कम रहेगा। दिल्ली जल बोर्ड ने लोगों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। आपातकाल स्थिति या फिर पानी का टैंकर मंगाने के लिए 1916 नंबर डायल कर सकते हैं।

हेल्प लाइन नंबर

मंगोलपुरी के लिए हेल्पलाइन नंबर- 01127915965
पश्चिम विहार के लिए हेल्पलाइन नंबर- 01125281197
सेंट्रल कंट्रोल रूम के नंबर-1916, 23527679, 23624469, 9650291021, 1800117118
प्रभावित इलाकों में रोहिणी सेक्टर 6 7 8 और आसपास के इलाके शामिल हैं।

संक्रामक रोगों ने ली सबसे अधिक जान: रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● राजधानी में पिछले साल 24 फीसदी मौते संक्रमक, परजीवी रोगो की वजह से हुईं

राष्ट्रीय राजधानी में पिछले साल विभिन्न अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में कुल 88,628 मौतों में से लगभग 24 फीसदी हैजा, दस्त, तपेदिक (टीबी) और हेपेटाइटिस-बी सहित अन्य संक्रामक एवं परजीवी रोगों की वजह से हुईं। दिल्ली सरकार की एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय की ओर से जारी द मेडिकल सर्टिफिकेशन ऑफ कॉज ऑफ डेथ्स (एमसीसीडी) रिपोर्ट-2023 में कहा गया है कि दिल्ली में पिछले साल कुल 88,628 मौतें अस्पतालों या स्वास्थ्य संस्थानों में हुईं, जिनमें से लगभग 21,000 लोगों की जान संक्रामक एवं परजीवी रोगों की वजह से गई। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में कैंसर और अन्य संबंधित बीमारियों के कारण उन स्थानों पर 6,054 मौतें हुईं, जो 2022 में इस श्रेणी में रिकॉर्ड की गई 5,409 मौतों से लगभग 12 फीसदी ज्यादा हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में शिशुओं के मामले में सबसे ज्यादा मौतें (1,517) भ्रूण के धीमे विकास और कुपोषण के कारण हुईं। इसमें कहा गया है कि निमोनिया ने 1,373, सेप्टीसीमिया ने 1,109 और हाइपोक्सिया, जन्म के समय श्वास अवरोध व श्वास संबंधी अन्य विकारों ने 704 शिशुओं की जान ली। 2023 में सबसे ज्यादा मौतें 45 से 64 साल के आयु वर्ग में हुईं। इसमें बताया गया है कि पिछले साल हुई कुल मौतों में 28,611 मृतक इस आयु वर्ग के, जबकि 29.44 प्रतिशत यानी 26,096 मृतक 65 साल और उससे अधिक उम्र के थे।

वोरवेल की जांच करने गए भाजपा नेता से मारपीट

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कापसहेड़ा इलाके में रविवार को अवैध बोरवेल कार्य को रोकने की कोशिश कर रहे भाजपा के एक नेता के साथ किसी अन्य पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर मारपीट की। यह दावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने किया।

भाजपा ने दावा किया कि यह घटना उस समय हुई जब भाजपा नेता तेजेन्द्र यादव और पार्षद जयवीर राणा पार्टी के तीन-चार अन्य कार्यकर्ताओं के साथ बोरवेल कार्य की जांच करने के लिए क्षेत्र में गए थे। भाजपा बयान में कहा गया, झड़प के दौरान यादव के सिर पर चोटें आईं और उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

ऑपरेशन मिलाप: दो किशोरियों को पुलिस ने परिजनों को सौंपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अपराध शाखा ने ऑपरेशन मिलाप के तहत दिल्ली से लापता दो किशोरियों को पंजाब और उत्तरप्रदेश से सुकुशल बरामद करके उनके परिजनों को सौंप दिया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीते 17 अगस्त को ओखला औद्योगिक क्षेत्र इलाके में एक किशोरी माता-पिता से झगड़ कर घर से निकल गई थी। पुलिस मामला दर्ज कर किशोरी का पता लगा रही थी। बाद में केस अपराध शाख ने एएचटीयू को सौंप दिया था। एसीपी अरुण चौहान की देखरेख में किशोरी को लुधियाना से उसकी सहेली के घर से बरामद किया। पूछताछ करने पर पता चला कि घर से लापता होने के बाद वह ट्रेन में मिली एक अज्ञात महिला मित्र के साथ लुधियाना (पंजाब) पहुंची थी। वह लुधियाना (पंजाब) में अपनी सहेली के साथ रह रही थी। उसने दूसरे व्यक्ति के मोबाइल फोन का इस्तेमाल सोशल मीडिया ऐप यानी इंस्टाग्राम के जरिए अपने माता-पिता को कॉल करने के लिए किया और इस्तेमाल के लिए पैसे की मांग की थी। वेलकम से लापता किशोरी को सहसवान जिला बदायूं, यू.पी. इलाके से सकुशल बरामद किया।

घरेलू नुस्खों और आयुर्वेद की मदद से प्रदूषण को दें मात

● कहा, पहले से बीमार लोगों की स्वास्थ्य संबंधी समस्या पहले से कई गुना बढ़ सकती है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के साथ छाया धुंध हर किसी के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है वहीं पहले से सांस संबंधी समस्या से जूझ रहे मरीजों की समस्या और बीमार कई गुना बढ़ सकती है। यह कहना है दिल्ली नगर निगम के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) डॉक्टर आरपी पाराशर का। इससे आगे डॉ. पाराशर कहते हैं कि कुछ साधारण उपायों, घरेलू नुस्खों व आयुर्वेदिक दवाओं के प्रयोग से प्रदूषण के दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। इस संबंध में डॉ. पाराशर ने प्रदूषण से बचाव के लिए कुछ घरेलू नुस्खों के साथ सावधानियों पर प्रकाश डाला है ताकि स्वास्थ्य पर किसी तरह का दुष्प्रभाव न पड़े। डॉ. पाराशर ने कहा कि प्रदूषित वायु को शरीर में जाने से रोकने के लिए सुबह नाक साफ करने के बाद नाक के अंदर तेल लगा लें जिससे धूल व प्रदूषण के कारण नासिका में चिपक जाएं और आगे श्वसन तंत्र में न पहुंचे। इस कार्य के लिए अणु तेल सर्वोत्तम है लेकिन घर में उपलब्ध सरसों या नारियल के तेल का प्रयोग भी किया जा सकता है। उन्होंने इसके साथ घर से बाहर निकलते समय मास्क अवश्य पहनने की सलाह दी।

इसके अलावा जब भी मौका मिले तो नाक में पानी मार कर नाक साफ करें। साथ ही मुंह में भी पानी भरें और गरारे कर गले में चिपके कणों को पानी के साथ बाहर निकाल दें।

डॉ. पाराशर कहते हैं कि बाहर से घर आने के बाद सबसे पहले नमक के पानी के गरारे करें और नाक में भी हल्के से गर्म पानी के छींटें मारकर नाक साफ करें। घर पहुंचने के तुरंत बाद जलनेति व स्वेदन आदि प्रक्रियाओं की सहायता से धूल के कणों और विषैले तत्वों को शरीर से बाहर निकाला जा सकता है। इसके अलावा प्रदूषण के दुष्प्रभाव को रोकने और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) बढ़ाने वाली जड़ी बूटियां व औषधियां को दिनचर्या में शामिल करें। जैसे दूध या चाय में हल्दी, तुलसी, अदरक, लोंग, काली मिर्च उबालकर पीने से गले की खराश ठीक हो जाएगी और प्रदूषित कण भी शरीर से बाहर निकल जाएंगे। दूध में खजूर, छोटी पीपल, काली मिर्च और सौंठ उबालकर पीने से शरीर की इम्यूनिटी बढ़ेगी।

इसके अलावा औषधियों में सितोपलादि चूर्ण, तालीसादि चूर्ण, टंकण भस्म, लक्ष्मी विलास रस, चंद्र अमृत रस, चित्रक हरीतकी, वासावलेह व तुलसी, हल्दी, वसाका, भृंगराज, कुटकी, कासनी आदि औषधियों का प्रयोग लाभदायक रहता है। डॉ. पाराशर के अनुसार प्रदूषण के कारण नाक व सांस नली की सूजन को खत्म करने और संक्रमण से बचाव के लिए अणु तेल की बूंदें डालें। पुदीना, यूकेलिप्टस व यष्टिमधु के रस या तेल की भी दो-दो बूंदें नाक में दिन में दो-तीन बार डाल सकते हैं।

डॉ. पाराशर ने प्रदूषण से बचाव के लिए ठंडी तासीर की खाने वाले चीजों से परहेज करने की सलाह देते हैं। उन्होंने कहा कि अस्थमा व सीओपीडी जैसी श्वसन तंत्र की बीमारियों से पीड़ति रोगियों के लिए कनकासव, चित्रक हरीतकी, अगस्त्य हरितकी, वासावलेह, श्वासकुठार रस जैसी दवाएं लाभ पहुंचाती है। फेफड़ों के लिए गुनगुने पानी से नहाएं व दिन में कम से कम एक बार महानारायण तेल, महामाष तेल, विषगर्भ तेल, पिंड तेल आदि औषधि युक्त तेल से छाती और कमर की मालिश जरूर करें। सरसों के तेल का प्रयोग भी कर सकते हैं। डॉ. पाराशर ने पंचकर्म थेरेपी की वमन, विरेचन व नस्य कर्म जैसी प्रक्रियाएं प्रदूषण जन्य समस्याओं के इलाज के लिए अत्यंत प्रभावकारी बताया है।

संक्षिप्त समाचार

दंत चिकित्सा पर तीन दिवसीय सम्मेलन संपन्न

नई दिल्ली। राजधानी में आयोजित 6वें ग्लोबल अमेरिकन एकेडमी ऑफ इम्प्लांट डेंटिस्ट्री (जीएएआईडी) और 12वें वर्ल्ड कांग्रेस फॉर ओरल इम्प्लांटोलॉजी (डब्ल्यूसीओआई) सम्मेलन का रविवार को समापन हुआ। इस अवसर पर डॉ. शंकर अय्यर, सम्मेलन के अध्यक्ष और एएआईडी के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, हम इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के नए प्रयोगों से उत्साहित हैं, जो रोगियों के जीवन को बेहतर बनाने में सहायक हैं। इस अवसर पर डॉ. गौरव गुप्ता, डॉ. कोमल मजूमदार, डॉ. एसपी अग्रवाल, डॉ. जतिन काला, डॉ. डैनियल कार्डारोपोली, डॉ. शंकर अय्यर, डॉ. मार्टन बोगार्ड ने विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। सम्मेलन के चेयरमैन, डॉ. महेश वर्मा ने कहा, इस सम्मेलन में लगभग 45 विशेषज्ञों ने जानकारी दी और 1200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

गौतम लाहिड़ी बनें प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार गौतम लाहिड़ी लगातार दूसरी बार प्रेस क्लब ऑफ इंडिया (पीसीआई) के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। यह जानकारी रविवार को जारी हुए चुनाव परिणाम से मिली। संगीता बरुआ पिशारोती पीसीआई की उपाध्यक्ष, नीरज ठाकुर महासचिव, अफजल इमाम संयुक्त सचिव और मोहित दुबे कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। शीर्ष पांच पदों और प्रबंधन समिति के 16 सदस्य चुनने के लिए मतदान शनिवार को यहां प्रेस क्लब ऑफ इंडिया परिसर में हुआ था।

नार्थ-ईस्ट प्रकोष्ठ का मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा नॉर्थ ईस्ट प्रकोष्ठ के संयोजक उत्तम चाकमा की अध्यक्षता में रविवार को 'मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमे बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक नार्थ ईस्ट से आ कर दिल्ली में बसे नागरिक सम्मलित हुए। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने सभी को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए मूलमंत्र दिया। सचदेवा ने कहा, देश के नार्थ ईस्ट के लोग दिल्ली की अर्थ व्यवस्था खासकर स्वास्थ क्षेत्र भूमिका निभा रहे हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य रुप से पूर्व केन्द्रीय मंत्री आरके रंजन सिंह, भाजपा नेता अशोक ठाकुर, प्रकोष्ठ की प्रभारी एल खुलना साहनी, सह प्रभारी डॉ. गीताश्री सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

महाकुंभ के कैनवास पर रंग चढ़ाने उतरे यूपी के युवा

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

आजाद पार्क में जुटे अयोध्या गोंडा, बस्ती गोरखपुर कानपुर, कुशीनगर समेत प्रदेश भर के युवा और बच्चे

योगी सरकार की पहल पर प्रयागराज का बदल रहा स्वरूप यूनिवर्सिटी व विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने दिखाया हुनर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुंभ 2025 को विराट भव्य और दिव्य बनाने के लिए प्रयागराज में चौबीस घंटे काम चल रहा है। इसी क्रम में रविवार से प्रदेश सरकार के साथ प्रदेश भर के युवा भी ग्राउंड जीरो पर उतर गए हैं। हरित महाकुंभ के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए अयोध्या गोंडा बस्ती गोरखपुर कानपुर कुशीनगर समेत प्रदेश भर के युवा और बच्चे चंद्रशेखर आजाद पार्क में एकत्रित हुए और महाकुंभ के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए तरह.तरह के चित्र कैनवास पर उकेरे। इसमें महाकुंभ के धार्मिक सांस्कृतिक महत्व से लेकर इसे स्वच्छ बनाने के मनमोहक चित्र बनाए गए हैं। एसडीएम मेला प्राधिकरण अभिनव पाठक के नेतृत्व में प्रयागराज को एक नया स्वरूप देने के लिए पेंट माई सिटी अभियान चलाया गया। इस अभियान में प्रदेश के तमाम कॉलेज के बच्चों के साथ प्रयागराज में विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। अभिनव पाठक ने बताया कि ग्रीन महाकुंभ के दौरान दुनिया के इस सबसे बड़े सांस्कृतिक महा आयोजन को प्लास्टिक फ्री बनाने की मुहिम चलाई जा रही है। रविवार से शुरू इस अभियान को हर वीकएंड पर चलाए जाने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि हरित महाकुंभ का यह अभियान घर घर पहुंचाने के लिए बड़ी संख्या में युवा आगे आ रहे हैं। इस अभियान में बड़ी संख्या में स्थानीय युवा बच्चे और वृद्ध भी शामिल हुए। हरे भरे पर्यावरण का संदेश देने के लिए प्रदेश भर से आए बच्चों ने प्रकृति संबंधी चित्र बनाए जो महाकुंभ के दौरान आने वाले देश विदेश के श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा स्रोत का काम करेंगे। योगी सरकार की पहल पर प्रयागराज का स्वरूप तेजी से बदलने लगा है। यूनिवर्सिटी और विभिन्न कॉलेजों से पहुंचे छात्रों ने महाकुंभ के दौरान आने वाले लोगों के स्वागत की रूपरेखा तैयार की है। यही नहीं हरित महाकुंभ के उद्देश्य के तहत गंगा नदी की बेल्ट में पहले चरण में 134364 पौधे लगाए जा चुके हैं। इसके अलावा अभी भी पौधरोपण का काम लगातार जारी है। महाकुंभ के दौरान चौतरफ़ा हरियाली के लिए परेड में भी प्लांटेशन का काम चल रहा है।

महाकुंभ की तैयारी के लिए कॉलेजों में चलेगा अभियान

प्रयागराज। महाकुंभ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत की तैयारी के लिए योगी सरकार युद्ध स्तर पर काम कर रही है। इसी क्रम में प्रयागराज के तमाम डिग्री कॉलेजों और विद्यालयों में वीकेंड पर सामाजिक सरोकार वर्कशॉप के अलावा पेंटिंग प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को जागरूक करने की तैयारी है। यह युवा महाकुंभ को लेकर प्रदेश भर में घर घर लोगों तक दिव्य भव्य के साथ.साथ स्वच्छ और हरित महाकुंभ की योजना साकार करेंगे।

महाकुंभ में प्लास्टिक बैन, लगेंगे दोने, पत्तल और कुल्हड़ के स्टॉल

सीएम योगी के ग्रीन और स्वच्छ महाकुंभ के संकल्प को किया जा रहा साकार , जूट और कपड़े के थैले, दोने, पत्तल और कुल्हड़ के खुलेंगे स्टॉल- जारी हुई निविदा

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 को योगी सरकार स्वच्छ और ग्रीन महाकुंभ बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में महाकुंभ को पूरी तरह प्लास्टिक फ्री बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सीएम योगी की आकांक्षा के मुताबिक महाकुंभ के दौरान पूरे प्रयागराज को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। महाकुंभ में सिंगल यूज्ड प्लास्टिक को पूरी तरह बैन करने के साथ ही प्राकृतिक उत्पाद दोना पत्तल कुल्हड़ और जूट और कपड़े के थैलों के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए मेला क्षेत्र में ही जूट और कपड़े के थैले दोने पत्तल और कुल्हड़ के स्टॉल खोले जाएंगे। इसके लिए निविदा भी जारी की गई है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर महाकुंभ के दौरान प्लास्टिक के सामनों के विकल्प के तौर पर प्राकृतिक उत्पादों का प्रयोग करने के स्टॉल लगाने की योजना है। इसके लिए महाकुंभ में दोने पत्तल कुल्हड़ और कपड़े या जूट के थैलों के स्टॉल लगाने की निविदा जारी की गई है। इन स्टॉल से महाकुंभ के दौरान प्राकृतिक उत्पादों की सप्लाई पूरे मेला क्षेत्र में की जाएगी। साथ ही महाकुंभ के दौरान दुकानदारों को भी प्राकृतिक उत्पादों का ही प्रयोग करने का निर्देश जारी किया गया है। महाकुंभ के दौरान किसी भी तरह की सिंगल यूज्ड प्लास्टिक के उत्पादों के प्रयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। प्लास्टिक फ्री महाकुंभ अभियान में तेजी लाने के लिए प्रयागराज के मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत ने शहर को विभिन्न जोन में बांटते हुए हर जोन के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया है जो अपने जोन को स्वच्छ और प्लास्टिक फ्री बनाने के लिए कार्ययोजना के तहत काम करेंगे। उनके कार्यों की प्रगति की समीक्षा साप्ताहिक तौर पर की जाएगी। साथ ही उन्होंने शहर में सभी पॉलीथीन बैग के थोक विक्रेताओं को शहर में पॉलीथीन की सप्लाई रोकने के भी निर्देश जारी किये हैं। इसके अलावा प्रयागराज को प्लास्टिक मुक्त बनाने का जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

10 दिसंबर तक तैयार होगा फाफामऊ में बन रहा अस्थाई ब्रिज

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के लिए तैयारी पूरी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। खास तौर पर इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कार्यों को दिसंबर माह तक पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में एनएचएआई ने भी प्रयागराज के फाफामऊ में गंगा नदी पर बन रहे स्टील ब्रिज के निर्माण को 10 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। 450 मीटर लंबे इस ब्रिज के निर्माण में दिन रात तेज गति से कार्य गतिमान है। एनएचएआई के अधिकारियों के अनुसार स्टील ब्रिज का निर्माण कार्य प्रगति पर है। 450 मीटर लंबे इस ब्रिज के 72 मीटर से ज्यादा का कार्य पूरा भी हो चुका है। निर्माण कार्य से संबंधित लगभग पूरी सामग्री साइट पर पहुंच चुकी है। इस अस्थाई ब्रिज के निर्माण कार्य को 10 दिसंबर 2024 तक हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अस्थाई स्टील ब्रिज की एप्रोच रोड चार किमी का कार्य नवंबर 2024 में पूरा कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त विभिन्न फिनिशिंग कार्यों को भी 15 दिसंबर 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा। मालूम हो कि प्रयागराज के फाफामऊ में नया छह लेन पुल बनाने का कार्य प्रगति पर है लेकिन महाकुंभ 2025 से पहले इस पुल का निर्माण पूरा करना संभव नहीं है। ऐसे में सरकार ने महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अस्थाई स्टील पुल बनाने का निर्णय लिया था। कैबिनेट सचिव ने सात अगस्त 2024 को निर्देश दिया था कि अस्थाई स्टील पुल महाकुंभ से पहले बनकर तैयार हो। चीफ़ऑफ़स्टाफ़ने इस पर मंजूरी दी और कार्य शुरू कर दिया गया है। इसमें गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

श्रीमद् भागवत कथा के अवसर पर निकाली गई कलश यात्रा

सोनभद्र। श्रीमद् भागवत कथा के अवसर पर रविवार को दुद्धी रामलीला मैदान से 101 कलश यात्रा पीले वस्त्र में महिलाओ एवं छोटे छोटे बच्चों के साथ निकली गई। कलश यात्रा कस्बे में भ्रमण करते हुए प्रमुख मंदिरों तक पहुंची और शिवाजी तालाब पर विधि विधान के पुजार्चन उपरांत कलश में जल भरा गया और फिर श्रीराम लीला मैदान पर कलश की स्थापना की गई। कलश यात्रा में अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक कई राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित संतो के बीच धर्म रक्षक की उपाधि से ख्याति प्राप्त बाल व्यास मानस जी महाराज साथ में चलते रहे इस दौरान दुद्धी भक्तिभाव के वातावरण में डूबा रहा। कलश यात्रा में मुख्य यजमान की भूमिका आयोजक समिति के अध्यक्ष राकेश आजाद स्वपत्नी ने निभाई उनके साथ संदीप तिवारी राकेश गुप्ता रमाशंकर सिंह बृजेश यादव स्वपत्नी आदि प्रमुख कलश स्थापना में शामिल रहे। कलश यात्रा के दौरान चंद्रिका प्रसाद आढ़ती भोला आढ़ती प्रेम चंद्र जायसवाल प्रेमचंद्र यादव कृष्ण कुमार रामपाल जौहरी राजेंद्र जायसवाल लक्ष्मण प्रसाद विष्णु अग्रहरि देवेश मोहन राजेश सिंह अवधेश जौहरी सहित सैकड़ों की संख्या में भक्त यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के दौरान सुरक्षा की दृष्टिकोण से कस्बा प्रभारी एमपी सिंह महिला थाना प्रभारी संतु सरोज पुलिस पीएसी के जवानों के साथ साथ में चलते रहे।

जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

सोनभद्र। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड एनसीएल ने कृष्णशिला परियोजना में सुरक्षा प्रबंधन हेतु ब्लास्टिंग विस्फोटक के भंडारण और उपयोग पर जागरूकता हेतु एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया। अधिकारी क्लब, कृष्णशिला में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एनसीएल के निदेशक तकनीकी परियोजना एवं योजना सुनील प्रसाद सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में खदान क्षेत्र में सुरक्षा प्रबंधन हेतु आवश्यक नियमों के पालन, ब्लास्टिंग से संबंधित विभिन्न प्रथाओं एवं महत्वपूर्ण तथ्यों पर प्रकाश डाला। इस दौरान एकेएस विश्वविद्यालय सतना के डीन डॉ जी. के. प्रधान, द्वारा खदान क्षेत्र में ब्लास्टिंग एवं विस्फोटक से संबंधित एसओपी नियमावली केस स्टडीज और रिस्क मिटिगेशन पर विस्तृत चर्चा की गई।उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को ब्लास्टिंग प्रक्रिया में प्रयोग होने वाले विस्फोटकों के भंडारण परिवहन एवं उपयोग के विषय में आवश्यक जानकारी भी प्रदान की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक उत्पादन दीपक सक्सेना महाप्रबंधक सेफ्टी एंड रेस्क्यू पी. डी. राठी, महाप्रबंधक बीना इंद्रजीत सिंह, महाप्रबंधक ककरी राजेंद्र वर्मा महाप्रबंधक कृष्णशिला आर. के. सिंह, महाप्रबंधक खड़िया मनोज अग्रवाल महाप्रबंधक झिंगुरदा मनोज कुमार त्यागी एवं आरसी धारक एचओई प्रतिनिधि और विभिन्न परियोजनाओं से वर्कमैन इंस्पेक्टर एम उपस्थित रहे।

अजीर नदी में गिरा हाइवा, चालक फरार

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्रान्तर्गत स्थित ग्राम सभा जरहाँ परिक्षेत्र स्थित अजीर नदी में रविवार की सायं बीजपुर रेनुकूट मार्ग पर तेज रफ्तार से जा रहा एक हाइवा अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में चालक वाहन को छोड़कर फरार बताया जा रहा है। इसे संयोग कहें या जाखो राखे साइयाँ मार सके न कोई की कहावत को चरितार्थ कहते हुए दुर्घटना ग्रस्त वाहन से किसी राहगीर को कोई क्षति नहीं पहुंची। हालांकि जनचर्चाओं के अनुसार वाहन चालक वाहन को छोड़कर फरार बताया जा रहा है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

मिर्जापुर। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार समग्र मानवाधिकार एसोसिएशन के बैनर तले जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।रक्तदान शिविर में मुख्य रूप से पत्रकारिता के क्षेत्र कम समय से अपना नाम कमाने वाले गुड्डू खान द्वारा अपना 25वां रक्तदान करते हुए बताया कि वो पत्रकार होने के साथ मानवाधिकार के एक सिपाही है और मानव धर्म निभाने के लिए उन्होंने रक्तदान करना शुरू किया और आज उनके द्वारा आज अपना 25वां रक्तदान करके बहुत हर्ष महसूस हो रहा है। वही उनके साथ उनके पुत्र मोहम्मद साहिल खान ने भी अपना तीसरा रक्तदान किया।उनके पुत्र ने बताया कि मुझे रक्तदान करने के लिए अपने पिता से प्रेरणा मिली इसके साथ ही परिवार में लोगों की मदद करने के लिए हमेशा बताया गया है।समग्र मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ बी यू अंसारी ने कहा कि आज किसी कारण वश लोग नहीं पहुंच सके लेकिन अगले सप्ताह पुनः कैम्प लगाकर लगभग 15 यूनिट रक्तदान किया जाएगा।ब्लड बैंक के पीआरओ राम कुमार गुप्ता ने बताया कि रक्त कोष में रक्त की कमी होने पर समग्र मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय चेयरमैन से मिलकर रक्तदान शिविर का आयोजन करने के लिए कहा गया था जिसपर उनके द्वारा अपने संगठन के बैनर तले आज कैम्प लगाया गया। रक्तदान कैम्प में कुल 8 लोगों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया जिसमे 4 लोगों द्वारा तख्तादान किया गया।

मुसलमान नाराज न हो जाएं इसलिए सुहेलदेव महाराज का नाम लेने से डरते हैं सपाई

अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अम्बेडकरनगर में कटेहरी विधानसभा क्षेत्र मे चुनावी जनसभा में सपा कांग्रेस पर बोला हमला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा पीडीए का अर्थ बदल गया है अब इसका अर्थ है प्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई और मुख्तार अंसारी एअती, अहमद, खान मुबारक इसी प्रोडक्शन हाउस की देन है।जब डबल इंजन सरकार की सरकार ने अपना रूप दिखाया तो इनका राम नाम सत्य होने में देर नही लगी योगी ने कहा जहाँ दिखे सपाई वहां बिटिया घबराईएएहरियाणा के लोगो ने समझा बुझा और फैसला किया इंडी गठबंधन खतरनाक है इसलिए तीसरी बार बीजेपी को बहुमत दिया। एमोदी के नेतृत्व में देश की सीमा सुरक्षित हैएएदेश के दुश्मनों को मुंहतोड़ जबाब दिया जाता है। सीएम बोले-सपा कांग्रेस एक थैली के चट्टे बट्टे है। सांसद लालजी वर्मा का नाम लिए बिना योगी ने कहा कि कुछ लोग कटेहरी को परिवारवाद का गढ़ बना देना चाह रहे है। भाजपा है तो परिवारवाद नही हैएये वही लोग है जो राम मंदिर का विरोध किये थे विधानसभा में शिवबाबा और श्रवण क्षेत्र के लिए कुछ नही कियाएएसपा के लोग सुहैलदेव महाराज का नाम लेने से डरते है कि कही मुस्लिम नाराज न हो जाय।

योगी ने अम्बेडकरनगर के कटेहरी मे चुनावी जनसभा में सपा कांग्रेस पर बोला हमला

पीआरएसआई एक्सीलेंस अवॉर्ड समारोह में एनटीपीसी विंध्याचल को मिले कई सम्मान

सोनभद्र। एनटीपीसी विंध्याचल ने 9 नवम्बर 2024 को मंगलौर में आयोजित 14वें पीआरएसआई एक्सीलेंस अवॉर्ड में कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किए। एनटीपीसी विंध्याचल की ओर से यह पुरस्कार डिप्टी मैनेजर शंकर सुब्रमणियम वी ने इस प्रतिष्ठित समारोह में पुरस्कार को प्राप्त किया, जो पब्लिक रिलेशंस और कम्युनिकेशन में उत्कृष्टता का प्रतीक है। इन पुरस्कारों में, एनटीपीसी विंध्याचल को इसके अद्वितीय मानव संसाधन पहलों के लिए सिल्वर अवार्ड प्राप्त हुआ, जो कर्मचारियों की भागीदारी और विकास में नवाचार को प्रदर्शित करते हैं। यह परियोजना संगठन की प्रतिबद्धता को दिखाती है जो एक सहायक और प्रगतिशील कार्यस्थल वातावरण बनाने में योगदान करती है। इसके अलावा, एनटीपीसी विंध्याचल को कॉर्पोरेट संदेश में उत्कृष्टता के लिए कॉर्पोरेट ब्रोशर और अंग्रेजी हाउस जर्नल के लिए ब्रॉन्ज अवार्ड भी प्राप्त हुआ। ये उपलब्धियां एनटीपीसी विंध्याचल की प्रभावी और स्पष्ट संवाद प्रणाली को दिखाती हैं, जो न केवल अपनी कार्यसंघ में बल्कि बाहरी संबंधों में भी इसकी साख को मजबूत करती हैं। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक ई सत्य प्रकाश कुमार ने एनटीपीसी विंध्याचल को प्राप्त इस राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए मानव संसाधन नैगम संचार विभाग एवं टीम विंध्याचल को बधाई दी एवं कहा कि आगे भी एनटीपीसी विंध्याचल जनसंपर्क के क्षेत्र में इसी तरह कीर्तिमान स्थापित करेगा।

एनएसडीसी और टीसीएस आईओएन ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

वाराणसी। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और टीसीएस आईओएन ने राष्ट्रीय दक्षता परीक्षा शुरू करने और पूरे भारत में युवाओं के कौशल को बढ़ाने और रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने के लिए उद्योग.मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एनपीटी राष्ट्रव्यापी मूल्यांकन हैं जो छात्रों नौकरी चाहने वालों और पेशेवरों को अपने कौशल को मान्य करने और स्किल इंडिया डिजिटल हब के माध्यम से विशेषज्ञता के विशिष्ट क्षेत्रों में मान्यता प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं। यह गठजोड़ भारत के दो सबसे भरोसेमंद संगठनों की शक्तियों को जोड़ता है और शुरुआत में आईटीए बीएफएसआई विनिर्माण स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों के साथ.साथ मानव संसाधन वित्त बिक्री और विपणन सहित कई अन्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है। गठजोड़ के बारे में आशा व्यक्त करते हुए एनएसडीसी के सीईओ श्री वेद मणि तिवारी ने कहा आज हस्ताक्षरित एनएसडीसी.टीसीएस आईओएन समझौता न केवल एक समझ है बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए अपने कौशल का मूल्यांकन और प्रमाणन प्राप्त करने के लिए बेहतर रोजगार क्षमता के लिए एक आंदोलन की शुरुआत है

डा.हेमंत शर्मा को मिला स्व.ठाकुर प्रसाद सिंह स्मृति साहित्य सम्मान

सोनभद्र। जनपद मुख्यालय स्थित विन्ध्य कन्या महाविद्यालय राबर्ट्सगंज में रविवार को मां शारदा शिक्षा एवं सेवा ट्रस्ट राबर्ट्सगंज की ओर से साहित्यकार स्व. ठाकुर प्रसाद सिंह का जन्म शताब्दी समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने वरिष्ठ पत्रकार डा. हेमंत शर्मा को स्व. ठाकुर प्रसाद सिंह स्मृति साहित्य सम्मान दिया। उन्हें 51 हजार रुपये का चेक, अंगवस्त्रम, प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि अनुप्रिया पटेल, डा. हेमन्त शर्मा, डा. इन्दीवर, डा. उमेश सिंह व डा. वशिष्ठ अनूप, मुख्य ट्रस्टी डा. अजय कुमार सिंह व महाविद्यालय की प्राचार्या डा. अंजली विक्रम सिंह ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। फिर अतिथियों को अंगवस्त्रम व स्मृति चिन्ह दे कर सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने डा. हेमंत शर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की हेमंत हम जैसे लोगो के मार्गदर्शक हैं। उनसे हमेशा कुछ न कुछ सिखने से इच्छा रहती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. वशिष्ठ अनूप ने डा. हेमंत शर्मा के बारे में कहा कि उन्होंने युद्ध में अयोध्या सहित कई किताबें लिखी हैं, लेकिन होलियाना मूड में जो लिखा है वह सांस्कृतिक रूप से दरिद्र हो रहे समाज को चेतावनी है। होली सिर्फ एक त्योहार नहीं है इसे आपको समझना होगा। कार्यक्रम में उमेश सिंह, डा. इन्दीवर ने भी विचार व्यक्त किये। प्राचार्य डा. अंजली विक्रम सिंह ने ठाकुर प्रसाद सिंह के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ठाकुर प्रसाद अद्भुत प्रतिभा के धनी थे। उनके नाम पर दिया जाने वाला यह सम्मान गौरव का विषय है। उन्होंने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन भोलानाथ मिश्र ने किया। इस अवसर पर डा. वी. सिंह डा. संजय सिंह डा. अनुपमा सिंह रामनाथ शिवेंद्र कृष्णमुरारी गुप्ता विनोद जालान आनंद सिंह डा. मालती शुक्ला समेत बडी संख्या में अन्य लोग मौजूद रहे।

सजल श्रद्धा प्रखर प्रज्ञा के समाधि स्थल का लोकार्पण

गाजीपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा संचालित देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉक्टर चिन्मय पंड्या रविवार को गाजीपुर पहुंचेए जहां उन्होंने गायत्री शक्तिपीठ पर नवनिर्मित सजल श्रद्धा.प्रखर प्रज्ञा का लोकार्पण किया। इसके साथ अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक वेद मूर्तिए तपोनिष्ठ आचार्य पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के आध्यात्मिक वैभव के यात्रा पर आधारित युग ऋषि का जीवन दर्शन के प्रदर्शनी का भी लोकार्पण किया। पूर्वांचल के कई जिलों में इन दिनों मऊए बलियाए गाजीपुरए मोहम्मदाबादए वाराणसी में जन मानस के हृदय परिवर्तन हेतु विराट यज्ञ व आध्यात्मिक कार्यक्रम संचालित किया जा रहे हैं। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ चिन्मय पंड्या जी का आगमन गाजीपुर में आज हुआ। सबसे पहले डॉक्टर साहब जनपद के विश्व प्रसिद्ध संत पवहारी बाबा के समाधि स्थल कुर्था पर श्रद्धालुओं की टोली के साथ पहुंचे। जहां गायत्री परिजनों ने फूलमाला व तिलक लगा कर स्वागत किया। पवहारी बाबा मंदिर के पुजारी ओंकार नाथ तिवारी ने भी विधिवत कर्मकांड से पूजा पाठ करते हुए पवहारी बाबा स्थल की विशेषता का वर्णन किया। सर्वप्रथम ठाकुर जी को माल्यार्पण करते हुए सबल राष्ट्र की कामना हेतु डॉक्टर चिन्मय पंड्या ने प्रार्थना किया। तत्पश्चात बाबा की समाधि स्थल का दर्शन करते हुए प्राचीन समय में बाबा जिस कुआं को स्वयं अपने हाथों से खुदाई किए थे और जिस कुएं से पानी वह स्वयं लेकर पीते थेए उसका भी दर्शन डॉक्टर साहब ने किया। बाबा द्वारा लिखित हस्तलिपि को भी डॉक्टर साहब ने गौर से देखा। बाबा के तपस्थली को देखतेए निहारते व वहां की ऊर्जा को आत्मसात करते हुए डॉक्टर चिन्मय पंड्या नंद रीजेंसी पहुंचे। जहां पहले से ही गायत्री परिजन उपस्थित थे। नंद रीजेंसी के प्रबंधक त्रिलोकी नाथ पांडे सपरिवार होटल में बने निजी हाल में पहुंचेए जहां मोहल्ले वासियों के साथ होटल के सभी स्टाफ ने उनका स्वागत सम्मान किया। पांडे जी ने उन्हें अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया।

ट्रेन की चपेट में आने से वेंडर की मौत

यार्ड में सुरक्षाकर्मी होने के बावजूद चढ़ जाते है ट्रेनों में

चन्दौली । डीडीयू जंक्शन से कुछ ही दूर सिकटिया गावं के समीप यार्ड में चलती ट्रेन की चपेट में आने से मो मिद्दू की मौत हो गयी । जिसकी सूचना मिलते ही आरपीएफ व जीआरपी के जवान मौके पर पहुंच आवश्यक करवाई में जुट गई ।चर्चा के अनुसार मिद्दू ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों से खाने का आर्डर लेने के लिए ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहा था । मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के हनुमानपुर निवासी मो मिद्दू पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या छह पर आईआरसीटीसी द्वारा संचालित ? साईं राम स्टाल पर कार्य करता था । रविवार को दिन में लगभग 11 बजे के समीप यार्ड से गुजर रही ब्रह्मपुत्र मेल पर चढ़ने के दौरान नीचे गिर गया और ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गयी । जीआरपी शव को कब्जे में लेकर आवश्यक करवाई में जुट गई । इस संबंध में जीआरपी प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मो मिद्दू प्लेटफार्म संख्या छह पर स्थित स्टाल पर वेंडर के रूप में कार्य करता था । ट्रैन की चपेट में आने से उसकी मृत्यु हो गई है । आगे की करवाई की जा रही है । चर्चा के अनुसार वेंडर अधिक से अधिक आर्डर लेने के चक्कर मे अप व डाउन यार्ड में ट्रेन की धीमी होने पर चढ़ जाते है । सवाल यह उठता है कि अप व डाउन यार्ड की सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मी मौजूद रहते है इसके वाबजूद भी यार्ड से अपनी जान की परवाह किये बिना वेंडर ट्रेनों में चढ़ जा रहे है जो सुरक्षा कर्मियों पर सवाल खड़ा करता है ।

प्रदेश चुनाव अधिकारी बनने के बाद महेंद्र नाथ पांडेय का प्रथम आगमन पर हुआ स्वागत

गाजीपुर। जनपद के मरदह थाना क्षेत्र के ग्राम घरीहा मे आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने जाते समय भाजपा के पूर्व केंद्रीय मंत्रीए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा महेन्द्र नाथ पाण्डेय का प्रदेश चुनाव अधिकारी बनने के बाद जनपद में प्रथम आगमन अवसर पर रविवार को जंगीपुर तिराहे पर वरिष्ठ भाजपा नेता संकठा प्रसाद मिश्र के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने मालाए फूल से जोरदार स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मन्नु राजभरए लाल जी गुप्ताए श्याम बिन्दए चंद्रभान राजभर प्रधानए कार्तिक प्रधानए राजेंद्र राजभरए सोनू यादवए हीरा कुशवाहाए संतोष प्रजापतिए लोरीक यादवए प्रमोद सिंहए अक्षय विश्वकर्माए रामविलास आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बलात्कार राजधानी

शिकार हुई एक और युवती

भारत की बलात्कार राजधानी के रूप में दिल्ली की लगातार प्रतिष्ठा को उजागर करने वाली एक और भयावह घटना में, व्यस्त आईटीओ चौक के पास एक युवती के साथ तीन लोगों ने कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। 10 अक्टूबर, 2024 को, पीड़िता, जो ओडिशा के पुरी की एक सामुदायिक नेता और शोधकर्ता थी, पर हमला किया गया और फिर उसे सराय काले खां क्षेत्र के पास छोड़ दिया गया। एक विस्तृत और चुनौतीपूर्ण जांच में संदिग्धों को पकड़ने में दिल्ली पुलिस को तीन सप्ताह से अधिक का समय लगा। यह मामला, हालांकि कई मामलों में से एक है, महिलाओं की सुरक्षा के साथ दिल्ली की लगातार चुनौतियों पर गहन प्रकाश डालता है। व्यापक सार्वजनिक आक्रोश, देशव्यापी विरोध और यहां तक ??कि 2012 के निर्भया मामले से प्रेरित विधायी सुधारों के बावजूद, शहर महिलाओं के लिए सबसे खतरनाक स्थानों में से एक बना हुआ है। निर्भया सामूहिक बलात्कार के बाद, न्याय के लिए जनता की मांग ने महत्वपूर्ण कानूनी सुधारों को जन्म दिया, जिसमें 2013 में आपराधिक कानून में संशोधन शामिल थे। इनमें यौन अपराधियों के लिए कठोर दंड और फास्ट-ट्रैक अदालतों की स्थापना शामिल थी। दिल्ली पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी, महिला गश्ती दल तैनात किए और

अतिरिक्त हेल्पलाइन स्थापित की। हालाँकि, इस तरह के मामले बताते हैं कि इन अपराधों को रोकने के लिए अकेले व्यवस्थागत बदलाव पर्याप्त साबित नहीं हुए हैं। हालांकि पुलिस की मौजूदगी बढ़ी है, लेकिन अक्सर सुनसान इलाकों में गश्त कम होती है जहां ऐसे कई अपराध होते हैं। यौन हिंसा के पीड़ितों के प्रति कानून प्रवर्तन अधिकारियों के प्रशिक्षण और संवेदनशीलता में देरी और देरी जैसी चुनौतियां भी हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों को अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है या कम करके आंका जाता है, खासकर उन मामलों में जहां पीड़ितों को आसान लक्ष्य माना जाता है। इस मामले में अपराधियों ने कथित तौर पर पीड़िता को यह मानकर निशाना बनाया कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है।

कई पीड़िताएं गंभीर आघात का सामना करती हैं, जो हमले के विवरण को फिर से बताने या प्रभावी ढंग से कानूनी उपाय करने की उनकी क्षमता को प्रभावित करता है। हालांकि इस मामले में अधिकारियों ने पीड़िता का समर्थन करने के लिए असाधारण कदम उठाए, लेकिन ऐसे प्रयास अभी भी दुर्लभ हैं। पीड़ितों की सुरक्षा और भलाई के लिए सुलभ और व्यापक आघात-सूचित सहायता प्रणाली स्थापित करना महत्वपूर्ण है। इस भयावह घटना को उन उपायों की आलोचनात्मक जांच के लिए प्रेरित करना चाहिए जो दिल्ली की महिलाओं के लिए विफल रहे हैं। सुधारों को कानूनी ढांचों से आगे बढ़ाने और गहरे सामाजिक और प्रणालीगत बदलावों को शामिल करने की आवश्यकता है। निगरानी का विस्तार करके एकांत क्षेत्रों को कवर करना, वास्तविक समय की निगरानी शुरू करना प्रतिक्रिया समय को बढ़ा सकता है और संभावित अपराधियों को रोक सकता है। कानून प्रवर्तन को आघात-सूचित दृष्टिकोण, पीड़ित संवेदनशीलता और कठोर जांच प्रक्रियाओं में पर्याप्त प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए। महिलाओं और यौन हिंसा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को बदलना महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक अभियान और शैक्षिक कार्यक्रम जो रूढ़ियों को चुनौती देते हैं और सहानुभूति को बढ़ावा देते हैं, ऐसी संस्कृति को बदलने में मदद कर सकते हैं जो इस तरह की हिंसा को सक्षम बनाती है।

एकीकृत विकसित राष्ट्र की ओर

'विकसित भारत' को प्राप्त करने के लिए धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने, पर्यावरण संबंधी खतरों को दूर करने और वैश्विक तनावों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता होगी।

जेएस राजपूत
(लेखक, शिक्षा एवं सामाजिक सद्भाव हेतु कार्यरत हैं)

भारत 2047 का इंतजार कर रहा है क्योंकि वह विकसित देशों में से एक बनने की आकांक्षा रखता है, और जाहिर है, इसका मतलब है अपने प्रत्येक नागरिक के कल्याण के लिए ईमानदारी से और सामूहिक रूप से प्रयास करना। उम्मीद है कि विकसित भारत में किसी को भी मुफ्त राशन की जरूरत नहीं होगी और वोट के लालच में बांटे जाने वाले मुफ्त सामान इतिहास बन जाएंगे। इससे पीने योग्य पानी, स्वच्छ हवा, सभी मौसम में सिर पर छत और 'काम न करने' की स्थिति से मुक्ति भी मिलेगी। भूख, खराब स्वास्थ्य और कुपोषण इतिहास बन जाएंगे! भारत में शिक्षा की एक ऐसी प्रणाली होगी जो लुटियंस जोन और झाबुआ गांव के बच्चों के लिए समान पहुंच और समान स्तर पर सफलता सुनिश्चित करेगी!

शिक्षा अब 'आवश्यक स्वप्नलोक' नहीं रहेगी! इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए सांप्रदायिक वैमनस्य और हर तरह के सामाजिक-सांस्कृतिक बहिष्कार से छुटकारा पाना ज़रूरी है। हम एक ऐसे राष्ट्र की उम्मीद करते हैं जो अब अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक चिंताओं से ग्रस्त न हो! भारत में सामाजिक सामंजस्य और धार्मिक सौहार्द - या सामाजिक और धार्मिक सामंजस्य और सौहार्द - के विभिन्न पहलुओं का गंभीरता से अध्ययन करने के बाद, यह स्वीकार करने से कोई बच नहीं सकता कि यह सांप्रदायिक वक्रता की एक बहुत ही जटिल पहेली है जो इसे सुचारू करने के लिए विभिन्न नेक इरादों वाली पहलों के लिए प्रतिरोधी है।

ऐसे मानवीय मूल्य हैं जो हर धर्म में समान हैं, और ये किसी भी तरह से आस्था और धार्मिक प्रथाओं के तरीकों में हस्तक्षेप किए बिना भाईचारे को मजबूत करने का आधार बन सकते हैं। कट्टरवाद, आतंकवाद और कट्टरपंथ का वैश्विक उदय और इसके परिणामस्वरूप अविश्वास, उत्पीड़न और अलगाव का विस्तार निश्चित रूप से लोगों के लिए बेहतर जीवन के लिए अनुकूल नहीं है, चाहे उनके घरों में कितने भी गैजेट उपलब्ध हों। दुख की बात है कि सहस्राब्दी के अंत में यह बहुत स्पष्ट था कि आने वाले दिनों में नेतृत्व के लिए चीजें संभालना मुश्किल हो जाएगा, और मानव जाति का अस्तित्व ही दांव पर लग जाएगा। 21वीं सदी के तीसरे दशक में, मानवता और ग्रह पृथ्वी जलवायु परिवर्तन, मानव-प्रकृति संबंधों में तेज गिरावट और विभिन्न रूपों और स्वरूपों में लगातार बढ़ती हिंसा से उत्पन्न चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन लोगों द्वारा शांति स्थापित करने के प्रयासों की निरर्थकता जिनके आर्थिक हितों के लिए घातक हथियारों के अधिक उत्पादन और उनकी बिक्री और खपत की आवश्यकता होती है, अब कोई छिपा हुआ रहस्य नहीं है।

ऐसे मानवीय मूल्य हैं जो हर धर्म में समान हैं, और ये किसी भी तरह से आस्था और धार्मिक प्रथाओं के तरीकों में हस्तक्षेप किए बिना भाईचारे को मजबूत करने का आधार बन सकते हैं। कट्टरवाद, आतंकवाद और कट्टरपंथ का वैश्विक उदय और इसके परिणामस्वरूप अविश्वास, उत्पीड़न और अलगाव का विस्तार निश्चित रूप से लोगों के लिए बेहतर जीवन के लिए अनुकूल नहीं है, चाहे उनके घरों में कितने भी गैजेट उपलब्ध हों।

इस सब से पैदा होने वाले तनाव, उथल-पुथल और चिंता अब हर जगह अनुभव की जा रही है, खासकर पश्चिम में, जिसने शरणार्थियों और घुसपैठियों को खुले हाथों से स्वीकार किया, उनमें से कई अब अपनी पिछली नीतियों पर पछता रहे हैं! अविश्वास और आशंका का बढ़ना छिटपुट हिंसा से कहीं अधिक खतरनाक है, जिसके उदाहरण यूरोपीय देशों में बढ़ रहे हैं। ये उदाहरण आज के युवाओं और कल सत्ता संभालने वालों के सामने की दुनिया के कुछ संकेत देते हैं!

भारत एक प्रमुख एशियाई राष्ट्र है जो अवैध प्रवासियों की भारी आमद से पीड़ित है, और उनमें से अधिकांश को कई राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त है। यह स्पष्ट है कि यह समर्थन विशुद्ध रूप से सांप्रदायिक विचारों पर आधारित है, और निश्चित रूप से राष्ट्रीय हित में नहीं है। यह उन नाजुक रिश्तों को और बढ़ाता है जो हमेशा से मौजूद रहे हैं, स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और भी बढ़ गए और भारत के विभाजन का कारण बने, सामाजिक सामंजस्य और धार्मिक सौहार्द प्राप्त करने की संभावना मायावी बनी रही। दो-राष्ट्र सिद्धांत को सर सैयद अहमद खान द्वारा मार्च 1888 में दिए गए अपने मेरठ भाषण में अक्सर उद्धृत किए जाने वाले भाषण में विस्तृत किया गया था, जो अंग्रेजों के जाने के बाद उभरने वाले परिदृश्य के बारे में उनका दृष्टिकोण था: क्या यह संभव है कि इन परिस्थितियों में दो राष्ट्र - मुसलमान और हिंदू - एक ही सिंहासन पर बैठ सकें और सत्ता में बराबर रह सकें?

निश्चित रूप से नहीं। सर सैयद मुस्लिम समुदाय के सबसे सम्मानित और प्रशंसित नेताओं में से एक थे जिन्होंने उनके लिए आधुनिक शिक्षा के द्वार खोले थे, और इसलिए, प्रबुद्ध मुस्लिम युवा उन्हें बहुत पसंद करते थे। उपरोक्त बातों का सार मुस्लिम समुदाय की प्रचलित भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है, और इन्हें दूसरों द्वारा, विशेष रूप से उन लोगों द्वारा, जो आधुनिक शिक्षा पर सर सैयद के विचारों का विरोध करते थे, कायम रखा गया। हालांकि, उन्होंने दो राष्ट्रों के विचार को अपनाया!

इसके बाद, उसी व्याख्यान में, सर सैयद ने अपने विचारों को और विस्तृत किया: प्रतिनिधि सरकार का सिद्धांत यह है कि 'यह एक राष्ट्र द्वारा सरकार है, और यह कि संबंधित राष्ट्र अपने लोगों और अपनी भूमि पर शासन करता है।' यह इतना सरल है- हिंदुओं और मुसलमानों द्वारा एक साथ चुनी गई किसी भी प्रतिनिधि सरकार के भारत पर शासन करने की कोई संभावना नहीं हो सकती है, जिसमें न केवल हिंदुओं और मुसलमानों के राष्ट्र शामिल हों, बल्कि अन्य राष्ट्र भी हों, जिन्हें अपने स्वयं के राष्ट्र बनाने चाहिए। भारतीय लोकतंत्र यह स्थापित करता है कि सांप्रदायिक सद्भाव संभव है, और दोनों समुदाय एक साथ काम करने के लिए समान रूप से प्रबुद्ध हैं।

सर सैयद आधुनिक शिक्षा पर अपने भविष्यदर्शी दृष्टिकोण और मुसलमानों के उत्थान के लिए इसकी सख्त जरूरत के लिए प्रशंसा के हकदार हैं और उन्हें प्रशंसा भी मिलती है, लेकिन यह निश्चित रूप से गंभीर बहस का विषय बना रहेगा कि क्या दो राष्ट्रों की उनकी परिभाषा ने समुदाय की मानसिकता पर कोई स्थायी प्रभाव डाला जो आज भी कायम है।

दो-राष्ट्र सिद्धांत का सिद्धांत अंततः बांग्लादेश के गठन और यूरोप में उभरते बहु-धार्मिक समाजों के साथ दफन हो गया। यदि कोई एक राष्ट्र है जो धार्मिक एकता का एक कार्यात्मक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है तो वह भारत, भारत के हिंदू और मुसलमान हैं। कहीं और, सभी धर्मों की समानता विचार और कर्म में इतनी गहरी जड़ें नहीं रखती जितनी प्राचीन भारतीय संस्कृति में है। इसे वंशानुगत संवादात्मक परंपरा द्वारा पुनर्जीवित किया जा सकता है जो ऐतिहासिक रूप से उत्कृष्ट रही है।

ट्रंप का दूसरा कार्यकाल और भारत

राष्ट्रपति-चुने हुए ट्रंप को एक कठोर वार्ताकार के रूप में जाना जाता है, खासकर व्यापार के मुद्दों पर और उन्होंने भारत को इस मोर्चे पर सबसे बड़े अपराधियों में से एक के रूप में वर्णित किया है।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

जैसी कि कहावत है, तीसरी बार जीतना आसान होता है और हम प्रधानमंत्री मोदी के लगातार तीन कार्यकालों के लिए सत्ता में वापस आने की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनके करीबी दोस्त, अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बात कर रहे हैं। कई गोलियों (काफी हद तक शाब्दिक रूप से), महाभियोग और गुंडागर्दी के आरोपों को सफलतापूर्वक चकमा देने के बाद, राष्ट्रपति ट्रंप ने दुनिया की सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था संयुक्त राज्य अमेरिका की सामूहिक पसंद पर विजय प्राप्त की।

जबकि भारत सहित दुनिया भर के दक्षिणपंथियों ने उनकी जीत का जश्न मनाया, इसे दक्षिणपंथ की वास्तविक जीत के रूप में और जिसे उन्होंने तथाकथित वामपंथी उदारवादियों के अत्याचार के रूप में देखा, राष्ट्रपति ट्रंप 2.0 उनके पहले संस्करण की तुलना में अधिक सूक्ष्म होने की संभावना है। भारत के लिए इसका मतलब चॉकलेट का एक मिश्रित बॉक्स है जो चुनने के आधार पर कड़वा या बेहद मीठा हो सकता है।

राष्ट्रपति-चुने हुए ट्रंप को एक कठोर वार्ताकार के रूप में जाना जाता है, खासकर व्यापार के मुद्दों पर और उन्होंने भारत को इस मोर्चे पर सबसे बड़े अपराधियों में से एक के रूप में वर्णित किया है। वह दशकों के अनुभव वाले व्यवसायी हैं और व्यापार के प्रति उनका दृष्टिकोण लेन-देन वाला है, जो पश्चिमी क्षेत्रों के भारतीय राजनेताओं के लिए कोई नई बात नहीं है।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से ही भारत-अमेरिका द्विपक्षीय वाणिज्यिक संबंधों में जबरदस्त वृद्धि हुई है, साथ ही केंद्र में एक दशक से अधिक समय से व्यापार-उन्मुख भारतीय सरकार ने भारत में नौकरशाही वर्ग से कई कठिन वार्ताकारों

को उभरने के लिए प्रशिक्षण का मैदान भी बनाया है। इसलिए, जबकि सरकार के अधिकारी व्यापार से संबंधित मामलों या आयात शुल्क या प्रतिबंधों पर अमेरिका के साथ आगे की कठिन वार्ताओं से अवगत हैं, वे राष्ट्रपति की कार्यशैली से परिचित होने के कारण बीच का रास्ता निकालने की उम्मीद कर रहे हैं। कमरे में मौजूद ड्रैगन चालाक होगा, क्योंकि राष्ट्रपति-चुनाव ट्रंप ने चुनावों से पहले चीन से आयात पर कठोर शुल्क लगाने की कसम खाई है। यह भारत के लिए अच्छी खबर हो सकती है, खासकर तब जब वर्तमान सरकार का ध्यान भारत को कम से कम इस क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर का विनिर्माण केंद्र बनाने पर है।

विनिर्माण क्षेत्र में आगे बढ़ रहे भारतीय नौकरशाह इस बात से गहराई से वाकिफ हैं कि भारत को एक हब के रूप में विकसित करना एक दीर्घकालिक खेल है जो डीसी और दिल्ली में मौजूदा शासन से भी आगे निकल सकता है। वे इस बात से भी अच्छी तरह वाकिफ हैं कि चीन प्लस वन मॉडल में बड़ी अमेरिकी कंपनियों द्वारा भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने की अनुमति देने से ट्रम्प को लाभ होगा। वह भारत पर अमेरिका से शायद अधिक हाइड्रोकार्बन या रक्षा तकनीक खरीदने का दबाव बनाकर इस कार्ड पर बातचीत कर सकते हैं। जबकि ट्रम्प 1.0 के तहत भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों का मुख्य केंद्रबिंदु प्रौद्योगिकी साझेदारी नहीं थी, उनके उत्तराधिकारी जो बिडेन ने साझेदारी के एक महत्वपूर्ण तत्व के रूप में महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर सहयोग के साथ एक शानदार शीर्ष बनाया। आईसीईटी (महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए पहल) जैसी पहल, जिनकी सीधे दोनों देशों के प्रमुखों द्वारा निगरानी की जाती है, ने दोनों लोकतंत्रों के बीच तकनीकी साझेदारी को एक अटूट पवित्रता प्रदान की है।

राष्ट्रपति ट्रम्प या तो अमेरिकी तकनीक को भारत के अगले वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र बनने के घोषित लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, जबकि इसे सौदेबाजी की चिप के रूप में रख सकते हैं, या, वे इनमें से कुछ कंपनियों को अपने कुछ कारखानों को घरेलू तटों पर वापस लाने के लिए राजी करने के लिए एक रचनात्मक समाधान खोज सकते हैं। बाद की संभावना असंभव लगती है क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प पारंपरिक रूप से पुराने विनिर्माण क्षेत्रों में अमेरिकियों के लिए अधिक नौकरियों के सृजन के बड़े समर्थक रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रम्प की अधिकांश प्रौद्योगिकी नीति उनके सबसे बड़े दाता और प्रौद्योगिकी के दिग्गज एलन मस्क द्वारा तैयार की जाने की संभावना है। एलन मस्क के चीन में व्यापारिक हित हैं, जहां उनकी कुछ सबसे बड़ी टेस्ला फैक्ट्रियां हैं, इसके अलावा, वे बहुत कम सफलता के साथ भारतीय ऑटोमोबाइल बाज़ार में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं। उपग्रह-आधारित दूरसंचार सेवाओं सहित उनके अन्य व्यावसायिक हित भारत में शुरू होने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इनमें से कई कारक मोदी-ट्रम्प युग के अगले चार वर्षों को निर्धारित करेंगे।

आप की बात

ट्रंप फिर से

जनता द्वारा डोनाल्ड ट्रम्प को दूसरे कार्यकाल के लिए ऐतिहासिक जीत के लिए स्पष्ट जनादेश देने के साथ, वैश्विक भू राजनीतिक परिदृश्य बदले हुए वैश्विक वातावरण में कनेक्शन और व्यवधानों का सामना करने के लिए तैयार है। टैरिफ, जलवायु परिवर्तन के मुद्दों, आप्रवासन कानूनों पर एक आक्रामक नीति का विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव हो सकता है। कमला हैरिस के खिलाफ कड़ी प्रतिस्पर्धा और समान रूप से कांटे की लड़ाई में, रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रोवर क्लीवलैंड 1892 . के बाद गैर-लगातार दूसरा कार्यकाल जीतने वाले दूसरे पूर्व राष्ट्रपति और पहले रिपब्लिकन बनकर इतिहास रच दिया है। ट्रम्प की जीत का श्रेय बढ़ती मुद्रास्फीति के कारण बनी स्थितियों को दिया जा सकता है, जब जो बिडेन और उनके बाहर निकलने के दौरान बेरोजगारी ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर आ गई थी। जैसे ही 47वें राष्ट्रपति और उनका दूसरा कार्यकाल शुरू हो रहा है, उन्होंने करों पर अंकुश लगाने, प्रवासन और लालफीताशाही पर अंकुश लगाने की योजना बनाई है, जो उपभोक्ताओं के लिए ऊंची कीमत का संकेत देता है। चीनी वस्तुओं पर 60 प्रतिशत और अन्य देशों के सामानों पर 10 प्रतिशत लेवी लगाने की ट्रम्प की प्रतिबद्धता को देखते हुए 20 देशों के यूरोजोन को प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

- **विजय सिंह,** नैनीताल

भारत-अमेरिका संबंध

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीत कर डोनाल्ड ट्रम्प के व्हाइट हाउस में पुन राष्ट्रपति पद पर सत्तारूढ़ होने से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में कुछ परिवर्तन तो अवश्य दिखेंगे ही साथ सहयोगी देशों के साथ कूटनीतिक संबंधों में दशा दिशा अवश्य परिष्कृत स्वरूप में दिखेगी। नाटो संगठन अमेरिका से प्राप्त होने वाले रक्षा बजट आवंटन पर निर्भर हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद नाटो को कूटनीतिक वित्तीय परिवर्तनों की चुनौती के अनुरूप सामंजस्य बिठाना पडेगा। नाटो के लिए अमेरिका ने सैन्य और वित्तीय सहायता में कमी कर दी तो रूस का साहस बढ़ सकता है। वैश्विक जगत में चीन के बढ़ते कद पद पर डोनाल्ड ट्रम्प की विदेश नीति से लगाम लग सकती है। रूस यूक्रेन युद्ध को न्यूनतम अवस्था में पहुंचाने में डोनाल्ड ट्रम्प बेहतरीन भूमिका निभा सकते हैं। इधर भारत अमेरिका संबंध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुशल कूटनीति के कारण प्रगाढ़ हो रहे हैं । चीन से मुकाबला करने के लिए भारत अमेरिका रणनीतिक साझेदार के रूप में उदय हो रहे हैं। दक्षिण एशिया उप महाद्वीप में भारत की सैन्य और आर्थिक स्थिति मजबूत करने में डोनाल्ड ट्रम्प सक्रिय सहयोग दे सकते हैं

- **युगल किशोर शर्मा,** फरीदाबाद

महाराष्ट्र चुनाव

इस बार महाराष्ट्र के चुनाव दिमाग घुमा देने वाले एवं चुनावी पंडितों के लिए उनके बारे में कोई भी भविष्यवाणी करना एक टेढ़ी खीर हो गई है। इसमें तो कोई शक नहीं कि यह चुनाव महायुती बनाम महा विकास अगड़ी के बीच में ही सिमट कर रह गया है। संभवत ऐसा पहली बार हो रहा है कि महा विकास आघाड़ी ने शाहू, फूले, अंबेडकर की वैचारिक क्रांति को चुनावी प्रचार का बड़ा आधार बनाया है और लड़ाई को संविधान और आरक्षण पर लाकर चुनावी मोड़ दिया है। भाजपा ने योगी आदित्यनाथ की चुनावी परिभाषा बटेंगे तो कटेंगे को आगे बढ़ाया है एवं भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने चुनावी अभियान की कमान को संभाल लिया है। राहुल गांधी ने नागपुर में संविधान सम्मान रैली को संबोधित किया और संविधान पर बीजेपी को जोरदार ढंग से घेरा है। दूसरी तरफ भाजपा ने संविधान की प्रीति लाल रंग की होने पर और कोरे पन्ने का किताब का हवाला देते हुए राहुल गांधी को की जमकर आलोचना की है। इन सबके बीच नेशनल कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने महायुति को ही संकट में डाल दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि हम किसी भी ऐसे बात के साथ नहीं खड़े हैं जो शाहू फूले अंबेडकर वैचारिक विमर्श के विरुद्ध खड़ी हो।

- **वीरेंद्र जाटव,** दिल्ली

एक सेवानिवृत्त, अनेक सेवामुक्त

एक सेवा से निवृत्त अनेक सेवामुक्त- जैसा कि माननीय प्रधान न्याययधीश डी वाय चंद्रचूड़ ने सेवानिवृत्ति से पूर्व कहा कि मैं रविवार को सेवानिवृत्त हो जाऊंगा किन्तु मुझे सोशल मीडिया पर ट्रोल करने वाले सभी सोमवार से बेरोजगार हो जाएंगे। महोदय ऐसा मत कहिये अगर वे बेरोजगार हो जाएंगे तो पहले ही देश में बेरोजगारों की संख्या बेतहाशा हो गई है अगर लाखों ट्रोलर्स बेरोजगार हो जाएंगे तो हमारे देश में और अधिक बेरोजगारी बढ़ जाएगी। अच्छी बात नहीं है आप एक सेवा से निवृत्त हो रहे हैं और अफ़सोस आपके सेवानिवृत्त होने से अनेकानेक बेचारे सेवामुक्त हो जाएंगे। महोदय उन्हें कहिये कि आप लोग व्यर्थ का ट्रोल का बिजिनेस छोड़कर नेक काम में ईमानदारी से लग जाएं ताक़ि समय का सदुपयोग भी होगा और स्वयं के साथ ही समाज व देश की उन्नति भी बेहतर तरीके से करके सबका भविष्य भी उज्जवल कर सकेंगे. अंत में महोदय आपको हार्दिक शुभकामनाएं, आपका सेवानिवृत्त जीवन सुखमय बना रहे।

-**शकुंतला महेश नेनावा**, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

बटोही स्वीट समेत नौ संचालकों पर हुई कार्रवाई, फेल हुए खाद्य नमूने

संवाददाता। रायबरेली

रायबरेली की जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे बटोही स्वीट्स के संचालक समेत 9 कारोबारी पर मुकदमा दर्ज किया गया अब इन पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। पैसे कमाने की आड में यह कारोबारी आम जनता के स्वास्थ्य से जमकर खिलवाड कर रहे हैं बटोही और राजस्थानी स्वीट्स जैसे विश्वसनीय दुकानदारों का यह हाल है जहां से आम नागरिक आंख बंद करके खाद्य समान खरीदता है लेकिन अब यह भी सेफ नहीं है।

खाद्य विभाग रायबरेली के द्वारा की गई कार्यवाही चौंकाने वाली है खाद्य विभाग के द्वारा खाद्य नमूनों की जांच प्रयोगशाला में कराई गई तो सभी नमूने फेल आए और खाद्य पदार्थ के नमूने मानक के विपरीत मिले। 11 नवंबर 2023 को बटोही रेस्टोरेंट के पनीर का नमूना भर गया था प्रयोगशाला की जांच में पनीर मानक की विपरीत मिली यही नहीं खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने लालगंज स्थित आनंद बेकरी से टू मच आइसक्रीम का नमूना भरा था यह भी फेल निकला। राजस्थानी स्वीट्स की रंगीन बूंदी भी मानक के विपरीत पाई गई इसी के साथ पनीर, चिक्की ,ऑरेंज आइसक्रीम, दूध आदि के खाद्य पदार्थ के नमूने जांच में फेल रहे। खाद्य विभाग द्वारा यह चेकिंग गाहे बगाहे की जाती है यदि समय-समय पर चेकिंग की जाए तो सदर क्षेत्र के साथ-साथ जनपद के सुदूर क्षेत्रों में लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड कर रहे नामी है फास्ट फूड का कारोबार कर रहे सब स्टैंडर्ड प्रोडक्ट को पहचाना जा सकता है और लोगों के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड को भी रोका जा सकता है।

लेकिन अधिकारियों की कार्यशैली सीमित समय और दिखावा से भरी होती है जो कुछ दिन बाद शिथिल हो जाती है।

सदर विधायक को सौंपा व्यापारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन

संतकबीरनगर। खलीलाबाद सदर विधायक अंकुर राज तिवारी के आवास पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल जिला इकाई का शिष्ट मंडल मिलकर उन्हें व्यापारियों से संदर्भित ज्ञापन सौंपा तथा कहा कि देश का प्रमुख व्यापारी/उद्यमी संगठन, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, आम जनता के हित और उद्योग/व्यापार के विकास के लिए आपके समक्ष निम्नलिखित सुझावों का ज्ञापन प्रस्तुत कर रहा है। दिये गये ज्ञापन में कहा है कि प्रधानमंत्री/वित्तमंत्री/मुख्यमंत्री तक इस ज्ञापन को पहुंचाने का कष्ट करेंगे ताकि देश में उन्नति का नया इतिहास बनाया जा सके। ज्ञापन के विषय को अवगत कराते हुए संगठन के जिलाध्यक्ष श्रवण कुमार अग्रहरि ने कहा कि उत्तर प्रदेश के 36 लाख पंजीकृत व्यापारियों से प्रदेश के 6 हिस्सों (अवध, गोरक्ष, काशी, कानपुर-बुंदेलखंड, ब्रज, पश्चिमी उत्तर प्रदेश) में से व्यापारी प्रतिनिधियों को चुनकर विधान परिषद भेजा जाए। आग, बाढ़, प्राकृतिक आपदा या अन्य विपरीत परिस्थितियों में व्यापारी को हुए नुकसान की स्थिति में, विभिन्न विभागों द्वारा उससे कोई खर्च न लिया जाए, बल्कि सरकार की ओर से उसकी मदद की जाए। जीएसटी की दरों में समानता लाते हुए विलासिता की वस्तुओं पर उच्च दर और आम उपयोगी वस्तुओं पर निम्न दर रखी जाए। 29 जून, भामाशाह की जयंती को राष्ट्रीय व्यापारी दिवस घोषित किया जाए और इसे संपूर्ण देश में लागू किया जाए। सभी पंजीकृत व्यापारियों को आयुष्मान कार्ड योजना में शामिल किया जाए ताकि स्वास्थ्य सुविधाएं उन्हें भी प्राप्त हो सकें।

किसानों ने लेखपाल पर लगाया आरोप मनमाने ढंग से कर रहे हैं सत्यापन

संवाददाता। संतकबीरनगर

विकास खण्ड सेमरियावा के सालेहपुर गांव का किसान अपना धान नहीं बेच पा रहे हैं। इसका आरोप किसान ने हल्का लेखपाल विवेकानंद पाण्डेय पर लगाया कि उनके द्वारा गलत रिपोर्ट लगा दी जाती है जिस वजह से वे अपना धान नहीं बेच पाते। जिससे लेखपाल की दबंगई से किसान काफी परेशान है किस तरह से धान को बेचा जाय। मोबाईल के माध्यम से किसान लेखपाल से बात करना चाहता तो लेखपाल काल काट देते है।

जिले के अंतर्गत आने वाली सालेहपुर गांव मे धान की पैदावार भी भारी मात्रा में होती है। गांव के किसान अमित यादव ने आरोप लगाया कि क्षेत्रीय लेखपाल धान सत्यापन को लेकर गलत रिपोर्ट लगा देते हैं इसी वजह से हम जैसे किसान अपना धान बेचने के लिए परेशान हैं। वजह यह है की लेखपाल की लापरवाही से किसानों के लिए आफ्त बन गई है। किसान अमित यादव ने बताया धान बेचने के लिए आनलाइन करवाया था।

सत्यापन करने के लिए पहले तो लेखपाल मिल नहीं रहा थे हल्का लेखपाल होने के बाद गांव मे आना जाना नहीं रहता गांव के लोग जो हल्का लेखपाल का नाम तक नहीं पता पहचानना तो दूर की बात है। यही कारण है की रिपोर्ट लगाने में आनाकानी कर रहा थे बहुत मुश्किल के बाद धान का सत्यापन हुआ है।

जब उन्होंने कागज निकलाया और देखा तो उसमें लेखपाल ने उनका ऑनलाइन निरस्त कर दिया की ऑनलाइन मे नाम नहीं है जबकि गाटा संख्या 278 मे अमित यादव नाम दर्ज होने के बावजूद भी दबंग लेखपाल विवेकानंद पाण्डेय ने बेचे जाने वाली धान का ऑनलाइन सत्यापित ना करते हुए निरस्त कर दिया। जिसके बारे मे किसान द्वारा मोबाईल के माध्यम से लेखपाल से पूछने पर की क्यों निरस्त कर दिए तो लेखपाल का कहना है की नाम नहीं था इस लिए हो गया तो हो गया यह कहकर फोन काट दिए।

जिससे किसान अमित यादव का कहना है कि अब जब तक उनका सत्यापन नहीं किया जाता है जोकि सरकारी नियम है तब तक उनका धान मंडी में नहीं खरीदा जाएगा। इन सब समस्याओं को देखकर किसान को मज़बूरी में प्राइवेट तौर पर अपने धान बेचने पड़ते हैं जहां पर उन्हें अच्छा रेट नहीं मिलता।

डंपर की क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट से खुली एआरटीओ की सतर्कता की पोल

रायबरेली। एक तरफ एआरटीओ प्रवर्तन सुबह से ही सक्रिय होकर छोटे कमर्शियल वाहनों की चेकिंग करते हुए दिखते हैं तो दूसरी तरफ ऊंचाहार में क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट लगाकर चल रहे डंपर ने युवक को कुचल दिया। डंपर में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि आखिरी के कुछ नंबर काले स्याही से छुपा दिए गए है। इस पूरे घटनाक्रम में आज सुबह ही इस पूरी सतर्कता की पोल खोल दी।

जिले में नो एंट्री के पहले पड़ी पैमाने पर भारी वाहन पास कराए जाते हैं जिनकी रफ्तार काफी तेज होती है कभी-कभी भयावाह घटनाएं भी सामने आती है। जब यह भारी वाहन सदर क्षेत्र से निकलते हैं तो सदर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों में हर एक पास होते वाहन की रिकॉर्डिंग भी होती है और वह भी सरकारी सीसीटीवी कैमरे में जो चौकियों में लगाए गए है। शहर में नो एंट्री में भी भारी और ओवरलोड वाहनों की एंट्री कराई जाती है ऐसे में या तो अधिकारी गैर जिम्मेदार हैं या फिर उनकी मौन चुप्पी होती है!

एक तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आदेश है की सभी अधिकारी अपने सीयूजी फोन सक्रिय रखेंगे लेकिन इसके विपरीत एआरटीओ प्रवर्तन और एआरटीओ प्रशासन की सरकारी सीयूजी फोन निष्क्रिय है। अधिकारी सरकारी आदेशों को मानने को तैयार नहीं है किसी भी शिकायत व पूछताछ की स्थिति में सीयूजी फोन निष्क्रिय बताते हैं। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में आम जनमानस को हो रही परेशानियों को फोन पर अवगत कराने के लिए ठोकरे खानी पड़ रही हैं विभाग की स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके सरकारी मोबाइल फोन काम नहीं कर रहे हैं। डंपर की क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट के बारे में और विगत दो महीना में हुई कार्यवाही का विवरण लेने के लिए जब जिम्मेदार अधिकारियों को काल की गई तो सरकारी सीयूजी निष्क्रिय पाए गए।

एसजेएस पब्लिक स्कूल ऊंचाहार के प्रांगण में खेल दिवस मनाया

संवाददाता। ऊंचाहार

स्कूल संस्थापिका मैडम मधुलता जी के जन्म दिवस को ग्रुप आफ एस0जे0एस0 के प्रबंध तंत्र ने खेल दिवस के रूप में मनाएं जाने का निर्णय लिया है। इसमें विद्यालयी तथा अंतर्विद्यालयी स्तर पर विभिन्न खेल प्रति स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का श्रीगणेश प्रबंधक अनुज सिंह जी एवं श्रीमती प्रियंका सिंह जी तथा प्रधानाचार्या श्रीमती हेना कौसर जी ने सम्मिलित रूप से मार्गदर्शिका, वात्सल्य व ममता की प्रतिमूर्ति रहीं माँ मधुलता जी को स्मरण करते हुए पुष्पगुच्छ अर्पित किए गए। प्रबंधिका श्रीमती प्रियंका सिंह जी ने खिलाडियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर शांति केप्रतीक कबूतर व गुब्बारे छोड गए। प्रबंधिका महोदया ने खेल स्पर्धाओं को शुरू करते हुए खिलाडियों का परिचय प्राप्त किया और उन्हें विजयी होने का आशीर्वाद दिया।

क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी, बाधा दौड, रिले रेस, रस्साकशी आदि मनोरंजक खेल भी खेले गए। नन्हें-मुन्ने खिलाड़ियों में उत्साह व कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों में- अली, रेहान, आलम, उत्कर्ष, रवि, आयुष, अर्ना, आयुषी,आयशा, श्रेया, सोनी, अलका, आरोही आदि रहे। विजयी खिलाडियों को प्रशस्ति पत्र व मेडल्स प्रदान कर उनको सम्मानित किया गया।

खेलों का समापन प्रधानाचार्या जी ने विशिष्ट अतिथियों के आगमन पर कृतज्ञता व आभार व्यक्त किया। बच्चों के खेल भावना व प्रतिस्पर्धा को भी सराहा। इस आयोजन को सफल बनाने में महती योगदान देने वालों में श्रीमती अंकिता सिंह जी, श्री सुरेंद्र राम जी, विनोद जी, एकता, रश्मि, सपना, ज्वाला, सुल्ताना, स्नेहा, जया, जाहिदा, अनामिका, श्रेया,आलिशा, सारा, सीमा, आशीष, प्रसून, विकास, प्रशांत व पीयूष आदि का नाम विशेष उल्लेखनीय रहा।

बीएमपीएस में शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी संपन्न

लालगंज, रायबरेली। नगर के बहुप्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज में शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव प्रयास करता आ रहा है। बच्चों की शैक्षिक दक्षता को देखने के लिए नियमित शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। प्ले ग्रुप से कक्षा-12 के छात्रों के अभिभावक आज अपने पाल्यों कीअर्धवार्षिक परीक्षा में शैक्षिक दक्षता का अवलोकन करने व प्रोग्रेस रिपोर्ट जानने के लिए विद्यालय में उपस्थित हुए। अभिभावकों ने संबंधित कक्षाअध्यापक व विषयअध्यापक से अपने पाल्यों की शिक्षा संबंधी अच्छाइयों या कमियों को आपस में साझा किया। प्रशासनिक सचिव सिद्धार्थ सिंह ने अभिभावकों की शिक्षा संबंधी समस्याओं का संबंधित अध्यापकों से त्वरित रूप से निराकरण करने का आदेश दिया।

क्विक न्यूज

व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष ने पुष्कर को बनाया प्रांतीय उपाध्यक्ष

संतकबीरनगर। व्यापारियों के हित में लड़ाई लड़ने वाले प्रदेश के प्रमुख व्यापारिक संगठन उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने अपने संगठन का विस्तार करते हुए सक्रिय नेता तथा कुशल संगठनकर्ता पुष्कर चौधरी को संगठन का प्रांतीय उपाध्यक्ष बनाया है। संगठन में पहले जिलाध्यक्ष के पद से लेकर प्रदेश महामंत्री तक का सफर तय करने वाले पुष्कर चौधरी मूलत: प्रदेश के संतकबीरनगर जिले के रहने वाले है जिनकी निष्ठा और संगठन के प्रति अटूट आस्था ने उन्हें संगठन में अब अति महत्वपूर्ण पद पर पहुंचाया है।

संतकबीरनगर जिले का जिलाध्यक्ष रहने के दौरान पूरे जिले के व्यापारियों को संगठन से जोड़ने वाले पुष्कर चौधरी के कार्यों की गूंज जब पिछले वर्षों में संगठन के अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल तक पहुंची थी तब उन्होंने पुष्कर चौधरी को प्रदेश कमेटी में महत्वपूर्ण स्थान देते हुए उन्हे प्रदेश महामंत्री बनाया था और अब पुन: पुष्कर को महत्वपूर्ण पद यानी प्रांतीय उपाध्यक्ष बनाकर बनवारी लाल कंछल ने स्पष्ट कर दिया कि वो पुष्कर के जरिए पूरे प्रदेश में एक नई व्यवस्था चलाकर व्यापारियों को एक मंच पर लाने का कार्य करेंगे। वहीं संगठन अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल के इस फैसले का प्रदेश भर के व्यापारियों ने स्वागत किया है।

पुष्कर चौधरी को नई जिम्मेदारी मिलने पर प्रदेश भर के व्यापारियों ने उन्हें बधाई देते हुए व्यापारी हितों में लड़ाई लड़ने की प्रतिबद्धता जताई है। स्वयं के मनोनयन को लेकर पुष्कर चौधरी ने कहा कि अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने जो भरोसा मुझ पर जताया है उस भरोसे पर खरा उतरने का कार्य करूंगा। श्री चौधरी ने कहा कि अब पूरे प्रदेश की जिला इकाइयों से संपर्क कर संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में जो भी आवश्यक कदम उठाने होंगे उसको किया जायेगा।

नगर पालिका पशु बाजार के बीच निकली शील चतुर्वेदी की जमींदारी

संवाददाता। उरई, जालौन

रामकुंड स्थित पशु बाजार के बीच शील चतुर्वेदी की जमींदारी की 70 डिसमिल जमीन पर दावा ठोकते हुये शील कुमार चतुर्वेदी जमींदार, मुख्तारआम अनुभव चतुर्वेदी ने प्रशासन को प्रार्थना पत्र देते हुये सारे प्रकरण से अवगत कराते हुये बताया कि उक्त मामले में उरई नगर पालिका ने हाईकोर्ट से स्टे ले रखा है ऐसी स्थिति में जब तक न्यायालय का कोई निर्णय नहीं आ जाता तब तक यथा स्थिति बनाये रखी जाये।

उक्त आशय का प्रार्थना पत्र प्रशासन को देते हुये मुख्तारआम अनुभव चतुर्वेदी ने बताया कि शील चतुर्वेदी मुहाल नगू पट्टी नम्बर 2 के जमींदार की हैसियत से अंदर हद नगर पालिका एनजेडए स्थित आराजी 1045 मौजा उरई रकवा 0.70 एकड़ के मालिक व काबिज है। उपरोक्त के संबंध में अवगत कराना है कि आराजी नंबर 1045 का कुल रकवा 6.85 एकड़ है जिसमें से 6.15 एकड़ का अर्जन नगर पालिका पशु बाजार के लिये किया गया था।

शेष 0.70 एकड़ भूमि मुहाल नगू पट्टी नंबर 2 के मालिक जमींदार शील कुमार चतुर्वेदी की शेष है। इस बाबत वाद माननीय न्यायालय एसडीएम उरई के यहां चला जिसमें एसडीएम के आदेश के विरुद्ध प्रार्थी आयुक्त झांसी मंडल झांसी में निगरानी आदेश निगरानी संख्या 132/2009-10 दिनांक 20 जनवरी 2015 से 6.15 एकड़ पशु बाजार व 0.70 डिसमिल शेष मुहाल नगू 2 शील कुमार के नाम पुन: दर्ज हुआ था। इसके उपरांत पैमाइश सीमांकन नगर पालिका परिषद उरई व तहसील उरई की संयुक्त टीम द्वारा 10 जून 2015 व 19 जून 2015 को किया गया था रिपोर्ट की प्रति भी संलग्न पैमाइश के उपरांत नगर पालिका परिषद उरई ने निगरानी संख्या 976/2015 नगर पालिका परिषद उरई बनाम शील कुमार चतुर्वेदी दाखिल की जो 7 मार्च 2017 को निरस्त हुई। इसके बाद नगर पालिका परिषद उरई द्वारा माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद में रिट संख्या-36224/2017 संस्थित की गयी जो बगैर स्थगनादेश विचाराधीन है। प्रार्थना पत्र में बताया गया कि पूर्व में एक व्यक्ति के द्वारा नगर पालिका परिषद उरई 6.15 एकड़ के अलावा प्रार्थी की बंजर 0.70 एकड़ भूमि पर जबरन कब्जा करना चाहती थी जबकि खसरा, खतौनी से स्पष्ट है व माननीय न्यायालय के आदेशों से भी स्पष्ट है कि जिस 0.70 एकड़ भूमि का अर्जन नहीं किया गया है वह मुहाल नगू-2 एनजेडए की शील कुमार चतुर्वेदी की भूमि है। उस पर उनकी दीवाल भी अर्से से बनी है जो संयुक्त टीम की आख्या से भी स्पष्ट है।

सीएमओ ने किया विश्राम स्थल का निरीक्षण

मुसाफिरखाना, अमेठी। रविवार को सीएमओ डॉ अंशुमान सिंह ने क्षेत्र के नेवादा गांव स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का निरीक्षण किया वही बगल के महात्मा बलदेव दास इंटर कालेज में फागिंग कार्य का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आरोग्य मेले में 22 मरीज देखे गए। रविवार को मुसाफिरखाना के नेवादा गांव पहुंचे मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह ने महात्मा बलदेव दास इंटर कॉलेज पहुंचे जहां उन्होंने गौरीगंज विधायक राकेश प्रताप सिंह की सोमवार से प्रस्तावित अयोध्या तक की पदयात्रा के प्रथम दिवस के विश्राम स्थल का निरीक्षण करते हुए साफ सफाई व्यवस्था के साथ परिसर में फागिंग कार्य का निरीक्षण करते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने पास के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच कर मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पदयात्रा में शामिल राम भक्तों की सुविधा को देखते हुए चिकित्सकों को दिशा निर्देश दिए।

15 से 25 तक होगा बूथों का गठन और मंडल अध्यक्षों के चुनाव

उरई, जालौन। रविवार को भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश संगठन चुनाव हेतु सुरेश त्रिपाठी विधायक प्रयागपुर को जनपद जालौन का जिला चुनाव अधिकारी बनाये जाने के बाद उन्होंने जिले में आकर सक्रिय सदस्यता एवं संगठनात्मक चुनाव की कार्यशाला श्री राम पैलेस उरई में संपन्न हुई। संगठनात्मक चुनाव कार्यशाला में उन्होंने बताया कि जनपद के 19 मंडलों के चुनाव अधिकारी घोषित कर दिए गए हैं जो कि सभी मंडलों में 15 नवंबर से 25 नवंबर तक बूथों का गठन करके बूथ अध्यक्ष बनाएंगे तथा 19 मंडलों के मंडल अध्यक्षों के चुनाव संपन्न कराने के उपरांत सभी मंडल अध्यक्षों की घोषणा की जाएगी बूथ की 12 सदस्यों की टीम बनाई जाएगी जिसमे 3 महिलाएं बनाना अनिवार्य होगा संगठन का चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न कराया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित ने की। इस दौरान मुख्य रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष डा. घनश्याम अनुरागी, विधायक मूलचंद निरंजन, वरिष्ठ भाजपा नेता रामलखन औदीच्य, पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश तिवारी, संजीव उपाध्याय, एवं सैकडों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नौ दिवसीय श्रीराम कथा को सफल बनाने के लिए राज्यमंत्री ने की बैठक

तिलोई, अमेठी। आरबीएस इण्टर कालेज परिसर में आगामी 22 नवम्बर से होने वाली श्रीराम कथा को सफल बनाने के लिये रविवार को प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह की अध्यक्षता में आयोजन समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें राज्यमंत्री द्वारा आयोजन समिति के पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिया गया। वही श्रीराम कथा का आमंत्रण पत्र तिलोई विधानसभा क्षेत्र के घर घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

विगति वर्षों की भांति इस वर्ष भी तिलोई स्थित राजा विश्वनाथशरण इण्टर कालेज के प्रांगण में आगामी 22 नवम्बर से 30 नवम्बर तक आयोजित की जाएगी। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य शान्तनु जी महाराज द्वारा प्रतिदिन शाम पांच से साढ़े आठ बजे तक श्रीराम कथा का रसपान कराया जायेगा और एक दिसम्बर को दोपहर में दो बजे से विशाल भण्डारा होगा। श्रीराम कथा की यजमान रमई की ग्राम प्रधान अंकिता सिंह पत्नी बबलू सिंह को नामित किया गया है। श्रीराम कथा के आयोजक प्रदेश सरकार के चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य राज्यमंत्री व क्षेत्रीय विधायक राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने बताया कि संरक्षक, स्वागतकर्ता, मंच संचालक, मंच व्यवस्था, धन संग्रह, प्रचार प्रसार, प्रसाद व्यवस्था, भंडारा, मीडिया, क्रय के साथ ही पार्किंग प्रमुख के पद पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई।

व्यवसायिक आयोजन एक समाज में भाईचारे और प्रेम की भावना को बढ़ातेः रामलखन

- जीआईसी पुस्तकालय मैदान में हुआ भव्य कपड़ा प्रदर्शनी का शुभारंभ

संवाददाता। उरई, जालौन

हर साल की तरह इस बार भी यहां नगर में मौसमी सर्द हवाओं से बचने के लिए पहाड़ियों की गर्म ऊनी कपड़ों की सौगात यहां के लोगों को मिलने जा रही है। आज रविवार को हिमालय बुद्धिस्ट खम्पा वूलन मार्केट का शुभारंभ विधिवत हवन पूजन एवं पहाड़ी संस्कृति के आयोजनों के बीच भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन मंत्री बुंदेलखंड कानपुर प्रांत रामलखन औदीच्य ने बतौर मुख्य अतिथि फीता काटकर किया इस मौके पर कपड़ा प्रदर्शनी के संयोजक कैलाश और उनके प्रदर्शनी परिवार के लोग तथा बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इस मौके पर श्री आदित्व ने कहा कि इस तरह के व्यवसायिक आयोजन भी एक दूसरे की संस्कृति को आत्मसात कर समाज में भाईचारे और प्रेम की भावना को बढ़ाते हैं। उन्होंने इस दौरान लोगों से कहा कि हमें प्रकृति के इस खूबसूरत एहसास के साथ एक दूसरे के बीच प्रेम की भावना को बढ़ाना है।

बताते चलें कि नगर में विगत कई वर्षों से सर्दी के मौसम के दौरान उत्तराखंड पहाड़ी क्षेत्र से गर्म कपड़ों के व्यवसाय को लेकर यहां नगर के राजकीय इंटर कॉलेज परिसर स्थित राजकीय पुस्तकालय के बगल में गर्म ऊनी कपड़ों की दुकान हिमालय बुद्धिस्ट खम्पा बुलन मार्केट के नाम से लगाई जाती रही हैं इस बार भी मार्केट को पहाड़ी भाइयों ने विभिन्न किस्म के खूबसूरत आकर्षित और बेहतर गुणवत्ता वाले गर्म कपड़ों से सजाया है।

जिनमें खास तौर पर महिलाओं बच्चों और पुरुषों के लिए तरह-तरह के खूबसूरत स्वेटर, सोल, जैकेट जिन्हें इस मौसम के अनुरूप बनाया गया है दुकानों में लोगों को आकर्षित कर रही हैं गर्म कपड़ों की इस प्रदर्शनी के आयोजन कैलाश बिष्ट और उनके सभी साथियों ने इस खूबसूरत प्रदर्शनी को यहां के लोगों के लिए विधिवत शुभारंभ करके प्रारंभ कराया।

प्राधिकरण ने हाइवे के किनारे खड़े वाहनों को हटाने का चलाया अभियान

कालपी, जालौन। झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में अनाधिकृत तरीके से हल्के भारी वाहनों को खड़ा करने वालों पर विभाग सख्त हो गया है। रविवार को जोल्हूपुर मोड़ चौराहे में अभियान चलाकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के कर्मचारियों के द्वारा हाईवे में खड़े वाहनों को हटाने का अभियान चलाया गया।

मालूम हो कि झांसी कानपुर फेरलेन हाईवे सड़क के किनारे सर्विस रोड में वाहन चालक अपनी-अपनी गाड़ियों को आड़ा तिरछा खड़ा करके चले जाते हैं, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। इस मामले को संज्ञान में लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण झांसी इकाई के परियोजना निदेशक सुनील कुमार जैन के निर्देशन पर हाईवे से वाहन हटाने का अभियान प्राधिकरण के कर्मचारियों के द्वारा चलाया गया। कार्यदायी संस्था ओबीआईएल के शीर्ष अधिकारी इंजीनियर गणेशन, साइड इंचार्ज इंजीनियर प्रभाकरण, पीयूष तिवारी, सुवेंद्र प्रताप सिंह की मौजूदगी में अभियान चलाया गया। एनएचएआई की पेट्रोलिंग टीम लीडर शेख मोहम्मद सिद्दीकी, उमेश कुमार आदि कर्मचारियों ने जोल्हूपुर मोड़ में होटल, ढाबों, पंप, दुकानों के सामने हाईवे रोड में खड़े वाहनों को शक्ति से हटाया गया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन भी पदयात्रा में होगा सम्मिलित

अमेठी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन की एक बैठक अशोक कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में सीताराम सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज दतनपुर कटारी में संपन्न हुई। अध्यक्ष अशोक कुमार द्विवेदी स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण समिति , अमेठी के द्वारा यह बिंदु रखा गया कि गौरीगंज विधानसभा के विधायक राकेश प्रताप सिंह द्वारा विधानसभा सदस्य चुने जाने के बाद विधानसभा में स्वतंत्रता सेनानी के नाम से सम्मान पूर्वक सेनानी द्वार बनवाने का सराहनीय व अद्वितीय कार्य किया गया है । जिन सेनानी का द्वार अभी नहीं बना है उनके भी नाम से सेनानी द्वार बनवाने की प्रक्रिया की जा रही है । संगठन मंत्री चंद्रभान यादव ने कहा कि जो यात्रा विधायक गौरीगंज द्वारा गौरीगंज से अयोध्या तक की जा रही है यह स्वागत योग्य है। संगठन के सचिव एवं सदस्य राष्ट्रीय कार्यकारिणी राजेश सिंह की अगुवाई में सेनानी परिवारों द्वारा रामगंज कौहार स्थित विधायक द्वारा सर्वप्रथम निर्मित प्रताप नारायण दुबे सेनानी द्वार पर इस यात्रा का स्वागत किया जायेगा ।

एसडीएम ने बूथों पर पहुंच बीएलओ के कार्यों की ली जानकारी

कालपी, जालौन। विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के अंतिम दिन एसडीएम ने नगर के बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ से अब तक किए गए कार्य की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।

भले ही निकट समय में प्रदेश में कोई चुनाव न हो पर निर्वाचन आयोग का मतदाता सूची का पुनरीक्षण अभियान जारी है जिसके तहत 31 दिसम्बर तक मतदाता बनने की निर्धारित आयु पूरी करने वाले युवाओं को मतदाता बनाया जाना है तथा सूची में बड़ी संख्या में मृत लोगो के नाम भी मतदाताओ के रूप में दर्ज है जिससे मतदाता सूची में वोटरों की संख्या ज्यादा दर्शा रही है जबकि इतने है नही और शायद इसी के चलते आयोग ने शनिवार को दो दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया था तथा इस अभियान को धरातल पर देखने के लिए शनिवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्येय ने छौंक गांव के साथ नगर के भी बूथो का निरीक्षण किया था और रविवार को उप जिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने नगर पालिका परिषद, एमएसबी इंटर कॉलेज, तथा आर्यकन्या पाठशाला इण्टर कालेज के अलावा नगर पालिका बालिक इण्टर कालेज स्थित बूथों का निरीक्षण किया।

राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भाजपा में दस हजारे नए सदस्य जोड़े

कानपुर देहात। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान के तहत उत्तर प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री व सदर विधायक प्रतिभा शुक्ला ने अपने रेफरल आईडी से 10 हजार बीजेपी के सदस्य बना कर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा मिले लक्ष्य को पूरा किया। इसी क्रम रविवार को राज्यमंत्री व सदर विधायक प्रतिभा शुक्ला ने भारतीय जनता पार्टी कार्यालय माती में भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला व पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं संगठन चुनाव अधिकारी कानपुर देहात डॉ0 सतीश द्विवेदी को भाजपा के सक्रिय सदस्यता अभियान के तहत अपनी सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण फार्म सौंपा। जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला व संगठन चुनाव अधिकारी डॉ सतीश द्विवेदी ने फार्म भरवा कर सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण की प्रक्रिया पूरी की। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना से विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के सक्रिय सदस्यता अभियान के तहत अपनी सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण करवा कर प्रसन्नता की अनुभूति कर रही हूं। इस दौरान जिला प्रभारी भाजपा अशोक राजपूत, विधायक पूनम संखवार एपूर्व जिलाध्यक्ष वंशलाल कटियार, श्याम सिंह सिसौदिया, राजेश सचान, रामजी मिश्रा, शिवविलास मिश्रा, श्यामबिहारी पांडेय, श्यामू शुक्ला आदि मौजूद रहे।

अक्षय नवमी के पर्व पर सौभाग्य और समृद्धि की कामना की

गुरसहायगंज, कन्नौज। अक्षय नवमी के पावन अवसर पर नगर भर में विशेष पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने श्रद्धा और भक्तिपूर्वक पूजा अर्चना कर सौभाग्य और समृद्धि की प्राप्ति के लिए कामना की। पूजा के दौरान महिलाओं ने अपनी रचनात्मकता और पारंपरिक विधियों का पालन करते हुए व्रत रखे और आंवला बृक्ष के नीचे बैठकर विशेष रूप से देवी लक्ष्मी की पूजा की। रविवार को अक्षय नवमी के पर्व पर नगर के टीवी हॉस्पिटल, गोमती देवी आदर्श इण्टर कॉलेज सहित कई स्थानों पर महिलाओं नें व्रत रखकर अपने घर की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली के लिए संगठित होकर आंवला बृक्ष के नीचे बैठकर देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा अर्चना की। इस दौरान मानस मंजरी रत्नेश द्विवेदी ने बताया कि यह दिन न केवल आध्यात्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह सामाजिक समृद्धि और पारिवारिक खुशहाली का प्रतीक भी माना जाता है। पूजा आयोजन में महिलाओं के साथ-साथ बच्चों और अन्य परिवारजनों ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण के बाद सभी ने इस पर्व को एक उत्सव के रूप में मनाया।

आंवला बृक्ष के नीचे बैठकर पूजा अर्चना करती महिलायें।

द्वितीय अभियान तिथि पर जिले में सभी मतदेय स्थलों पर हुआ मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम

● एडीएम ने देखे पोलिंग बूथए अभियान की संचालित गतिविधियों का लिया जायज़ा

लखीमपुर खीरी। रविवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उप्र, एवं डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देशन में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत द्वितीय अभियान तिथि पर जिले में सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों पर मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जनपद स्तर पर नियुक्त सभी सेक्टर आफिसरोंए बीईओए बीडीओए ईओए नायब तहसीलदारए तहसीलदारए एसडीएम एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार सिंह ने मतदेय स्थलों पर भ्रमण कर बीएलओ पदाभिहित अधिकारियों एवं सुपरवाइजरों के कार्यो का पर्यवेक्षण किया।

रविवार को डिप्टी डीईओ/एडीएम संजय कुमार सिंह ने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 142.लखीमपुर के विभिन्न मतदेय स्थल पीके इंटर कॉलेजए धर्मसभा इंटर कॉलेजए जीआईसीए स्वामी श्याम प्रकाश इंटर कॉलेजए गॉधी विद्यालय इंटर कॉलेजए श्री गुरूनानक महाविद्यालय के विभिन्न बूथों पर बूथ लेविल अधिकारियों के कार्यो का पर्यवेक्षण करने हेतु स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय तहसीलदार सदर सुशील प्रताप सिंहए उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान एडीएम संजय कुमार सिंह ने निर्देशित किया कि सभी बीएलओ को विधिवत् रूप से आयोग द्वारा निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु पुन: निर्देशित किया जाये तथा स्वयं बीएलओ के कार्यो का प्रतिदिन पर्यवेक्षण किया जायेए जिससे आयोग के निर्देशानुसार निर्धारित ईपी रेशियोए जेण्डर रेशियो तथा एज को हार्ट मानक के अनुसार पूर्ण कराया जा सके।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने पीया कीटनाशक, मौत मचा कोहराम

घर के बाहर रोते विलखते परिजन व महिलाए।

फर्रुखाबाद। कोतवाली कायमगंज क्षेत्र गांव लुधईया निवासी युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया। अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना में परिजनों में कोहराम मच गया। अस्पताल की तरफ से मेमो कोतवाली भेजा गया।

शनिवार की शाम क्षेत्र के गांव लुधईया निवासी श्याम बाबू ने खेत पर कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया। खेत में काम कर रहे लोगों ने उसे अचेत अवस्था में देखा तो इसकी जानकारी परिजनों को दी। परिजन मौके पर पहुंचे और उसे सीएचसी लेकर दौड़े जहा। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे गंभीर हालत में लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। परिजनों उसे लोहिया अस्पताल ले जाने वाले थे। तब तक उसने अस्पताल के बेड पर ही दम तोड़ दिया।

मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि मृतक के तीन भाई हैं मृतक भाइयों में सबसे छोटा था। मृतक के दो बच्चे दिनेश (10) व राघव (8) है। मृतक की पत्नी शारदा देवी पिता कालीचरण भाई भैया लाल व सुरेंद्र सिंह का रोग्रो कर बुरा हाल है। इधर अस्पताल की ओर से एक मेमो कोतवाली भेजा गया।

शादी में शामिल होने आ रहे भाई की व रिश्तेदार की हादसे में मौत

मृतक युवक सुमित राठौर की फाइल फोटो, रोते विलखते परिजन व रिश्तेदार तथा गांव की महिलाएं।

फर्रुखाबाद। बहन की शादी में शामिल होने आ रहे भाई की व रिश्तेदार की हादसे में मौत हो गयी। मौत की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया। बताते है कि कायमगंज नगर के मोहल्ला बगिया मंगूलाल निवासी परमाल सिंह राठौर का 22 वर्षीय पुत्र सुमित राठौर फरीदाबाद में रहकर मजदूरी का कार्य करता था। शुक्रवार की देर शाम सुमित बहन की शादी में शामिल होने के लिए अपने बहनोई के भाई जनपद कासगंज के थाना अमापुर के ढकपुरा निवासी पिंकू से साथ बाइक से घर वापस आ रहा था। तभी अचानक सिकन्दराराऊ क्षेत्र के कासगंज रोड़ पर महमई सतावत नगर के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे हादसे दोनों गंभीर रुप से घायल हो गए।

आसपास राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची दोनों का गंभीर हालत में सीएचसी लेकर आई। जहां डॉक्टर ने पिंकू को मृत घोषित कर दिया और सुमित को प्राथमिक इलाज के बाद अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। इधर सुमित की इलाज के दौरान अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। दोनों की मौत की सूचना पर परिजनों ने कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे परिजनों का रो .रो कर बुर हाल है। हादसे में बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने दोनों के शवो को पोस्टमार्टम कराया।

मृतक के पिता परमाल ने रोते हुए बताया कि 11 नवबंर को उसकी बेटी की बारात आनी थी होनी को देखिए की जिस घर में बेटी की डोली उठनी चाहिए थी। उस घर से बेटे की अर्थी उठ रही है। इतना कह कर वह फूट फूट कर रोने लगे। वहां मौजूद नाते रिश्तेदारों ने ढाढंस बंधाया। मृतक की छरू बहने व एक छोटा भाई रोहित है। पांच बहनो की शादी हो चुकी है। छोटी बहन की शादी में शामिल होने बाइक से आ रहा था।

11 नवबंर 2024 को बहन सुमन की थी शादी

22 वर्षीय पुत्र सुमित राठौर फरीदाबाद से शुक्रवार की देर शाम सुमित बहन की शादी 11 नवबंर 2024 को थी । बहन की शादी में शामिल होने के लिए अपने बहनोई के भाई जनपद कासगंज के थाना अमापुर के ढकपुरा निवासी पिंकू से साथ बाइक से घर वापस आ रहा था। तभी अचानक सिकन्दराराऊ क्षेत्र के कासगंज रोड़ पर महमई सतावत नगर के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे हादसे दोनों गंभीर रुप से घायल हो गए। इलाज के दौरान सुमित राठौर की अलीगढ़ के अस्पताल में मौत हो गई। होनी को देखिए की जिस घर में बेटी की डोली उठनी चाहिए थी। उस घर से बेटे की अर्थी उठ रही है। गांव में गमगीन माहौल है। हर किसी की आंख इस घटना को लेकर नम है। गांव में मातम सा छाया हुआ है।

सिलेंडर की आग से झुलसे युवक की मौत

राठ (हमीरपुर)। लीकेज गैस सिलेंडर में आग लगने से किसान पुत्र की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची जरिया पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। जरिया थाने के कैनोखर गांव निवासी उचित कुमार ने बताया कि उसके पिता पास तीन बीघा जमीन है। वह तीन भाई राजू देवीसिंह है। वह व उसका सबसे छोटा भाई देवीसिंह बाहर एक कंपनी में काम रहते हैं। घर पर पिता व 50 वर्षीय भाई राजू रहते थे। 30 अक्टूबर की सुबह करीब सात बजे राजू घर में गैस चूल्हे पर चाय बना रहा था। तभी लीकेज सिलेंडर में आग लग गई। आग से राजू गंभीर रूप से झुलस गया। स्वजन इलाज के लिए सीएचसी गोहांड ले गए। गोहांड से मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया गया। उरई से झांसी और झांसी से ग्वालियर रेफर कर दिया। बताया कि शनिवार को डॉक्टरों ने घर जाने के लिए बोल दिया। रविवार की सुबह करीब चार उसके भाई ने घर पर दम तोड़ दिया। मृतक के भाई उदित कुमार ने बताया कि राजू पिता के साथ खेती में हाथ बंटाता था। मृतक अविवाहित था। जरिया थानाध्यक्ष भरत कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

साड़ी थ्रेसर में फंसने से महिला की मौत

राठ (हमीरपुर)। खेत में मूंगफली की कतराई कराते समय महिला की साड़ी थ्रेसर मशीन के पंखे में फंस जाने घायल वृद्ध महिला की मेडिकल कालेज उरई में इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत स्वजनों में कोहराम मचा हुआ है। क्षेत्र के चिकासी गांव निवासी उदित राजपूत ने बताया कि शनिवार की शाम वह खेत में मूंगफली की थ्रेसर मशीन से कतराई करा रहे थे। तभी मूंगफली उठाते समय उसकी मां (70) चंदारानी की साड़ी थ्रेसर के पंखे में फंस गई थ्रेसर मशीन में साड़ी फंसने से उसकी मां का गला कस गया। तभी वहां मौजूद मजदूरों ने देखा तो उन्हें बाहर निकाला और इलाज के लिए ले गए। जहां मेडिकल कालेज उरई में इलाज दौरान उनकी मां की मौत हो गई। बताया कि उनके पिता झल्लू के नाम बीस बीघा जमीन है। मां चंदारानी हाथ बंटाती थी। रविवार को को गांव में महिला का अंतिम संस्कार किया गया।

मछली बेचने आये युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

कुरारा(हमीरपुर)। शनिवार शाम मछली बेचने मूसानगर गए युवक का शव रविवार मनकी रोड़ पर हरौलीपुर गांव के मोड़ के पास पड़ा मिला। मूसानगर से वापस आते समय किसी वाहन द्वारा टक्कर मार देने का अंदेशा लगाया जा रहा है। स्वजनों का रो रोकर बुरा हाल है। थाना क्षेत्र के बिलौटा गांव निवासी समरपाल उर्फपप्पू पुत्र छैलू निषाद उम्र करीब 42 वर्ष शनिवार शाम करीब 7 बजे यमुना नदी से मछलिया पकड़कर मूसानगर बेचने गया था। देर रात तक वापस न लौटने पर स्वजनों द्वारा खोजबीन की गई। युवक के न मिलने पर स्वजनों ने पुलिस को सूचना दी जिसपर रात में ही पुलिस ने स्वजनों को साथ लेकर युवक की खोजबीन शुरू कर दी सुबह होते होते पुलिस ने हरौलीपुर गांव मोड़ के पास युवक को मोटरसाइकिल सहित सड़क के किनारे झाड़ियो में मृत अवस्था मे पड़ा पाया। स्वजन व पुलिस शव को कुरारा सीएचसी लेकर आये जहां डॉक्टरों ने बताया कि इसकी मृत्यु कई घंटे पहले हो चुकी है। मृतक के सर व शरीर में चोट लगी हुई थी। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को भेजा है। थाना प्रभारी योगेश तिवारी ने बताया कि घटना देखकर ऐसा लग रहा है जैसे किसी को बचाने में उसकी बाइक अनियंत्रित होकर झाड़ियो में जा घुसी या फिर किसी वाहन ने उसे टक्कर मारी है। जांच की जा रही है।

दलित को धारदार हथियार से हमला कर किया घायल

गुरसहायगंज, कन्नौज। विगत शुक्रवार को जमीनी विवाद को लेकर खेत में कृषि कार्य कर रहे क्षेत्र के ग्राम तहसीपुर ठठिया निवासी अमरेश दोहरे पुत्र रामदास के साथ गांव के कुलदीप कटियार एवं सुभाष कटियार ने अपने अज्ञात रिश्तेदारों के साथ मिलकर जाति सूचक गाली गलौज करते हुए धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। घायल के भाई राजीव व अन्य लोगों द्वारा मौके पर पहुंचने पर उक्तगण जान माल की धमकी देकर मौके से चले गए। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जॉच शुरू कर दी गई है।

ग्रापए की मासिक बैठक, सदर तहसील अध्यक्ष बने अखिलेश

फतेहपुर। ग्रामीण पत्रकार एसो. जिला इकाई की मासिक बैठक जिला कार्यालय रूद्र सदन सथरियाव रोड खंभापुर में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कुमुद तिवारी व संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र श्रीवास्तव ने किया। बैठक में सर्वप्रथम फतेहपुर जनपद के स्थापना दिवस मनाते हुए केक काटा गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियां का सक्रियता से निर्वाह करें। वरिष्ठ महामंत्री सुजान सिंह गौतम ने संगठन में लापरवाह व संवेदनहीन पदाधिकारी को हिदायत देते हुए सक्रिय रूप से कार्य करने का अनुरोध किया। वही प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अमरजीत सिंह के प्रस्ताव पर सर्वसम्मत से अखिलेश कुमार को सदर तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस मौके पर उपाध्यक्ष महेश त्रिपाठी, सुरेश चंद्र विश्वकर्मा, शेखर अवस्थी, विमल सिंह चौहान, प्रवेश सिंह, रोहित अग्रहरि आदि मौजूद रहे।

गणेश सिंह विद्यार्थी उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति के जिला संयोजक मनोनीत

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति के महासचिव अरुण कुमार त्रिपाठी ने गणेश सिंह विद्यार्थी को समिति के जनपद हमीरपुर का संयोजक मनोनीत किया है। महासचिव श्री त्रिपाठी ने विद्यार्थी जी को जनपद हमीरपुर की कार्यकारिणी का गठन करके अविलंब प्रदेश इकाई को प्रेषित करने का निर्देश दिया है। साथ ही यह आशा व्यक्त की है कि समिति के उद्देश्यों के लिए पूर्ण समर्पण भाव से कार्य करेंगे। श्री विद्यार्थी जी को उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति का जिला संयोजक बनाए जाने पर जनपद के पत्रकारों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभ कामनाएं दी हैं। विद्यार्थी जी कई राष्ट्रीय अखबारों में काम कर चुके है। सभी लोग उनकी कलम का लोहा मानते है।

ट्रैक्टर ट्राली के नीचे दबने से दो लोगों की मौत, एक शाहजहांपुर रेफर

मोहम्मदी खीरी। अजवापुर चीनी मिल में गन्ना डालने जा रहे भुईहरा भट्टे के पास गन्ने से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटने से दो मजदूरों की मौके पर हुई मृत्युएतेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली मोटर साइकिल को बचाने के चक्कर मे बैलेंस बिगड़ गया, जिसमें ट्रैक्टर ट्राली पलट गई जिससे विनोद उर्फ नन्हे व बैठे उसके साथी ट्रॉली के नीचे दब गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से निकाला गया व एंबुलेंस से सीएचसी मोहम्मदी भेजा गया जहां अशोक पुत्र सुखपाल व निवास पुत्र सतेंद्र को डॉक्टर द्वारा मृतक घोषित कर दिया गया, विनोद उर्फनन्हें को शाहजहांपुर रेफर कर दिया गया, सभी गांव भुइयरा के निवासी है व अन्य सभी का इलाज सीएचसी मोहम्मदी में चल रहा है, पुलिस ने मृतकों के पंचायतनामा की कार्यवाही करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, घटना की जानकारी मिलने से परिवार बालो का रो रोकर बुरा हाल है।

स्वतंत्रता सेनानी गोपाल गुप्त की पुण्यतिथि पर नमन

सेनानी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते लोग।

गुरसहायगंज, कन्नौज। स्वतंत्रता संग्राम के महानायक और नगर के पूर्व प्रधान श्री गोपाल गुप्त की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें उनके जीवन और संघर्षो को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया और उनकी अनमोल सेवाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में दोनों जनपदों के जनप्रतिनिधियों व गणमान्य नागरिकों सहित समाजसेवियों ने भाग लिया।

रविवार को नगर के मोहल्ला गोपालनगर स्थित भाजपा क्षेत्रीय मंत्री देवेन्द्र देव के प्रतिष्ठान पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में स्वतंत्रा संग्राम सैनानी श्री गोपाल गुप्त के चित्र पर पुष्प अर्पित करनें के उपरान्त वरिष्ठ भाजपा नेता शुम्भूदयाल गुप्ता ने कहा कि श्री गोपाल गुप्त भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन सेनानियों में शामिल थे जिन्होंने अपने साहस, संघर्ष और निष्ठा से देश की स्वतंत्रता के लिए अहम योगदान दिया। राज्यमंत्री असीम अरूण ने कहा कि स्वर्गीय दादा जी न केवल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, बल्कि एक सशक्त समाज सुधारक भी थे जिन्होंने समाज में व्याप्त अंधविश्वास और कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई थी। पूर्व राज्यमंत्री अर्चना पांडेय ने कहा कि उन्होंने समाज के निचले तबकों के लिए काम किया और उनकी जिंदगी में सेवा की भावना प्रमुख रही। वहीं भोजपुर विधायक नागेन्द्र सिंह राठौर, नरेन्द्र राजपूत, ब्लाक प्रमुख राजीव सिंह, सन्दीप चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रिया शाक्य, राजीव दुबे, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता, कांग्रेस नेत्री उषा दुबे, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सुभाष चंद्र दुबे, राम वीर कठेरिया, जीतू तिवारी, राजीव ठाकुर, चेयरमैन प्रतिनिधि मयंक गुप्ता, संजीव गुप्ता उर्फ संजू आदि वक्ताओं ने श्री गोपाल गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि श्री गोपाल गुप्त की पुण्यतिथि न केवल उनके योगदान को याद करने का अवसर है, बल्कि यह हमें अपने देश के लिए उनके किए गए त्याग और बलिदान को समझने और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देती है। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष धर्मेन्द्र कौशल, अमरदीप मिश्रा, एडवोकेट पीयूष चतुर्वेदी, अजीत सिंह वर्मा, शैलेन्द्र द्विवेदी, सभासद विपिन चौरसिया, कपिल यादव, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना हमारी संस्कृति एवं हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा हैः लोकेन्द्र प्रताप सिंह

गोला गोकर्णनाथ खीरी। श्री धर्मादा समिति गौशाला के सप्तदिवसीय सोलहवें गोपाष्टमी महोत्सव समापन समारोह में मुख्य अतिथि सभापति पंचायती राज/ मोहमदी विधायक लोकेन्द्र प्रताप सिंह, विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी गोला विनोद कुमार गुप्ता, पुलिस क्षेत्राधिकारी गवरेनद्र गौतम, बार एसो. गोला अध्यक्ष राकेश वर्मा, जिला उपाध्यक्ष भाजपा विनोद वर्मा, गौ सेवक सी पी श्रीवास्तव, भाजपा नेत्री डाण् प्रीति वर्मा ए समीक्ष गुप्ता नगर उपाध्यक्ष लखीमपुर तथा कार्यक्रम अध्यक्ष राम सेवक शुक्ला ने हवन एवं गौ पूजन कर सम्मान समारोह का शुभारंभ किया गया। सोलहवें महोत्सव महोत्सव के आयोजक नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। सम्मान समारोह की श्रृंखला में विजय शुक्ला रिंकू ने सप्तदिवसीय महोत्सव में सहयोग करने वाले सामाजिक संगठनों के प्रमुखों पदाधिकारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके बाद विभिन्न विद्यालय के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता करने वाले बच्चों को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि लोकेन्द्र प्रताप सिंह सभापति पंचायती राज एवं विधायक मोहमदी ने कहा कि सर्वे भवन्तु सुखिन: की भावना हमारी संस्कृति एवं हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा है भारत प्रचीन काल से ही सबके कल्याण की कामना करता है, गौ सेवा एवं संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है।

सोलहवें गोपाष्टमी महोत्सव के आयोजक नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने सभी अतिथियों एसहयोगी संगठनों के साथ आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गौ सेवा करना सभी का कर्त्तव्य हैए यथाशक्ति एसामर्थ्य एवं पूर्ण मनोयोग से करना चाहिए। गौ माता सभी मनोरथ पूर्ण करती है।

महापुरुषों की मूर्ति स्थलों पर हुआ दीपोत्सव, निकाली रैली

फतेहपुर। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव के नेतृत्व में जनपद के 198 वें स्थापना दिवस के अवसर पर सभी चौराहों में स्थापित महापुरुषों की मूर्तियों में माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किए गए। साथ ही डॉ. अनुराग द्वारा अपने सभी आजीवन सदस्यों के साथ पटेल नगर चौराहे से जनपद के स्थापना दिवस हेतु सभी नागरिकों को जागरूक कर दीपोत्सव की तरह घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों में दीप प्रज्वलित करने के लिए रैली निकालकर निवेदन किया गया। सभी सदस्य जब तक सूरज चांद रहेगा फ़तेहपुर तेरा नाम रहेगा, फ़तेहपुर जिंदाबाद के नारे लगाते हुए चल रहे थे।

सरदार बल्लभ भाई पटेल जी, सुभाष चंद्र बोस, श्याम लाल पार्षद, लाल बहादुर शास्त्री, गणेश शंकर विद्यार्थी जी की प्रतिमाओं में माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित किए गए।इस अवसर पर आजीवन सदस्य संजय श्रीवास्तव, सर्वेश गुप्ता, सुरेश श्रीवास्तव, रामप्रकाश मौर्य, सुरेश चंद्र श्रीवास्तव, सचिन श्रीवास्तव, मनीष यादव, के.के. सिंह, चौतन्य कुमार, अतुल गुप्ता, शाहनूर आलम, मिथुन कुमार, विभा मिश्रा, अजय कुमार जैन, मनोज कुमार गुप्ता, रामबाबू गुप्ता, श्रवण कुमार गुप्ता, विनय कुमार, प्रवीण प्रसून श्रीवास्तव, प्रशांत पाटिल, अंगद सिंह चन्देल उपस्थित रहे।

इसी कड़ी में रेडक्रॉस सोसाइटी व डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के तत्वाधान में रविवार को चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने फ़तेहपुर स्थापना के 198 वर्ष पूर्ण होने पर आकूपुर अजगवाँ में स्थापना दिवस केक काटकर मनाया। गांव में बच्चों द्वारा पूरे उत्साह के साथ गुब्बारे फुलाये। सभी बच्चों ने उत्साह के साथ देशभक्ति के गीतों पर नृत्य कर एवं गीत सुनाकर स्थापना दिवस मनाया तत्पश्चात डॉ अनुराग ने फ़तेहपुर के इतिहास के बारे में विस्तार से बताया। सभी बच्चों को बिस्कुट, टॉफी, केक, गुब्बारे इत्यादि वितरित किया गया।

पूर्णाहुति के साथ रूरा की प्रसिद्ध विष्णु महायज्ञ के 30 वें वार्षिकोत्सव का समापन

व्यास मनोज मिश्र दाऊ जी का माल्यार्पण कर सम्मान करते युवा उद्यमी अविनाश ओमर

रूरा, कानपुर देहात। जनपद के प्रमुख धार्मिक कार्यक्रमों में शुमार किये जाने वाले श्री विष्णु महायज्ञ एवॅ विशाल मानस सॅगीत सम्मेलन के 30 वें वार्षिकोत्सव का भव्य व दिव्य समापन पूर्णाहुति व कथा विश्राम के साथ किया गया। आज विशाल भण्डारे का आयोजन किया जायेगा। कथा विश्राम के अवसर पर यज्ञाचार्य पं. उमाशॅकर तिवारी जी व उनके सहयोगी आचार्यों, व्यास पीठ पर मौजूद बनारस के पं. मनोज मिश्रा जी व महाभारती विजय कौशल, सॅचालक जगदीशनारायण शुक्ला जनक जी व पत्रकारों का सम्मान युवा उद्यमी व चैयरमैन रामजी गुप्ता के भतीजे अविनाश ओमर ने भगवान राम के परिवार व नवनिर्मित भव्य राममॅदिर से युक्त चित्र भेंट किया, अविनाश ओमर ने अॅगवस्त्र के साथ माला पहना कर आगुन्तक विद्वानों से आर्शीवाद ग्रहण किया।

कस्बे के थाना ग्राउण्ड में कई वर्षों से श्री विष्णु महायज्ञ, विशाल मानस सॅगीत सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। 30वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर विशाल कलश यात्रा के साथ 3 नवम्बर को इस धार्मिक कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया था, रविवार को यज्ञाचार्य पं0 उमाशॅकर तिवारी जी व उनके सहयोगी आचार्यों ने यज्ञजजमान सहित समिति व आस्थावान नगरवासियों व क्षेत्रीय लोगों की उपस्थिति में यज्ञशाला में पूर्णाहुति प्रदान की गयी। पूर्णाहुति के बाद महाआरती का आयोजन किया गया। इसी बीच भागवत मॅच से अमृतमयी व मोक्षदायिनी श्रीमदभागवत कथा का रसपान ददरौआ धाम भिण्ड के पवन मिश्रा जी द्वारा उपस्थिति भक्तों को कराया गया। महाभारत की कथा विजय कौशल द्वारा सॅगीतमयी शैली में सुनायी गयी, रामचरित मानस की कथा के ओजस्वी व प्रखर वक्ता बनारस के पं0 मनोज मिश्रा जी द्वारा अपनी सारगर्भित व धाराप्रवाह शैली के माध्यम से मानस के प्रसॅगों का वर्णन किया गया। युवा उद्यमी व चैयरमैन रामजी गुप्ता के भतीजे अविनाश ओमर द्वारा भागवत मॅच पर यज्ञाचार्य उमाशॅकर तिवारी जी व उनके सहयोगी आचार्यों सहित महाभारती विजय कौशल, रामचरित मानस के प्रखर वक्ता बनारस के मनोज मिश्र, दाऊ जी, पत्रकारों गोल्डन द्विवेदी, अशोक मिश्रा, अनुज पाण्डेय सहित अन्य पत्रकारों का सम्मान किया गया।

कांग्रेस का शाही परिवार एसटी, एससी और ओबीसी की एकता को तोड़ने पर तुला : मोदी

गुमला (झारखंड)। (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसका शाही परिवार अपने नापाक मंसूबों के तहत आरक्षण छीनने के लिए अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की एकता को तोड़ने पर तुला हुआ है।गुमला में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन पर खनिज, जंगल, रेत और कोयले जैसे राज्य के समृद्ध संसाधनों को लूटने का आरोप लगाया और दावा किया कि इससे रोटी, माटी और बेटी पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है।उन्होंने सत्तारूढ़ सरकार पर घुसपैठियों को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस जानती है कि यदि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग एक हो गए तो वे पार्टी के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर देंगे। यही कारण है कि कांग्रेस का शाही परिवार उनकी एकता तोड़ने पर आमादा है... वे आरक्षण छीनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस एक आदिवासी समुदाय को दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश कर रही है... आदिवासी समाज की ताकत को तोड़ने के एजेंडे के साथ वह उरांव के खिलाफ मुंडा, खारिया के खिलाफ लोहरा, कोरवा के खिलाफ खरवार आदि को लड़ा रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस उच्च पदों पर आदिवासियों को बर्दाश्त नहीं कर सकती, यही कारण है कि उसने राष्ट्रपति पद पर द्रौपदी मुर्मू का विरोध किया और उनका अपमान करना जारी रखे हुए है। उन्होंने इस क्रम में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का भी उल्लेख किया और कहा कि सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इस आदिवासी नेता का अपमान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासी गौरव को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है और बिरसा मुंडा के सम्मान में 15 नवंबर से देशभर में एक साल तक जनजातीय गौरव वर्ष मनाया जाएगा।महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थान खूंटी के उलिहातू का दौरा करने वाले पहले प्रधानमंत्री होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, मोदी उनकी पूजा करता हैं जिन्हें दूसरे खारिज कर देते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि धरती आबा जनजाति उत्कर्ष अभियान के तहत पूरे भारत में 60,000 से अधिक आदिवासी गांवों को 80,000 रुपए की लागत से विकसित किया जाएगा।

मोदी ने यह भी वादा किया कि जिन लोगों ने झारखंड के संसाधनों को लूटा और यहां के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें सलाखों के पीछे डाला जाएगा।झामुमो नीत सरकार पर झारखंड की जमीन, नदियां और पहाड़ बेचकर रेत की तस्करी कर करोड़ों रुपए कमाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, जिन लोगों ने जनता का पैसा लूटा है वे अपना जीवन जेल में बिताएंगे, उन्हें पैसा लौटाना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि गठबंधन के नेता न केवल संसाधनों को लूट रहे हैं, बल्कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के लिए रिश्वत भी ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि ऐसे लोगों को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।उन्होंने कहा कि तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि रागी की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा और यह झारखंड के किसानों के लिए अवसर और समृद्धि लाएगा।उन्होंने कहा, यह मोदी की गारंटी है कि भाजपा के घोषणापत्र में गोगो दीदी योजना (हर महीने महिलाओं को 2,100 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने का) सहित सभी वादों को पूरा किया जाएगा।

रांची में प्रधानमंत्री का मेगा रोड शो

रांची।(भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी राज्य झारखंड की राजधानी रांची में रविवार को तीन किलोमीटर के मेगा रोड शो में हिस्सा लिया। इस दौरान उनकी एक झलक पाने के लिए हजारों लोग सड़क किनारे खड़े देखे गए। फूलों और कटआउट से सजे भगवा रंग के खुले वाहन में सवार प्रधानमंत्री ने भीड़ की ओर हाथ हिलाकर अभिवादन किया। प्रधानमंत्री को देखकर भीड़ मोदी जिंदाबाद नारे लगाती दिखी। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी ने अपने मोबाइल फोन में रोड शो की झलकियों को कैद कर अपना उत्साह जाहिर किया। पिछले छह माह में प्रधानमंत्री का यह दूसरा रोड शो था।

कड़े सुरक्षा इंतजाम और भारी पुलिसबलों की तैनाती के बीच यह रोड शो ओटीसी ग्राउंड से शुरू हुआ जो न्यू मार्केट चौक पर समाप्त हुआ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने कहा, रोड शो की शुरुआत में, लगभग 501 ब्राह्मणों ने जीत के संकल्प के साथ शंखनाद किया। जब प्रधानमंत्री भीड़ की ओर हाथ हिलाकर अभिवादन कर रहे थे तो उस समय केंद्रीय मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ, रांची के उम्मीदवार सीपी सिंह और हटिया के भाजपा उम्मीदवार नवीन जायसवाल उनकी बगल में बैठे देखे गए। रातू रोड इलाके में लोग अपने घरों की छतों पर खुशी से चिल्लाते और अपने नेता की एक झलक पाने के लिए धक्का-मुक्की करते हुए देखे गए। इसके साथ ही आदिवासी लोगों ने बैंड पार्टियों के साथ सड़क पर संगीत वाद्ययंत्र बजाए। बहुत से लोग भाजपा के झंडे थामे हुए थे। कई जगहों पर महिलाएं केसरियां रंग की साड़ी पहने दिखीं और उन्होंने कमल का बैज लगाया हुआ था। कई महिलाओं ने दीप जलाए, शंख बजाए, प्रधानमंत्री के लिए आरती की तथा अपने घरों को रंगीन बल्ब, फूलों और दीयों से सजाया। कई महिलाएं प्रधानमंत्री के समर्थन में नारे लिखी तख्तियां और बैनर लेकर खड़ी थीं जबकि अन्य ने मंदिर की तस्वीरों के साथ अयोध्या राम मंदिर की प्रतिकृतियां पकड़ी हुई थीं। भाजपा नेता ने कहा, रोड शो के मद्देनजर कई महिलाओं ने उपवास रखा। रातू की 44 वर्षीय रेखा देवी ने कहा, मैंने आज इस रैली के लिए उपवास रखा। मैं अपने नेता की एक झलक पाने के बाद उपवास तोड़ूंगी। उन्होंने महिलाओं के हितों के लिए बहुत काम किए हैं। रांची के संजय सिंह ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि झारखंड में भाजपा सत्ता में आएगी।विवेक ने कहा, जब मैंने रातू रोड पर प्रधानमंत्री मोदी को देखा तो मुझे अपनी आंखों पर यकीन ही नहीं हुआ और यह मेरे के लिए हमेशा यादगार रहेगा। रोड शो से पहले प्रधानमंत्री ने दो रैलियों को संबोधित किया जिनमें एक बोकारो और दूसरी गुमला में हुई। रैलियों में उन्होंने राज्य के सर्वांगीण विकास का वादा किया और सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार पर भ्रष्टाचार, लूट और लोगों पर अत्याचार के आरोप लगाते हुए निशाना साधा। रोड शो के मद्देनजर रांची में सुबह छह बजे से रात 11 बजे तक निषेधाज्ञा लागू की गई है। साथ ही, अपराह्न दो बजे से रात आठ बजे तक राज्य की राजधानी में सभी छोटे और बड़े मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है।

भाजपा नफरत फैला रही, झारखंड विधानसभा चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए है : तेजस्वी

चतरा (झारखंड)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को भाजपा पर समाज में नफरत फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के बाद झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार बनेगी, जबकि अगले साल बिहार में राजद नीत गठबंधन सत्ता में आएगा। चतरा जिले के हंटरगंज में एक रैली को संबोधित करते हुए यादव ने आरोप लगाया, भाजपा समाज में नफरत फैलाती है और जनादेश का अपमान करती है। झारखंड में यह चुनाव देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए है। उन्होंने कहा कि झारखंड के लोगों ने 2019 में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को वोट दिया था, लेकिन भाजपा ने सरकार गिराने की साजिश रची। राजद नेता ने दावा किया, जब वे सफल नहीं हुए, तो उन्होंने आदिवासी समुदाय से आने वाले सोरेन को जेल में डाल दिया। यादव ने आरोप लगाया, भाजपा विधायकों को खरीदने का प्रयास करती है। जो लोग बिकना नहीं चाहते, उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के माध्यम से धमकाया जाता है। बिहार में, उन्होंने (भाजपा ने) हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाईजैक कर लिया।

न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ प्रधान न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त

नई दिल्ली।(भाषा) न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ का भारत के 50वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में कार्यकाल रविवार को पूरा हो गया। दो साल के कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसले दिए और महत्वपूर्ण सुधार किए तथा भारतीय न्यायिक इतिहास में एक अनूठी विरासत स्थापित की। उन्होंने अयोध्या भूमि विवाद, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और सहमति से बनाए गए समलैंगिक यौन संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने जैसे कई ऐतिहासिक फैसले दिए जिन्होंने समाज और राजनीति को आकार दिया। वह उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में अपने आठ साल के कार्यकाल के दौरान 38 संविधान पीठों का हिस्सा रहे। उच्चतम न्यायालय में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने 500 से अधिक फैसले सुनाए, जिनमें से कुछ का समाज और कानूनी क्षेत्र पर व्यापक प्रभाव पड़ा। भारत के 50वें प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को कई सारगर्भित बयानों के लिए भी जाना जाता है। न केवल न्यायिक पक्ष में बल्कि प्रशासनिक पक्ष में भी सीजेआई चंद्रचूड़ ने न्यायपालिका में विभिन्न सुधारों का नेतृत्व करते हुए अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने न्यायालयों को आम आदमी के लिए सुलभ और दिव्यांगों के अनुकूल बनाने को लेकर उच्चतम न्यायालय के सुगमता ऑडिट का आदेश दिया। चंद्रचूड़ की विरासत का एक भौतिक स्वरूप भी है-एक नई कल्पना के अनुरूप न्याय की देवी। पहले, न्याय की देवी यूनानी परिधान में हुआ करती थी, जिसकी आंखों पर पट्टी बंधी थी। उसकी जगह छह फुट ऊंची नई प्रतिमा स्थापित की गई, जिसके एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में तलवार की जगह संविधान है। साड़ी पहनी हुई न्याय की देवी की नई प्रतिमा के सिर पर मुकुट है और आंखों पर पट्टी नहीं बंधी हुई है। उन्होंने न्यायालय के ग्रीष्मकालीन अवकाश को आंशिक न्यायालय कार्य दिवस के रूप में नया नाम दिया। ग्रीष्मकालीन अवकाश की इस बात को लेकर आलोचना की जा रही थी कि शीर्ष अदालत के न्यायाधीश लंबी छुट्टी पर रहते हैं। निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश के पिता वाई वी चंद्रचूड़ भी प्रधान न्यायाधीश (1978 से 1985) रहे थे, जो इस पद पर सबसे लंबा कार्यकाल था। यह उच्चतम न्यायालय में सर्वोच्च पद पर पिता और पुत्र के आसीन रहने का एकमात्र उदाहरण है।

दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज एवं दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कैंपस लॉ सेंटर से पढ़ाई करने वाले तथा फिर हार्वर्ड लॉ स्कूल से एलएलएम और डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने वाले डी वाई चंद्रचूड़ नौ नवंबर 2022 को प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किए गए थे। उनके द्वारा लिखे गए फैसलों की फेहरिस्त लंबी है और इसमें कानून के लगभग सभी पहलू शामिल हैं। उनके द्वारा सुनाए गए फैसलों में व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा और न्याय प्रदान करने के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता स्थापित करना, निजता को शामिल करने के लिए मौलिक अधिकारों के दायरे का विस्तार करना और चुनावी बॉण्ड योजना को अमान्य करना शामिल है।

वह पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा सुनाए गए उस ऐतिहासिक फैसले का हिस्सा थे, जिसने पैसिव यूथेंसिया के लिए, असाध्य रोगों से पीड़ित मरीज द्वारा तैयार लिविंग विल को मान्यता दी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ कई संविधान पीठों का हिस्सा रहे और उन्होंने अयोध्या भूमि विवाद सहित कई ऐतिहासिक फैसले लिखे। उन्होंने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद मामले में, 2019 में आया सर्वसम्मति वाला फैसला लिखा था। अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में (निवर्तमान) प्रधान न्यायाधीश ने एक सार्वजनिक समारोह में यह कहकर एक और विवाद खड़ा कर दिया कि वह ध्रुवीकरण विवाद के समाधान के लिए देवता से प्रार्थना करते हैं।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का आरोपी बहराइच के नानपारा से गिरफ्तार चार अन्य भी पकड़े गए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) और मुंबई अपराध शाखा की संयुक्त टीम ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में कथित मुख्य शूटर और चार अन्य को बहराइच जिले के नानपारा से गिरफ्तार कर लिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। बाबा सिद्दीकी (66) को मुंबई में बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके बेटे एवं विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर 12 अक्टूबर की रात को तीन लोगों ने गोली मार दी थी। उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उप्र पुलिस के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था व एसटीएफ) अमिताभ यश ने रविवार को पत्रकारों को बताया कि बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में शूटर शिवकुमार को एसटीएफ उत्तर प्रदेश व मुंबई अपराध शाखा की संयुक्त कार्यवाही में आज बहराइच जिले के नानपारा से गिरफ्तार किया गया है। यश ने बताया कि अभियुक्त शिवकुमार नेपाल भागने की फिराक में था। एडीजी यश ने बताया कि शिवकुमार को शरण देने व नेपाल भागने में मदद करने के आरोप में अनुराग कश्यप, ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, आकाश श्रीवास्तव व अखिलेंद्र प्रताप सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि उन्होंने सिद्दीकी की हत्या के मामले में उत्तर प्रदेश से शूटर और दो अन्य को गिरफ्तार कर लिया है तथा तीनों को मुंबई लाया जा रहा है।

उप्र में कांवड़ मार्ग के निर्माण के लिए 17,600 पेड़ काटे गए: समिति ने एनजीटी से कहा

नई दिल्ली। (भाषा) राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को एक तथ्यान्वेषी समिति द्वारा सूचित किया गया है कि आगामी कांवड़ यात्रा मार्ग बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के तीन जिलों में 17,600 से अधिक पेड़ काटे गए हैं। अधिकरण गाजियाबाद के मुरादनगर और मुजफ्फरनगर के पुरकाजी के बीच प्रस्तावित मार्ग के लिए गाजियाबाद, मेरठ और मुजफ्फरनगर के तीन वन प्रभागों के संरक्षित वन क्षेत्र में एक लाख से अधिक पेड़ों और झाड़ियों की कथित कटाई से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रहा है। छह नवंबर को दिए गए आदेश में एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने कहा कि तथ्यों का पता लगाने के लिए पहले गठित एक संयुक्त समिति ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंप दी है। समिति में भारतीय वन सर्वेक्षण के निदेशक, केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक, राज्य के मुख्य सचिव या उनके प्रतिनिधि और मेरठ के जिलाधिकारी शामिल थे। पीठ ने कहा, अंतरिम रिपोर्ट में कहा गया है कि सिंचाई विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, नौ अगस्त, 2024 तक तीनों जिलों में 17,607 पेड़ काटे जा चुके हैं। पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल भी शामिल हैं। अधिकरण ने कहा कि।,12,722 पेड़ों को काटने की अनुमति दी गई थी, लेकिन बाद में केवल 33,776 पेड़ों को काटने का निर्णय लिया गया। इसने कहा, उत्तर प्रदेश राज्य को यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया जाता है कि काटे जाने वाले पेड़ों की संख्या की गणना क्या उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार की गई है। अधिकरण ने राज्य के पर्यावरण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को दो सप्ताह के भीतर एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें मार्ग के निर्माण के दौरान काटे जाने वाले पेड़ों की संख्या बताई जाए। उसने कहा कि यह भी स्पष्ट किया जाए कि क्या पेड़ों की कटाई 15 से 20 मीटर की चौड़ाई से अधिक दायरे में की गई है और यदि हां, तो इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति कौन है। अधिकरण ने कहा, सार्वजनिक परियोजना से संबंधित मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, संयुक्त समिति से अपेक्षा की जाती है कि वह निर्देशानुसार, शीघ्रता से कार्य पूरा करे और बिना किसी देरी के अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करे। धिकरण ने नहरों के दोनों ओर काटे गए पेड़ों की सीमा का पता लगाने के लिए ड्रोन सर्वेक्षण करने के बारे में 16 अक्टूबर को महासर्वेक्षक के पहले के बयान का भी उल्लेख किया। हालांकि, इसने कहा, भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट से वह जानकारी एकत्र नहीं की जा सकती। इसलिए, हम महासर्वेक्षक, भारतीय सर्वेक्षण विभाग को वर्ष 2024 (अक्टूबर 2024 तक) के लिए विचाराधीन खंडों की उपग्रह तस्वीर प्राप्त करने और विचाराधीन खंडों में 2023 में मौजूद पेड़ों और अक्टूबर 2024 तक काटे गए पेड़ों की तुलनात्मक स्थिति दिखाते हुए एक नई रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हैं।

एक साल के एरियर के साथ दिया जाए नोशनल इंक्रीमेंट: ट्रिब्यूनल

प्रयागराज। केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल प्रयागराज ने याची को एक साल का नोशनल इंक्रीमेंट एक जुलाई को मिलने वाले वेतन वृद्धि देने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव जोशी ने फर्रुखाबाद निवासी सत्यराम और अलीगढ़ निवासी सतीश बाबू के वादों को स्वीकार करते हुए दिया है। सत्य राम 30 जून 2009 को और सतीश बाबू 30 जून 2020 को रेलवे से सेवानिवृत्त हुए। इस दौरान दोनों सेवानिवृत्त कर्मियों को एक जुलाई को मिलने वाले वेतन वृद्धि का लाभ नहीं दिया गया। संबंधित अधिकारियों के समक्ष अभ्यावेदन देकर वेतन वृद्धि व ब्याज सहित बकाया राशि भुगतान करने की मांग रखी। इस पर कोई विचार न किए जाने पर केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल में वाद दाखिल किया। याची अधिवक्ता शशिधर द्विवेदी ने न्यायिक फैसलों के हवाले के साथ बहस की है कि याची एक वेतन वृद्धि ब्याज सहित बकाया राशि पाने का हकदार है। केंद्र सरकार के अधिवक्ता चक्रपाणि वास्त्यायन ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी किया है। जिसके तहत एक साल की वेतन वृद्धि दी जाएगी।

निजी हित साधने को दाखिल जनहित याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निजी जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग में दाखिल याचिका खारिज होने के बाद सोसायटी के नाम उसी समान जनहित पयाचिका दाखिल करने को प्रक्रिया का दुरूपयोग करार दिया है और याची सोसायटी की जनहित याचिका 25 हजार रुपए हर्जाने के साथ खारिज कर दी है और हर्जाना राशि चार हफ्ते में महानिबंधक कार्यालय में जमा न करने की दशा में वसूली कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली तथा न्यायमूर्ति विकास बुधवार की खंडपीठ ने संपूर्ण जन कल्याण समिति की जनहित याचिका पर दिया है।

पेज 1 का शेष

बांग्लादेश...

एजेंसियों के लिए एक वैश्विक अनुरोध है कि वे प्रत्यर्पण, आत्मसमर्पण या इसी तरह की कानूनी कार्रवाई के लंबित रहने तक व्यक्ति का पता लगाएं और उसे अस्थाई रूप से गिरफ्तार करें। इंटरपोल के सदस्य देश अपने राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार रेड नोटिस लागू करते हैं। आईसीटी का गठन मूल रूप से हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार ने 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों के अपराधियों पर मुकदमा चलाने के लिए मार्च 2010 में किया था। बाद में इसने आईसीटी-2 का गठन किया और दोनों न्यायाधिकरणों के निर्णयों के बाद कम से कम छह जमात-ए-इस्लामी और हसीना की कट्टर प्रतिद्वंद्वी खालिदा जिया की बीएनपी पार्टी के नेताओं को फांसी दी गई। इसके अध्यक्ष के सेवानिवृत्त होने के बाद जून के मध्य से न्यायाधिकरण निष्क्रिय हो गया। अंतरिम सरकार ने 12 अक्टूबर को न्यायाधिकरण का पुनर्गठन किया।

जस्टिस...

और उन्हें शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों, वकीलों और कर्मचारियों द्वारा शानदार विदाई दी गई। यह न्यायमूर्ति खन्ना की अगुवाई वाली पीठ थी, जिसने पहली बार, तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल को आबकारी नीति घोटाला मामलों में लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए 1 जून तक अंतरिम जमानत दी थी। 14 मई, 1960 को जन्मे, उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर में कानून की पढ़ाई की। उन्होंने 1983 में दिल्ली बार काउंसिल में एक वकील के रूप में नामांकन कराया और शुरुआत में यहां तीस हजारी परिसर में जिला न्यायालयों और बाद में दिल्ली उच्च न्यायालय में अभ्यास किया। उन्होंने आयकर विभाग के वरिष्ठ स्थायी वकील के रूप में लंबा कार्यकाल बिताया। 2004 में, उन्हें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए स्थायी वकील (सिविल) के रूप में नियुक्त किया गया था। न्यायमूर्ति खन्ना ने दिल्ली उच्च न्यायालय में अतिरिक्त सरकारी अभियोजक और न्यायमित्र के रूप में भी कई आपराधिक मामलों में बहस की थी।

वक्फ..

पैनल की रिपोर्ट सौंपने की कोई 'तत्काल आवश्यकता' नहीं है। विपक्षी सदस्यों ने बिरला को लिखे अपने पत्रों में दौरे पर निराशा और आश्चर्य व्यक्त किया है, उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में उनकी बैठक में केवल पांच सदस्य थे, जो कि कोरम से भी बहुत कम है। उन्होंने दौरे का बहिष्कार किया है। सूत्रों ने बताया कि स्पीकर को पत्र लिखने वालों में डीएमके के ए राजा, कांग्रेस के मोहम्मद जावेद और टीएमसी के कल्याण बनर्जी शामिल हैं। पाल ने कहा कि समिति के अध्यक्ष के रूप में वह विपक्षी सांसदों के बहिष्कार के बारे में अच्छा महसूस नहीं कर रहे हैं, जो दक्षिणी राज्यों में इसके पहले के अध्ययन दौरे का हिस्सा थे, उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य अधिकतम हितधारकों के विचारों को दर्ज करना है, क्योंकि उनमें से कई दिल्ली नहीं आ सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी सांसदों ने स्पीकर को लिखे अपने पत्र में कहा कि उनसे मिलने के बाद उन्हें विश्वास हो गया कि समिति की बैठकें अब सप्ताह में एक दिन या पखवाड़े में लगातार दो दिन होंगी, ताकि उन्हें इसकी बैठकों में प्रस्तुत किए गए सुझावों को तैयार करने और उनका अध्ययन करने का मौका मिल सके। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद की एक किरण मिली है कि उनकी शिकायतों का समाधान किया जाएगा। हालांकि, पाल ने उनके निराशा और आश्चर्य के बावजूद दौरा जारी रखा। यह तीसरा समन्वित संचार है जो इन सांसदों ने बिरला को भेजा है, जिसमें पाल के कामकाज के तरीके को निशाना बनाया गया है। 9 नवंबर को विपक्षी सांसदों द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है, 'हम यह बताना चाहते हैं कि जेपीसी के अध्यक्ष ने संवैधानिक नैतिकता और सुस्थापित संसदीय प्रथाओं का पूर्ण उल्लंघन करते हुए कार्यवाही को मजाक में बदल दिया है।' विपक्षी सांसदों के आरोप पर निराशा व्यक्त करते हुए पाल ने दावा किया कि उनसे बड़ा कोई लोकतंत्रवादी नहीं है क्योंकि उन्होंने बताया कि उन्होंने बार-बार उन्हें अपनी बैठकों में जितने मुद्दे उठाने और जितने सवाल पूछने की अनुमति दी है, उतनी ही अनुमति दी है। उन्होंने कहा, असदुद्दीन ओवैसी (एआईएमआईएम) से पूछिए, जो बहुत तैयारी के साथ समिति की बैठकों में भाग लेते हैं। मैंने हमेशा उन्हें अपनी बात रखने की अनुमति दी है। या फिर चाहे वह सैयद नसीर हुसैन (कांग्रेस) हों या कल्याण बनर्जी (टीएमसी)। अध्ययन दौरे का बहिष्कार करने का कोई मतलब नहीं है, जिसमें हम केवल हितधारकों के विचारों को दर्ज करते हैं।

कहीं दाढ़ी..

ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. राजन्ना ने कहा कि छात्रों द्वारा कॉलेज प्रबंधन के निर्देशों का पालन करने के लिए सहमत होने के बाद यह मुद्दा सौहार्दपूर्ण ढंग से हल हो गया। कॉलेज में लगभग 40 कश्मीरी छात्र हैं जिन्होंने आरोप लगाया कि वे 'महत्वपूर्ण चुनौतियों' का सामना कर रहे हैं। उन्होंने श्रीनगर स्थित जम्मू-कश्मीर छात्र संघ को अपनी चिंताओं से अवगत कराया। संघ ने कहा, 'यह हमारे संज्ञान में आया है कि कॉलेज में दो दर्जन से अधिक कश्मीरी छात्र अपनी व्यक्तिगत उपस्थिति से संबंधित प्रतिबंधात्मक नीतियों के कारण महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।' एसोसिएशन ने सीएम को लिखा कि कॉलेज प्रशासन कथित तौर पर कश्मीरी छात्रों को कॉलेज की गतिविधियों में भाग लेने या परिसर में प्रवेश करने से पहले अपनी दाढ़ी को 01 ट्रिमर लंबाई तक छोटा करने या साफ-सुथरा होने के लिए मजबूर कर रहा है, खासकर नैदानिक कार्यों के लिए। जिन छात्रों की दाढ़ी है, उन्हें नैदानिक कार्यों के दौरान अनुपस्थित चिह्नित किया जा रहा है, जिससे उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड और उपस्थिति प्रभावित हो रही है। इसमें कहा गया है, किसी भी छात्र को इस तरह के भेदभाव का सामना नहीं करना चाहिए या शिक्षा प्राप्त करने के लिए अपनी मान्यताओं और प्रथाओं से समझौता करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। इस तरह की हरकतें न केवल इन छात्रों के अधिकारों का उल्लंघन करती हैं, बल्कि भय और बहिष्कार का माहौल भी बनाती हैं, जो शिक्षा और लोकतंत्र की भावना के लिए हानिकारक है। हालांकि, डॉ. राजन्ना ने एसोसिएशन के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, इन छात्रों ने गंदे कपड़े पहनने और लंबी दाढ़ी रखने के बारे में दिए गए निर्देश को गलत समझा है। नैदानिक प्रक्रिया के दौरान उन्हें अपने कपड़े साफ रखने और दाढ़ी को ट्रिम करने का निर्देश दिया गया था। राजन्ना ने कहा कि जब उन्हें इस मुद्दे के बारे में पता चला, तो उन्होंने छात्रों से चर्चा की, जो बाद में साफ-सुथरे कपड़े पहनकर आने, समय पर आने और दाढ़ी को ट्रिम रखने के लिए सहमत हुए। उन्होंने बताया, अब यह मुद्दा सुलझ गया है।

48 लाख..

सेवा क्षेत्र में, व्यय संभवत: बैंक्वेट हॉल, होटल और आयोजन स्थल (पांच प्रतिशत), इवेंट मैनेजमेंट (तीन प्रतिशत), टेंट सजावट (10 प्रतिशत), खानपान सेवाएं (10 प्रतिशत), फूलों की सजावट (चार प्रतिशत), परिवहन और कैब सेवाएं (तीन प्रतिशत), फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी (दो प्रतिशत), ऑर्केस्ट्रा और संगीत (तीन प्रतिशत), प्रकाश और ध्वनि (तीन प्रतिशत), और अन्य सेवाओं (सात प्रतिशत) पर जाएगा। निवेश बैंकिंग और पूंजी बाजार फर्म जेफरीज की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय विवाह उद्योग 130 अरब अमेरिकी डॉलर का है और खाद्य और किराने के सामान के बाद दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक औसत भारतीय परिवार एक शादी पर 12 लाख रुपये खर्च करता है, जो उनकी वार्षिक आय चार लाख रुपये से तीन गुना अधिक है। इसके विपरीत, वे अपने बच्चे की 18 साल की शिक्षा (प्रीस्कूल से ग्रेजुएशन तक) पर केवल 6 लाख रुपये खर्च करते हैं। शादी के खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा आभूषणों पर जाता है, जो लगभग 25 फीसदी है, इसके बाद खानपान पर 20 फीसदी और आयोजनों पर 15 फीसदी खर्च होता है। कैट की वेद एवं आध्यात्मिक समिति के संयोजक आचार्य दुर्गेश तारे के अनुसार, इस सीजन के लिए शुभ तिथियां 12, 13, 17, 18, 22, 23, 25, 26, 28 और 29 नवंबर तथा 4, 5, 9, 10, 11, 14, 15 और 16 दिसंबर को हैं। इस अवधि के बाद, सीजन के फिर से शुरू होने से पहले जनवरी के मध्य से मार्च 2025 तक लगभग एक महीने का विराम रहेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय विवाह उद्योग कैटरर्स, डेकोरेटर, फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर, मेकअप आर्टिस्ट, वेडिंग प्लानर और संगीतकारों सहित लगभग 1 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है। खंडेलवाल ने कहा कि अध्ययन ने उपभोक्ता खरीद व्यवहार में बदलाव को भी उजागर किया है, जिसमें लोग विदेशी वस्तुओं की तुलना में भारतीय उत्पादों को अधिक पसंद कर रहे हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' विजन की सफलता को दर्शाता है।

बाला साहेब और सावरकर का अपमान करने वालों का साथ दे रहे हैं उद्धवः शाह

भाषा। मुंबई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे उस कांग्रेस का साथ दे रहे हैं जिसके नेताओं ने बालासाहेब ठाकरे और हिंदुत्व की विचारधारा वाले विचारक वीर सावरकर का अपमान किया है। शाह ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी करने के बाद यह बात कही। शाह ने कहा कि उनकी पार्टी देश में धर्म आधारित आरक्षण की अनुमति नहीं देगी। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) (जिसमें शिवसेना, कांग्रेस और शरद पवार की राकांपा शामिल है) की कोई विश्वसनीयता नहीं है। उन्होंने कहा, महा विकास आघाडी का भरोसा पाताल से नीचे चला गया है। इसकी कोई विश्वसनीयता नहीं है। शाह ने कहा कि महायुति (जिसमें भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राकांपा शामिल है) को एमवीए से चुनौती मिल रही है। एमवीए के वादे विचारधारा का अपमान करते हैं और तुष्टिकरण को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने शासन वाले राज्यों में चुनाव पूर्व किए गए वादों से मुकर गई है और महा विकास आघाडी की कोई विश्वसनीयता नहीं है। उन्होंने कहा, मैं उद्धव ठाकरे से पूछना चाहता हूं कि क्या वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी से वीर सावरकर के लिए दो अच्छे शब्द कहने का अनुरोध कर सकते हैं। शाह ने कहा, क्या कांग्रेस का कोई नेता बालासाहेब ठाकरे के सम्मान में कुछ शब्द कह सकता है। उन्होंने कहा, अच्छा होगा कि महाराष्ट्र के लोग उन लोगों को जान लें जो ऐसे विरोधाभासों के बीच गठबंधन सरकार बनाने का सपना लेकर आए हैं। शाह ने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा, उलेमाओं के एक संगठन ने अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण की मांग की है और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने इस पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा, मैं उद्धव ठाकरे से कहना चाहता हूं कि आप उन लोगों के साथ बैठे हैं जो राम मंदिर, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, समान नागरिक संहिता, वक्फ बोर्ड संशोधन का विरोध करते हैं और सावरकर को बुरा भला कहते हैं। शाह ने कहा कि यदि वक्फ बोर्ड संशोधन नहीं किया जाता तो वह आपकी संपत्ति को अपना घोषित कर सकता है। शाह ने कहा, क्या महाराष्ट्र के लोग अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए निर्धारित आरक्षण का अधिकार मुसलमानों को देने के पक्ष में हैं? उन्होंने कहा, हमारे संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का प्रावधान नहीं है। फिर भी कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले आरक्षण का वादा किया, लोगों को इस मुद्दे पर संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 (जो जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करता था) को निरस्त करने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री (उमर अब्दुल्ला) ने डॉ. बी आर आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान की शपथ ली। शाह ने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्थर की लकीर हैं।

एमवीए तुष्टिकरण की राजनीति के लिए किसी हद तक गिर सकता है, पटोले मुस्लिम कोटे की मांग से सहमत

जलगांव-बुलढाणा। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नीत महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले उलेमा काउंसिल की मुस्लिम आरक्षण की मांग से सहमत है। शाह ने जलगांव जिले के रावेर विधानसभा क्षेत्र और बुलढाणा के मल्कापुर विधानसभा क्षेत्र में रैलियों को संबोधित करने के दौरान यह बात कही। इस दौरान उन्होंने उलेमा संघ द्वारा विपक्षी कांग्रेस को हाल ही में सौंपे गए एक ज्ञापन की ओर इंगित किया, जिसमें मुस्लिम समुदाय के लिए नौकरियों और शिक्षा में 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग की गई है। उन्होंने कहा, पटोले अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण खत्म करने और उलेमा काउंसिल की मांग के अनुसार इसे मुसलमानों को देने पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने रैली में कहा कि मुस्लिम समुदाय के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग से दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लाभ प्रभावित होंगे, क्योंकि कोटे पर 50 प्रतिशत की सीमा है और कोई भी वृद्धि मौजूदा आरक्षण की कीमत पर होगी। महा विकास आघाडी के नेताओं की सत्ता की लालसा ने उन्हें हाशिए के समुदायों पर उनके कार्यों के दीर्घकालिक परिणामों के प्रति अंधा कर दिया है। भाजपा सभी समुदायों के कल्याण के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है, लेकिन मुसलमानों के लिए किसी भी प्रकार के आरक्षण के सख्त खिलाफ है। जब तक भाजपा का एक भी सांसद या विधायक रहेगा, हम धर्म आधारित आरक्षण का विरोध करेंगे, यह हमारी प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा, एमवीए के दलों ने अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के कारण देश की सुरक्षा से समझौता किया है। वे वोटों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर कर रहे हैं। कांग्रेस और राकांपा (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार की आलोचना करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने दशकों तक राम मंदिर के निर्माण का विरोध किया। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही इस मुद्दे का समाधान अयोध्या में एक भव्य मंदिर के निर्माण के साथ हुआ। शाह ने कहा कि राज्य के लिए भाजपा का दृष्टिकोण छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि महायुति महाराष्ट्र की संस्कृति और समृद्धि के संरक्षण पर केंद्रित सरकार का वादा करती है। शाह ने शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को चुनौती दी कि वह महा विकास आघाडी की सहयोगी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर और शिव सेना संस्थापक बाल ठाकरे की तारीफ करवाकर दिखाएं। शाह ने दावा किया कि 2019 और जून 2022 के बीच शासन करने वाली उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार के तहत महाराष्ट्र ने औद्योगिक विकास में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त खो दी और राज्य चौथे स्थान पर आ गया। उद्योगों के महाराष्ट्र छोड़ने और नए उद्योगों के नहीं आने के दावे को लेकर उन्होंने विपक्षी दलों की आलोचना की। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि एमवीए राज्य के लिए कुछ भी अच्छा नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि पिछली कांग्रेस नीत केंद्र सरकार के तहत आतंकी हमलों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई, जबकि राजग सरकार ने सीमा पार शिविरों पर सर्जिकल स्ट्राइक करने का आदेश दिया।

उप राज्यपाल ने किश्तवाड़ मुठभेड़ में शहीद जेसीओ को श्रद्धांजलि दी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाज मनोज सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश के किश्तवाड़ जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में रविवार को शहीद हुए जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) को श्रद्धांजलि अर्पित की। केशवान के जंगलों में हुई मुठभेड़ में तीन अन्य सैनिक घायल हुए है। यह मुठभेड़ तब हुई जब सेना और पुलिस के संयुक्त तलाशी दल ने हाल ही में दो ग्राम रक्षा रक्षकों की हत्या के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों की घेराबंदी की। सिन्हा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, मैं सेना के वीर जवान राकेश कुमार के साहस और सर्वोच्च बलिदान को सलाम करता हूं। उन्होंने किश्तवाड़ में कर्तव्य निर्वहन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा।

बजाज फिन्सर्व कंजम्पशन फंड किया लॉन्च

मुंबई। बजाज फिन्सर्व एएमसी ने कंजम्प्शन थीम के अंतर्गत एक ओपन एंडेड इक्विटी स्कीम, बजाज फिन्सर्व 'कंजम्प्शन फंड शुरू करने की घोषणा की है। यह फंड सब्सक्रिप्शन के लिए 8 नवंबर को खुला और इसकी न्यू फंड ऑफर अवधि 22 नवंबर 2024 को समाप्त होगी। लॉन्च पर बोलते हुए बजाज फिन्सर्व एएमसी के सीईओ गणेश मोहन कहते हैं आय के स्तर और शहरीकरण में वृद्धि तथा लोगों के बुनियादी से विवेकाधीन खर्च की तरफ रुझानों के कारण भारत का उपभोग परिदृश्य नाटकीय रूप से बदल रहा है। एक थीम के रूप में उपभोग,क्षेत्र निवेश के अनुकूल है क्योंकि व्यापक बाजारों की तुलना में इसके बुनियादी सिद्धांत मजबूत हैं। बजाज फिन्सर्व एएमसी के मुख्य निवेश अधिकारी निमेश चंदन कहते हैं बदलती जनसांख्यिकी और बढ़ती आय के स्तर देश को अधिक, अच्छी तरह, बेहतर और आसानी से उपभोग करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। एक तरफ जहां बाजार ने पिछले 2 वर्षों में अर्थव्यवस्था के पूंजीगत व्यय पक्ष पर ध्यान केंद्रित किया है, उपभोक्ता क्षेत्र ने अपने स्वयं के ऐतिहासिक मूल्यांकन के साथ-साथ व्यापक बाजारों के प्रीमियम की तुलना में आकर्षक मूल्यांकन किया है।

पंजाब में पराली जलाने के 345 नए मामले दर्ज किए गए

चंडीगढ़। पंजाब में रविवार को पराली जलाने के 345 मामले सामने आए जिनमें से सबसे अधिक 116 घटनाएं संगरूर जिले में दर्ज की गईं। इसी के साथ खरीफ फसल की कटाई के बाद से अब तक राज्य मे पराली जलाने के 6,600 से अधिक मामले सामने आ चुके है। पंजाब दूरसंवेदी केंद्र द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 15 सितंबर से 10 नवंबर तक पंजाब मे पराली जलाने की 6,611 घटनाएं हुई है।जानकारी के मुताबिक रविवार को संगरूर जिले मे पराली जलाने की 116 घटनाएं सामने आईं जबकि मानसा मे 44, फिरोजपुर में 26, मोगा और फरीदकोट में 24-24 तथा मुक्तसर मे पराली जलाने की 20 घटनाएं दर्ज की गईं।

राकांपा (एसपी) और भाजपा को चुनाव खर्च को लेकर नोटिस जारी किया गया

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र की आष्टी विधानसभा सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवार महबूब शेख और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी सुरेश धास (पार्टी के मौजूदा विधान पार्षद) को चुनाव खर्च को लेकर नोटिस जारी किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। ए दोनों बीड जिले की अष्टी सीट से चुनाव लड़ रहे 17 उम्मीदवारों में शामिल है।क आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, उम्मीदवारों के चुनाव खर्च की जांच के लिए आठ नवंबर को एक बैठक आयोजित की गई थी।

विवाह समारोह में हर्ष फायरिंग के दौरान दुल्हन के सिर में लगी गोली

फिरोजपुर (पंजाब)। जिले के खाई फेमे की गांव के नजदीक रविवार को विवाह समारोह में हर्ष फायरिंग के दौरान एक गोली दुल्हन के सिर में लग गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विवाह समारोह के दौरान कुछ रिश्तेदार हर्ष फायरिंग कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि खाई फेमे की गांव के समीप हाशम टूट गांव निवासी बाज सिंह की बेटी बलजिंदर कौर (23) की शादी तरन तारन जिले के सरहाली कलां गांव निवासी गुरप्रीत सिंह से होनी थी। उसने बताया कि बलजिंदर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां पर उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रधानमंत्री ने आदिवासियों को उनकी धार्मिक पहचान से क्यों वंचित रखाः कांग्रेस

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर झारखंड के बारे में रविवार को सवाल उठाते हुए पूछा कि उन्होंने आदिवासियों को उनकी धार्मिक पहचान से वंचित क्यों रखा और सरना कोड लागू करने से इनकार क्यों किया। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी झारखंड में चुनावी रैलियां कर रहे हैं, इसलिए उन्हें एक भी वोट मांगने से पहले तीन सवालों के जवाब देने चाहिए। उन्होंने एक्स पर सवाल किया कि कोरबा-लोहरदगा और चतरा-गया रेलवे लाइन का क्या हुआ। रमेश ने कहा कि लोहरदगा और चतरा के लोग शिक्षा, रोजगार और व्यापार के अवसरों तक पहुंच में सुधार के लिए वर्षों से बेहतर रेल कनेक्टिविटी की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, मोदी सरकार के सत्ता में आने के दस साल बाद और लोहरदगा से लगातार दो बार भाजपा सांसदों के चुने जाने के बाद भी इस संबंध में विशेष प्रगति नहीं हुई है। अक्टूबर 2022 में, रेल मंत्रालय ने चतरा-गया रेल परियोजना को मंजूरी दी लेकिन दो साल बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई है। रमेश ने कहा, कोरबा-गुमला-लोहरदगा लाइन के लिए लोगों को और कितना इंतजार करना होगा? चतरा-गया लाइन के लिए लोगों को और कितना इंतजार करना होगा? क्या नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री इस आवश्यक परियोजना को पूरा करने के लिए कुछ कर रहे हैं? उन्होंने सवाल किया कि वे इंजीनियरिंग कॉलेज कहां हैं जिनका प्रधानमंत्री ने 2014 में वादा किया था। रमेश ने कहा कि झारखंड में 2014 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान अपने प्रचार अभियान में प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य में एक आईटी संस्थान और इंजीनियरिंग कॉलेजों समेत कई औद्योगिक और शैक्षिक परियोजनाओं का वादा किया था। रमेश ने कहा, लेकिन अब तक केवल दो संस्थान ही स्थापित हुए हैं -एनआईईएलआईटी (राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान) रांची और केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) खूंटी।

गंगा का उद्गम स्थल भी एसटीपी से निकले जल से प्रदूषित हुआ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण को गंगा मे प्रदूषण पर उत्तराखंड सरकार की रिपोर्ट के हवाले से सूचित किया गया कि इस नदी का उद्गम स्थल भी जलमल शोधन संयंत्र (एसटीपी) से छोड़े जा रहे जल से प्रदूषित हो गया है।उत्तराखंड में गंगा में प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण को लेकर अधिकरण में हो रही सुनवाई के दौरान यह जानकारी दी गई। एनजीटी ने पहले राज्य और अन्य से रिपोर्ट तलब की थी। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने सुनवाई में हस्तक्षेप के लिए याचिका दाखिल करने वाले आवेदकों में से एक के वकील की दलीलों पर संज्ञान लिया। उन्होने राज्य सरकार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि गंगोत्री स्थित 10 लाख लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) क्षमता वाले एसटीपी से एकत्र नमूने में सर्वाधिक संभावित संख्या (एमपीएन) 540/100 मिली वाला फिकल कोलीफॉर्म पाया गया था।फिकल कोलीफॉर्म (एफसी) का स्तर मनुष्यों और जानवरों के मलमूत्र से निकलने वाले सूक्ष्मजीवों से होने वाले प्रदूषण को दर्शाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के जल गुणवत्ता मानदंडों के अनुसार,नदी में स्नान करने के लिए जल में 500/100 मिली से कम एमपीएन वांछनीय है।एनजीटी की पीठ द्वारा पांच नवंबर को पारित आदेश मे कहा गया, उन्होने (वकील ने) कहा है कि गंगा नदी का उद्गम स्थल भी एसटीपी द्वारा छोड़े जा रहे जल से प्रदूषित हो गया है। इस पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल भी शामिल थे। अधिकरण अब इस मामले पर अगली सुनवाई 13 फरवरी को करेगा।

मांड्या में दलितों के पहली बार मंदिर में प्रवेश से तनाव

मांड्या। कर्नाटक के मांड्या जिले के एक गांव मे रविवार को उस समय तनाव फैल गया जब जिला प्रशासन ने दलितों को पहली बार कालभैरवेश्वर मंदिर मे प्रवेश और पूजा करने की मंजूरी दे दी।हनाकेरे गांव में रहने वाले ऊंची जाति के लोग दलितों के मंदिर में प्रवेश से नाराज होकर मंदिर मे स्थापित धातु वाली उत्सव मूर्ति को कथित तौर पर अपने साथ ले गए।गांव मे उच्च जाति के ज्यादातर लोग वोक्कालिगा जाति से ताल्लुक रखते है।मौजूदा तनाव को देखते हुए हनाकेरे में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।सूत्रों के अनुसार, गांव में एक पुराना कालभैरवेश्वर स्वामी मंदिर है और दलितो को कभी भी उसमें प्रवेश की अनुमति नही थी। लगभग तीन साल पहले मंदिर के पुराने ढांचे को ध्वस्त कर एक नया मंदिर बनाया गया। हाल ही में, यह मंदिर राज्य सरकार के धार्मिक बंदोबस्ती विभाग के नियंत्रण में आ गया। इसके तुरंत बाद दलितों ने मंदिर में प्रवेश करने का फैसला किया लेकिन उच्च जाति के समुदाय के लोग इस बात पर सहमत नही हुए।दलितों ने अपने साथ हुए भेदभाव की शिकायत जिला प्रशासन से की, जिसके बाद दो शांति बैठकें आयोजित की गईं लेकिन वे विफल रही।रविवार को दलितों ने पुलिस सुरक्षा के बीच मंदिर में प्रवेश किया।इस घटनाक्रम से नाराज ऊंची जाति के लोग उत्सव मूर्ति को अपने साथ ले गए। उनमें से एक को यह कहते हुए सुना जा सकता था, उन्हें (दलितो को) मंदिर रखने दो, हम मूर्ति को अपने साथ ले जाएंगे।

टाटा का महिलाओं, मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर पर ध्यान

मुंबई। भारत में एक प्रमुख सामान्य बीमा प्रदाता, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने आज 60 से अधिक लाभ प्रदान करने वाले पांच नए राइडर्स के लॉन्च की घोषणा कीए जिसका उद्देश्य अपने खुदरा स्वास्थ्य बीमा उत्पादों की लचीलापन और व्यापकता को बढ़ाना है। चूंकि चिकित्सा लागत में वृद्धि जारी है और स्वास्थ्य सेवा की ज़रूरतें विकसित हो रही हैं, इसलिए इन राइडर्स को अनुकूलित सुरक्षा प्रदान करने, उभरती हुई स्वास्थ्य चिंताओं और जीवनशैली में बदलावों को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह लॉन्च अपने ग्राहकों के लिए अभिनव और प्रासंगिक समाधान प्रदान करके स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में विकास को आगे बढ़ाने के लिए टाटा एआईजी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नए राइडर्स मेंटल वेलबीइंग, एम्पावरहर, ओपीडी केयर, कैनकेयर और फ्लेक्सी शील्ड, मानसिक स्वास्थ्यए महिला स्वास्थ्य और कैंसर कवरेज जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं। एम्पावरहर राइडर महिलाओं के व्यापक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों, जैसे बांझपन, पीसीओएस और अन्य स्त्री रोग संबंधी चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि मेंटल वेलबीइंग उद्योग में पहली बार मानसिक स्वास्थ्य निवारक जांच और पुनर्वास कवरेज पेश करता है। कैनकेयर बेहतर कैंसर सुरक्षा प्रदान करता हैए ओपीडी केयर और फ्लेक्सी शील्ड सुनिश्चित करता है कि ग्राहक बढ़ती चिकित्सा लागतों और रोज़मर्रा के स्वास्थ्य खर्चों से सुरक्षित रहें। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष और एजेंसी प्रमुख प्रतीक गुप्ता ने नवाचार और विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, ष्इन नए राइडर्स का लॉन्च स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में विकास को गति देने की हमारी रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संपत्ति सृजनकर्ताओं पर व्यवस्था की मार नहीं पड़नी चाहिएः धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि वाणिज्य और व्यवसाय से जुड़े लोगों पर व्यवस्था की मार नहीं पड़नी चाहिए, क्योंकि वे ही नौकरी और संपत्ति के सृजनकर्ता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक राष्ट्रवाद का सिद्धांत कुछ व्यक्तियों के वित्तीय लाभ से अधिक महत्वपूर्ण है। धनखड़ ने यहां एक निजी शैक्षणिक संस्थान के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, उन्होंने हमेशा इस बात की वकालत की है कि व्यापार, वाणिज्य, उद्योग से जुड़े लोगों पर व्यवस्था की मार नहीं पड़नी चाहिए। उन्हें समाज में सम्मान मिलना चाहिए। उपराष्ट्रपति का मानना है कि यह वर्ग नौकरी और संपत्ति का सृजन करता है और सामाजिक सद्भाव में योगदान देता है। उन्होंने कहा, वे अर्थव्यवस्था के चालक हैं... उन्होंने इस देश में समाज को कुछ वापस देने की कला सीखी है। उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भी उद्यमियों का योगदान रहा है। उपराष्ट्रपति ने आर्थिक राष्ट्रवाद के सिद्धांतों का पालन करने की जरूरत पर भी जोर दिया, और कहा कि अनावश्यक आयात पर अंकुश लगाना चाहिए।

भारत यूरोपीय संघ को ईंधन का सबसे बड़ा निर्यातक बना

भारत के रास्ते यूरोप पहुंच रहा रूसी तेल

भाषा। नई दिल्ली

वर्ष 2024 की पहली तीन तिमाहियों में भारत से यूरोपीय संघ को डीजल जैसे ईंधन का निर्यात 58 प्रतिशत बढ़ गया। एक मासिक निगरानी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ऐसे में माना जा रहा है कि इसमें रूस से आने वाले कच्चे तेल की बड़ी हिस्सेदारी है, जिसे परिष्कृत करके यूरोप भेजा जा रहा है। दिसंबर 2022 में यूरोपीय संघ और जी7 देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाते हुए उसके कच्चे तेल के आयात पर मूल्य सीमा और प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, रूस के कच्चे तेल से बने परिष्कृत ईंधन पर नीति में स्पष्टता की कमी का मतलब था कि प्रतिबंध नहीं लगाने वाले देश बड़ी मात्रा में रूसी कच्चे तेल का आयात कर सकते हैं और उन्हें परिष्कृत उत्पादों में बदलकर प्रतिबंध लगाने वाले देशों को कानूनी रूप से निर्यात कर सकते हैं। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद भारत रूसी कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। देश का रूस से आयात यूक्रेन युद्ध से पहले कुल आयातित तेल के एक प्रतिशत से भी कम था और युद्ध के बाद खरीद बढ़कर लगभग 40 प्रतिशत हो गई है। ऊर्जा और स्वच्छ वायु पर शोध केंद्र (सीआरईए) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि शोधन नियमों में खामियों का लाभ उठाते हुए, भारत अब यूरोपीय संघ को तेल उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 की पहली तीन तिमाहियों में जामनगर, वडिनार (गुजरात) और मैंगलोर रिफाइनरी से यूरोपीय संघ को निर्यात सालाना आधार पर 58 प्रतिशत बढ़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की जामनगर में तेल रिफाइनरियां हैं, जबकि रूस की रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी की वडिनार में एक इकाई है। मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) सरकारी स्वामित्व वाली ओएनजीसी की सहायक कंपनी है।

पूर्वोत्तर में गैस भंडारों की खोज से आयात बिल में कमी आएगीः आईजीएक्स प्रमुख

गुवाहाटी। इंडियन गैस एक्सचेंज (आईजीएक्स) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्राकृतिक गैस भंडारों की खोज और मौद्रीकरण से गैस आयात में कमी लाने में मदद मिलने के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और अधिक व्यापार अवसर प्रदान किए जा सकेंगे। राष्ट्रीय स्तर के पहले स्वचालित गैस एक्सचेंज आईजीएक्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजेश के मेदिरत्ता ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र न केवल देश के अन्य हिस्सों बल्कि पड़ोसी बांग्लादेश को भी अतिरिक्त गैस की आपूर्ति कर सकता है और महत्वपूर्ण राजस्व जुटा सकता है। मेदिरत्ता ने कहा, ैपूर्वोत्तर में प्राकृतिक गैस के उत्पादन की बहुत अधिक क्षमता है। चूंकि पूर्वोत्तर गैस ग्रिड 2026 तक चालू होने की संभावना है, इसलिए मौजूदा उत्पादक 60 लाख मानक घन मीटर प्रतिदिन प्राकृतिक गैस के भंडार का मौद्रीकरण कर सकते हैंै। आईजीएक्स के प्रमुख ने यहां पूर्वोत्तर के लिए गैस बाजार विकास पर एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा, ैपूर्वोत्तर मे गैस उत्पादन बढ़ने से श की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी क्योंकि आईजीएक्स गैस उत्पादकों को अधिशेष गैस को अन्य क्षेत्रों मे बेचने में मदद करेगाै। उन्होंने कहा कि भारत फिलहाल अपनी खपत का लगभग 50 प्रतिशत यानी लगभग 10 करोड़ मानक घन मीटर प्रतिदिन गैस का आयात कर रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रभावी गैस पाइपलाइनों के साथ, मौजूदा पेट्रोलियम कंपनियां 60 लाख मानक घन मीटर प्रतिदिन गैस का पता लगा सकती है। उन्होंने कहा कि इससे लगभग 14,000 करोड़ रुपए की बचत होने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था मे रोजगार और व्यापार के अवसर भी पैदा होंगे।

इंदौर के किसान ने अपने घर के कमरे में बिना मिट्टी के उगाया केसर

भाषा। इंदौर (मध्यप्रदेश)

देश में केसर का उत्पादन खासकर कश्मीर में होता है, लेकिन बर्फीली वादियों वाले इस क्षेत्र से सैकड़ों किलोमीटर दूर इंदौर के एक प्रगतिशील किसान ने एयरोपॉनिक्स पद्धति की मदद से अपने घर के कमरे में बिना मिट्टी के केसर उगाया है। किसान के घर की दूसरी मंजिल के इस कमरे में इन दिनों केसर के बैंगनी रंग के खूबसूरत फूलों की बहार है। नियंत्रित वातावरण वाले कमरे में केसर के पौधे प्लास्टिक की ट्रे में रखे गए हैं। ए ट्रे खड़ी रैक में रखी गई हैं ताकि जगह का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जा सके।केसर उत्पादक अनिल जायसवाल ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया, मैं कुछ साल पहले अपने परिवार के साथ कश्मीर घूमने गया था। वहां पम्पोर में केसर के खेत देखकर मुझे इसके उत्पादन की प्रेरणा मिली। जायसवाल ने बताया कि उन्होंने अपने घर के कमरे में केसर उगाने के लिए एयरोपॉनिक्स तकनीक के उन्नत उपकरणों से तापमान, आर्द्रता, प्रकाश और कार्बन डाइऑक्साइड का नियंत्रित वातावरण तैयार किया ताकि केसर के पौधों को कश्मीर जैसी मुफीद आबो-हवा मिल सके।उन्होंने बताया कि 320 वर्ग फुट के कमरे में केसर की खेती का बुनियादी ढांचा तैयार करने में उन्हें करीब 6.50 लाख रुपए की लागत आई।जायसवाल ने बताया कि उन्होंने केसर के एक टन बीज (बल्ब) कश्मीर के पम्पोर से मंगाए थे और इसके फूलों से वह इस मौसम में 1.50 से दो किलोग्राम केसर प्राप्त करने की उम्मीद कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि चूंकि उनकी उगाई केसर पूरी तरह जैविक है, इसलिए उन्हें उम्मीद है कि घरेलू बाजार में वह अपनी उपज करीब पांच लाख रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर बेच सकेंगे, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उन्हें इसके 8.50 लाख रुपए तक मिल सकेंगे। जायसवाल ने बताया, मैंने अपने घर के कमरे के नियंत्रित वातावरण में केसर के ए बल्ब सितंबर के पहले हफ्ते में रखे थे और अक्टूबर के आखिरी हफ्ते से इन पर फूल खिलने लगे। केसर की खेती में जायसवाल का पूरा परिवार उनका हाथ बंटाता है। यह परिवार केसर के पौधों को गायत्री मंत्र और पक्षियों की चहचहाहट वाला संगीत भी सुनाता है।

धोखाधड़ी वाली कॉल रोकने की प्रणाली ने 2,500 करोड़ रुपए की सार्वजनिक संपत्ति बचाईः सिंधिया

नई दिल्ली। सरकार ने धोखाधड़ी वाली कॉल रोकने के लिए तकनीकी प्रणाली तैनात की है, जो रोजाना ऐसी 1.35 करोड़ कॉल को रोक रही है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इसने अब तक लोगों की 2,500 करोड़ रुपए की संपत्ति बचाने में मदद की है। मंत्री ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि ज्यादातर फर्जी कॉल देश के बाहर के सर्वर से आते हैं, और प्रणाली ऐसी ज्यादातर धोखाधड़ी वाली कॉल को रोकने में सक्षम हैं। सिंधिया ने कहा, आपके फोन पर आने वाली मार्केटिंग कॉल और धोखाधड़ी वाली कॉल से निपटने के लिए हमने एक पूर्ण प्रणाली लागू की है। हमारे दूरसंचार विभाग के धोखाधड़ी का पता लगाने वाले नेटवर्क ने आज संचार साथी और चक्षु के की मदद से लोगों की लगभग 2,500 करोड़ रुपए की संपत्ति बचाई है। इन प्रणालियों के कारण करीब 2.9 लाख फोन नंबर बंद हो गए हैं और करीब 18 लाख हेडर ब्लॉक हो गए हैं, जिनका इस्तेमाल संदेश भेजने के लिए किया जाता था। मंत्री ने कहा कि इसके अलावा ऐसे धोखेबाज जो भारत के बाहर के सर्वर का इस्तेमाल करते थे, लेकिन खुद को ़91 नंबर (भारतीय नंबर) के रूप में पेश करते थे, उनकी पहचान भी की जा रही है। हमने ऐसे सॉफ्टवेयर लगाए हैं जो इन कॉल को रोकते हैं। जो औसतन प्रतिदिन 1.35 करोड़ ऐसे कॉल को ब्लॉक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने एक नया सॉफ्टवेयर गाया है, जिसमें वह कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ ही बैंकों को भी जोड़ रही है। 520 एजेंसियों को इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि मई तक आत्मनिर्भर बीएसएनएल 5जी और अप्रैल तक संतृप्ति योजना के तहत सभी के लिए 4जी शुरू करना उनकी शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है।

कटक सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता की शिकायत लेने से तीन पुलिस थानों ने किया इनकार : बीजद

भुवनेश्वर। ओडिशा मे विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने 19 वर्षीय कॉलेज छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले की जांच के तरीके को लेकर राज्य की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार और पुलिस की रविवार को आलोचना की। बीजद और कांग्रेस का दावा है कि पीड़ित छात्रा को कथित तौर पर अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए तीन पुलिस थानों के चक्कर लगाने पड़े। बीजद और कांग्रेस ने ओडिशा पुलिस को प्रस्तुत अलग-अलग याचिकाओं में आरोप लगाया कि बादामबाड़ी पुलिस थाने द्वारा पीड़िता की प्राथमिकी स्वीकार किए जाने से पहले पीड़िता ने कई पुलिस थानों - पुरी घाट, सदर और बारंग से संपर्क किया था। यह घटना दशहरा उत्सव के दौरान हुई जब पीड़िता अपने पुरुष मित्र के साथ अपना जन्मदिन मनाने के लिए पुरी घाट पुलिस थाना क्षेत्र में एक कैफे मे गई थी। लड़की ने दावा किया कि वह अपना जन्मदिन मनाने के लिए दशहरा पर्व के दौरान अपने प्रेमी के साथ पुरी घाट थाना इलाके मे एक कैफे मे गई थी।

शक्ति पंप्स नें किया शानदार प्रदर्शन

इंदौर। शक्ति पंप्स इंडिया लिमिटेड-एसपीआईएल ने 30 सितंबर 2024 को खत्म होने वाली तिमाही और छः माही के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की।शक्ति पंप्स इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन दिनेश पाटीदार ने कंपनी के हालिया प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हमारी कंपनी ने एक और तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। जिसमें राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि और लाभप्रदता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है। इसने वित्तीय वर्ष की पहली छः माही को भी महत्वपूर्ण बना दिया है। हमारी उपलब्धियाँ डोमेस्टिक और इंटरनेशनल दोनों क्षेत्रों में ऑर्डर के तेज़ एक्सक्यूशन का प्रत्यक्ष परिणाम हैं। प्रॉफ़िट मार्जिन में भी उल्लेखनीय विस्तार देखा गयाए जो मुख्य रूप से इकोनॉमीज ऑफस्केल के साकार होने के कारण हुआ है, जिसे तिमाही के दौरान बढ़ी हुई ऑपरेशनल ऐक्टिविटी द्वारा बेहतर बनाया गया था। हमारे आर्डर का प्रवाह मजबूत बना हुआ है, सितंबर 2024 तिमाही के अंत तकए हमारी कंपनी की बकाया ऑर्डर बुक लगभग 1,800 करोड़ थी। पीएम.कुसुम योजना में अग्रणी स्थिति को देखते हुएए हमें विश्वास है कि हमें भविष्य में भी बड़ी मात्रा में ऑर्डर मिलते रहेंगे, जो हमारे निरंतर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ऑपरेशन से प्राप्त राजस्व 634.6 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो कि वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तिमाही के रु 152.8 करोड़ रुपये से अधिक है। वित्तीय वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में 148.7 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 15.2 करोड़ रुपये से बढ़ा है।

इजराइल के हवाई हमले में 37 की मौत

उत्तरी गाजा में 17 मरे

उत्तरी लेबनान में में 20 लोगों की गई जान : अधिकारी

भाषा। दीर अल बलाह

इजराइल द्वारा रविवार तड़के उत्तरी गाजा के एक शरणार्थी शिविर को निशाना बनाकर किए गए हमले में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। गाजा शहर के अल-अहली अस्पताल के निदेशक डॉ. फदल नईम ने बताया कि मृतकों में नौ महिलाएं शामिल हैं तथा मृतक संख्या बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि जबालिया के शहरी शरणार्थी शिविर पर हुए हमले में इन लोगों की मौत हुई, जहां इजराइल एक महीने से अधिक समय से हमले कर रहा है। सेना ने कहा कि उसने उस जगह को निशाना बनाया, जहां आतंकवादी मौजूद थे, हालांकि उसने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। वहीं लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि देश के उत्तरी हिस्से में हुए इजराइली हवाई हमले में 20 लोगों की मौत हो गई। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि यह हमला बेरूत के उत्तर में स्थित अलमत गांव में हुआ। यह क्षेत्र देश के दक्षिण और पूर्व के उन इलाकों से काफी दूरी पर स्थित है, जहां चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला की मुख्य रूप से मौजूदगी है।

कतर ने मध्यस्थता के अपने प्रयासों पर रोक लगाई

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। कतर ने शनिवार को कहा कि वह गाजा मे संघर्षविराम समझौते पर प्रगति न होने के कारण हमास और इजराइल के बीच मध्यस्थता के अपने महत्वपूर्ण प्रयासो को समाप्त कर रहा है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नही है कि कतर मे रह रहे हमास के शेष नेतृत्व को वहां से जाना होगा या वे कहां जाएंगे। मिस्र के एक अधिकारी के अनुसार, यदि दोनो पक्ष समझौते पर पहुंचने के लिए गंभीर राजनीतिक इच्छा दिखाते है, तो कतर के मध्यस्थता प्रयासो के फिर से शुरू होने की पूरी संभावना है। मामले की जानकारी रखने वाले एक राजनयिक सूत्र ने बताया कि कतर ने इजराइल और हमास से कहा कि वह समझौते पर सद्भावनापूर्वक बातचीत करने से इनकार किए जाने के बीच मध्यस्थता के प्रयास जारी नही रख सकता। सूत्र ने यह भी बताया कि कतर ने हमास से कहा कि यदि वह गंभीर बातचीत मे शामिल होने के लिए तैयार नही है तो उसे कतर छोड़ना होगा। वाशिंगटन मे एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि बाइडन प्रशासन ने दो सप्ताह पहले कतर को सूचित किया था कि दोहा मे हमास कार्यालय का संचालन अब उपयोगी नही है और हमास प्रतिनिधिमंडल को निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमास द्वारा संघर्षविराम के पिछले प्रस्ताव को अस्वीकार किए जाने के बाद कतर ने सलाह स्वीकार कर ली तथा 10 दिन पहले हमास प्रतिनिधिमंडल को इस फैसले के बारे मे सूचित कर दिया। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम कतर के मध्यस्थता प्रयासो को समाप्त करने के फैसले से अवगत थे, लेकिन किसी ने हमे जाने के लिए नही कहा।

सिंगापुर में सामूहिक प्रार्थना सभा के दौरान कैथोलिक पादरी पर चाकू से हमला

भाषा। सिंगापुर

सिंगापुर में एक गिरजाघर में बच्चों द्वारा आयोजित सामूहिक प्रार्थना सभा में एक कैथोलिक पादरी पर चाकू से हमला किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। चैनल न्यूज एशिया की खबर के अनुसार, आर्कडायोसीजन इमरजेंसी रिस्पांस टीम और प्रार्थना सभा में मौजूद लोगों ने 37 वर्षीय हमलावर को पकड़ किया।खबर में कहा गया कि यह हमला शनिवार को मासिक बाल प्रार्थना समारोह के दौरान हुआ जब बच्चे वे कार्य करते हैं जो आमतौर पर वयस्कों द्वारा किए जाते हैं। पुलिस ने बताया कि गिरजाघर के पादरी फादर क्रिस्टोफर ली (57) को शाम की प्रार्थना सभा के दौरान एक व्यक्ति ने चाकू मार दिया जिन्हें नेशनल यूनिवर्सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत स्थिर है।प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने घटना की निंदा की है।वोंग ने फेसबुक पोस्ट में लिखा, सिंगापुर में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। सबसे बढ़कर, हमें अपने पूजा स्थलों की सुरक्षा और पवित्रता को बनाए रखना चाहिए - ऐसे स्थान जहां लोग शांति और संतोष पाने आते हैं। सिंगापुर में कैथोलिक चर्च के प्रमुख कार्डिनल गोह ने कहा कि वह इस बात से स्तब्ध और बेहद दुखी हैं कि ईश्वर के घर में हमारे एक प्रिय पादरी पर उस समय हिंसा की गई जब वह सामूहिक प्रार्थना सभा में थे। विभिन्न धार्मिक संगठनों ने घटना पर दुख व्यक्त किया और कहा कि यहां धर्म के नाम पर हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। आरोपी के खिलाफ सोमवार को अदालती कार्यवाही की जाएगी। दोषी पाए जाने पर उसे 15 साल तक की जेल की सजा हो सकती है, साथ ही जुर्माना या बेंत से मारने की सजा भी सुनाई जा सकती है।

लाहौर के शादमान चौक का नामकरण भगत सिंह के नाम पर करने की योजना रद्द

लाहौर। लाहौर के शादमान चौक का नाम स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के नाम पर रखने और उनकी प्रतिमा स्थापित करने की योजना एक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी तथा लाहौर जिला प्रशासन की राय के बाद रद्द कर दी गई है। पाकिस्तान के पंजाब राज्य की सरकार ने उच्च न्यायालय में यह जानकारी दी। लाहौर उच्च न्यायालय में शुक्रवार को दाखिल जवाब में सहायक महाधिवक्ता अशगर लेघाड़ी ने स्वतंत्रता सेनानी पर गंभीर आरोप लगाए। लाहौर नगर निगम ने लाहौर उच्च न्यायालय में भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी द्वारा दायर अवमानना याचिका के जवाब में कहा, शादमान चौक का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने और वहां उनकी प्रतिमा लगाने की लाहौर नगर जिला सरकार की प्रस्तावित योजना को कमोडोर (सेवानिवृत्त) तारिक मजीद की राय के बाद रद्द कर दिया गया है। सरकार की ओर से दाखिल जवाब में कहा गया कि शादमान चौक का नाम बदल कर सिंह के नाम पर रखने के लिए उसके द्वारा गठित समिति में शामिल मजीद ने अपनी राय देते हुए दावा किया कि सिंह क्रांतिकारी नही बल्कि एक अपराधी थे, आज की परिभाषा के तहत वह एक आतंकवादी थे। उन्होंने एक ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या की थी और इस अपराध के लिए उन्हे दो साथियों के साथ फांसी की सजा दी गई थी। मजीद ने सरकार से सिफारिश की कि शादमान चौक का नाम भगत सिंह चौक न रखा जाए और वहां उनकी प्रतिमा न लगाई जाए।

विद्यार्थियों ने आवामी लीग की रैली को विफल किया

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिराने में अहम भूमिका निभाने वाले एक प्रभावशाली छात्र समूह के सदस्यों ने रविवार को ढाका में आवामी लीग की एक प्रस्तावित रैली को विफल कर दिया। विद्यार्थियो ने पार्टी कार्यकर्ताओ को खदेड़ दिया और उन पर हमला भी किया। अंतरिम सरकार ने शनिवार को कहा था कि वह हसीना की पार्टी को रैली आयोजित करने की अनुमति नही देगी, जिसके एक दिन बाद यह घटनाक्रम हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन और कई अन्य राजनीतिक समूहों के कार्यकर्ता आवामी लीग के केंद्रीय कार्यालय के पास नूर हुसैन छत्तर या जीरो प्वाइंट पर इकट्ठा हुए। पांच अगस्त को हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद से आवामी लीग की इस तरह की यह पहली रैली थी। पुलिस की मौजूदगी मे प्रदर्शनकारियो ने कथित तौर पर कम से कम सात लोगो पर हमला किया, जिन्हें आवामी लीग का कार्यकर्ता बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पुलिस ने आवामी लीग के समर्थको को हिरासत में लिया। समाचार चैनल पर प्रसारित वीडियो मे भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के सदस्यो को हसीना और उनकी पार्टी के खिलाफ नारेबाजी करते और कथित नरसंहार के लिए उन पर मुकदमा चलाने की मांग करते देखा गया।अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीक-उल-आलम ने शनिवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि अंतरिम सरकार देश मे हिसा फैलाने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नही करेगी।

वॉशिंगटन ग्लैडिएटर मे मैक्रिनस की भूमिका से खुश

हालीवुड। डेंज़ल वाशिंगटन जिनकी अदाकारी में गहराई और दमदार उपस्थिति की ताकत है, हर भूमिका को जीवंत बना देते हैं। उनका करिश्माई अंदाज और दृढ़ता से भरा अभिनय स्क्रीन पर ऐसा प्रभाव डालता है कि हर सीन में वह छा जाते हैं। ग्लैडिएटर-2 में वाशिंगटन मैक्रिनस का किरदार निभा रहे हैं जो महत्वाकांक्षा और शक्ति की भूख को दर्शाता है। इस किरदार में वह सत्ता की नई परिभाषा पेश करते हैं, जो दर्शकों को उनकी दुनिया में खींच लेती है। मैक्रिनस के रूप में वह एक ऐसा शख्स बनते हैंए जो न केवल अपने साम्राज्य को खुद स्थापित करता हैए बल्कि अपने खुद के नियम भी तय करता है। इस ऐतिहासिक सीक्वल का हिस्सा बनने के अनुभव के बारे में डेंज़ल वाशिंगटन के विचार क्या हैं। वॉशिंगटन बताते हैं कि मैक्रिनस एक ऐसा व्यक्ति है जो कई भाषाओं में माहिर और रोम का शायद सबसे अमीर इंसान है। वह कहते हैंए आजकल जैसे अमीर लोग घुड़दौड़ के घोड़े पालते हैं मैक्रिनस के पास ग्लैडिएटर्स का पूरा समूह है। जब वह लूसियस को अपने इस समूह में शामिल करता है तो उसके मन में एक बड़ा लक्ष्य होता है। लूसियस एक जन्मजात नेता और महान योद्धा हैं जो उसे मैक्रिनस के लिए कई तरह से महत्वपूर्ण बनाता है। लेकिन क्रोध को वह अपने लिए खतरा मानता हैए क्योंकि यह एक कमजोरी है। मैक्रिनस कभी अपना नियंत्रण नहीं खोना चाहता। वह सम्राट बनने में रुचि नहीं रखताय वह सम्राट को नियंत्रित करना चाहता है। सत्ता उसके लिए एक नशा हैए और एक बार इसका स्वाद चख लेने के बादए वह और भी अधिक चाहता है। उसे वास्तव में किसी की परवाह नहीं होतीए वह सिर्फलोगों का इस्तेमाल करता है। अगर कोई उसे और ज्यादा ताकतवर नहीं बना सकताए तो वह उनमें कोई दिलचस्पी नहीं रखता। वाशिंगटन जो कई पुरस्कार विजेता फिल्मों में काम कर चुके हैं।

विदेशों के बाद सेल्सफोर्स का भारत में विस्तार

इंडियाना पोलिस। एआई टेक्नोलॉजी और कैपेबिलिटीज़ द्वारा पॉवर्ड 1 सीआरएम सेल्सफोर्स ने देश में अपने पहले टॉवर के साथ कंपनी का विस्तार करते हुए सेल्सफोर्स टॉवर बैंगलुरू की घोषणा की। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज़ के पास दर्ज कराई गई कंपनी की रैगुलेटरी फाईलिंग के मुताबिक सेल्सफोर्स इंडिया का राजस्व 31 मार्च को समाप्त हु वर्ष में पिछले साल के मुकाबले 36 प्रतिशत बढ़कर 9116.3 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। सेल्सफोर्स द्वारा भारत में अपनी भौतिक पहुँच बढ़ाने के लिए लगातार निवेश किया जा रहा हैए जिसके अंतर्गत बैंगलुरू में नया सेल्सफोर्स टॉवर शुरू किया जा रहा है। यह सेल्सफोर्स द्वारा सैन फ्रैंसिस्को, न्यू यार्क,शिकागो, लंदन, डुबलिनए सिडनी, टोक्यो, अटलांटा और इंडियाना पोलिस सहित मुख्य शहरों में दस टॉवरों में किए गए निवेश में से एक है। बैंगलुरू में सेल्सफोर्स टॉवर महादेवपुरा में बागमाने कैपिटल में स्थित होगा। इस टॉवर में 12 मंजिल होंगी, जिनमें सहयोग, सस्टेनेबिलिटी और कर्मचारियों के कल्याण पर केंद्रित रहते हुए एक आकर्षक लॉबीए सेल्सफोर्स इनोवेशन सेंटर और कर्मचारियों द्वारा मिलकर काम करने के लिए डिज़ाईन किए गए स्पेस होंगे। यहाँ पर प्रशिक्षण के लिए स्थान होगा जहाँ कर्मचारियों और समुदाय को व्यक्तिगत रूप से एआई अपस्किलिंग के अवसर मिलेंगे। सस्टेनेबिलिटी की ओर सेल्सफोर्स की प्रतिबद्धता के अनुरूप इस भवन को लीड गोल्ड सर्टिफिकेशन द्वारा प्रमाणित किया जाएगा। इस टॉवर का काम 2026 में पूरा होने के बाद यहाँ से कर्मचारी काम करना शुरू कर देंगे। जहाँ भारत में सेल्सफोर्स का विकास अभियान जारी हैए वहीं विश्व में कंपनी ने हाल ही में एजेंटफोर्स पेश किया हैए जो सेल्सफोर्स प्लेटफॉर्म की एक नई परत है और कंपनियों को ऐसे एआई एजेंट बनाने एवं क्रियान्वित करने में समर्थ बनाती हैए जो बिज़नेस के किसी भी कार्य के लिए स्वतंत्र रूप से कार्रवाई कर सकें। रेलिना बुलचंदानी एक्ज़िक्यूटिव वाईस प्रेसिडेंटए रियल ईस्टेट एवं वर्कप्लेस सर्विसेज़, सेल्सफोर्स ने कहा कि सेल्सफोर्स टॉवर बैंगलुरू सेल्सफोर्स की संस्कृति और मूल्यों के स्तंभ के रूप में काम करेगा। यह पूरी दुनिया से हमारे कर्मचारियों, ग्राहकों, पार्टनर्स और ट्रेलब्लेज़र्स के लिए मुलाकात का केंद्रीय स्थान होगा।

ब्रिटिश हिंदुओं ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट के दिवाली भोज में मांसाहारी व्यंजन, शराब परोसने पर आपत्ति जताई

लंदन। ब्रिटेन मे हिंदू समुदाय के कुछ लोगो ने लंदन स्थित 10 डाउनिंग स्ट्रीट (ब्रिटिश प्रधानमंत्री का कार्यालय और आधिकारिक आवास) मे प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर की ओर से आयोजित दिवाली भोज मे मेहमानों को कथित तौर पर मांसाहारी व्यंजन और शराब परोसे जाने पर आपत्ति जताई है। सामुदायिक संगठन इनसाइट यूके ने हिंदू त्योहार के आध्यात्मिक पहलू की समझ की भयावह कमी पर सवाल उठाया, जबकि अन्य लोगो ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से पहले व्यापक संवाद करने की आवश्यकता होती है। इनसाइट यूके ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिवाली सिर्फ त्योहार नही है, बल्कि इसके गहरे धार्मिक मायने भी है। दिवाली का पवित्र त्योहार पवित्रता और भक्ति पर जोर देता है। इसलिए दिवाली पर पारंपरिक रूप से शाकाहारी भोजन परोसा जाता है और शराब के सेवन से सख्त परहेज किया जाता है।

मंदिर हिंसा मामले में एसएफजे कनाडा का समन्वयक गिरफ्तार

ओटावा। कनाडा के ब्रैम्पटन स्थित एक हिंदू मंदिर मे हिंसक प्रदर्शन के दौरान हमला करने के मामले मे कनाडा पुलिस ने 35 वर्षीय एक स्थानीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। तीन नवंबर को ब्रैम्पटन मे हिंदू सभा मंदिर मे एक विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसके सोशल मीडिया पर वायरल अपुष्ट वीडियो मे प्रदर्शनकारियो को खालिस्तान के समर्थन मे बैनर पकड़े हुए देखा गया। वीडियो मे हाथापाई और लोगो को मंदिर के आस-पास एक-दूसरे पर डंडे से वार करते हुए भी देखा जा सकता है। शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया कि पील की क्षेत्रीय पुलिस ने मंदिर में प्रदर्शन के दौरान हुई झड़प पर कार्वाई की। पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान हुई कई घटनाओ की जांच शुरू कर दी है, जिनके वीडियो मे यह देखा जा सकता है कि लोगो पर झंडो और लाठियों से हमले किए जा रहे है। पील पुलिस के बयान मे कहा गया है कि 21 डिवीजन आपराधिक जांच ब्यूरो और स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) के जांचकर्ताओं ने ब्रैम्पटन के इंद्रजीत गोसल को गिरफ्तार किया है और हथियार से हमला करने का उस पर आरोप है।

तालिबान संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भाग लेगा

काबुल। तालिबान 2021 मे अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद, पहली बार संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भाग लेगा। देश की राष्ट्रीय पर्यावरण एजेंसी ने रविवार को यह जानकारी दी। सीओपी29 के नाम से जाना जाने वाला यह सम्मेलन सोमवार को अजरबैजान में शुरू हो रहा है। यह सम्मेलन उन महत्वपूर्ण बहुपक्षीय वार्ताओ मे से एक है, जिसमे तालिबान शामिल हो रहा है।तालिबान को फिलहाल अफगानिस्तान के वैध शासक के रूप में आधिकारिक मान्यता नही मिली है। राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण एजेंसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एक तकनीकी प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन मे भाग लेने के लिए बाकू गया है।एजेंसी के प्रमुख मतिउल हक खलीस ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल इस सम्मेलन का उपयोग पर्यावरण संरक्षण व जलवायु परिवर्तन पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ सहयोग को मजबूत करने और जलवायु अनुकूलन व शमन प्रयासो पर चर्चा करने के लिए करेगा।

नेपाल में सड़क हादसे में छह लोगों की मौत, 13 घायल

काठमांडू। नेपाल के कालीकोट जिले मे रविवार को एक सड़क हादसे मे कम से कम छह लोगो की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना अपराह्न करीब ढाई बजे रादुकाप्रे के पास की है जब पलाटा ग्रामीण नगर निकाय के खिन क्षेत्र से थिरपु की ओर जा रही एक जीप एक अन्य वाहन से टकरा गई। अधिकारी ने बताया कि घायलो और शवो को सुरक्षाकर्मियों की मदद से हवाई मार्ग के जरिए सुरखेत के प्रांतीय अस्पताल मे पहुंचाया गया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान नही हो पाई।

भारतीय पनडुब्बी आईएनएस वेला श्रीलंका पहुंची

कोलंबो। भारतीय पनडुब्बी आईएनएस वेला रविवार को तीन दिवसीय यात्रा पर श्रीलंका पहुंची। भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी। आईएनएस वेला 67.5 मीटर लंबी पनडुब्बी है, जिसमे चालक दल के 53 सदस्य सवार है और इसका संचालन कमांडर कपिल कुमार कर रहे है। यह पनडुब्बी स्वदेशी कलवरी श्रेणी की डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी है और इसे 25 नवंबर 2021 को भारतीय नौसेना मे शामिल किया गया था।श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान मे बताया कि कोलंबो मे पनडुब्बी के रुकने के दौरान चालक दल के सदस्य श्रीलंकाई नौसेना द्वारा दोनो देशो की नौसेनाओ के बीच सौहार्द को मजबूत करने के लिए आयोजित गतिविधियो मे भाग ले सकते है।इसके अलावा, श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियो द्वारा भारतीय पनडुब्बी का दौरा करने और इसकी परिचालन विशेषताओं से जुड़े कार्यक्रम मे भाग लेने की उम्मीद है।

सऊदी अरब भारतीय महिला लोको पायलट

रियाद। हैदराबाद की इंदिरा ईगलपति रियाद मेट्रो की उन चुनिंदा महिला लोको पायलट मे से एक है जो वहां ट्रेन चलाने के लिए उत्सुक है। रियाद मे रैपिड ट्रांजिट सिस्टम का निर्माण कार्य पूरा होने के करीब है और वह फिलहाल प्रायोगिक परीक्षण से गुजर रही ट्रेन को चला रही है।पिछले पांच वर्ष से ट्रेन पायलट और स्टेशन ऑपरेशन मास्टर के रूप मे कार्यरत 33 वर्षीय इंदिरा ने कहा, इस विश्व स्तरीय और प्रतिष्ठित परियोजना का हिस्सा बनना, खासकर एक प्रवासी होने के चलते, मेरे लिए वास्तव मे गर्व का क्षण है। जब इंदिरा को रियाद मेट्रो मे रिक्तियो केारे मे पता चला तब वह हैदराबाद मेट्रो मे काम कर रही थी और फिर उन्होने इसके लिए आवेदन किया।इंदिरा और भारत से दो अन्य लोग 2019 में रियाद मेट्रो मे शामिल हुए थे लेकिन कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण उन्हे शुरुआती प्रशिक्षण डिजिटल तरीके से ही लेना पड़ा।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में तीन और सलाहकार शामिल

ढाका। प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सलाहकार परिषद मे तीन नए सदस्यो को शामिल किया और उन्हें देश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने रविवार शाम यहां बंगभवन (राष्ट्रपति भवन) में पद की शपथ दिलाई। बंगभवन के अधिकारियों ने बताया कि उद्योगपति शेख बशीर उद्दीन, फिल्म निर्माता मुस्तफा सरवर फारूकी और भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेता एवं यूनुस के विशेष सहायक महफूज आलम को वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों समेत गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति मे राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल मे शपथ दिलाई गई। अधिकारी ने बताया कि इन नियुक्तियों के साथ ही अंतरिम सरकार मे सलाहकारो की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। अधिकारी ने कहा कि नए सदस्यो के शामिल होने से परिषद के विभागो मे संभवतः फेरबदल किया जाएगा। इस परिषद की स्थापना आठ अगस्त को हुई थी। यह परिषद भेदभाव-विरोधी आंदोलन के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से बाहर होने के तीन दिन बाद स्थापित हुई थी।

ट्रंप ने एरिजोना में भी जीत दर्ज की, हैरिस हारीं

सभी सात प्रमुख राज्यों में हैरिस को दी मात

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में हाल में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एरिजोना राज्य में भी विजई परचम लहराया। इसके साथ ही उन्होंने सभी सात प्रमुख राज्यों में डेमोक्रेटिक पार्टी की अपनी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस को हरा दिया है। इस चुनाव में सात प्रमुख राज्य एरिजोना, नेवादा, विस्कॉन्सिन, मिशिगन, पेन्सिलवेनिया, नॉर्थ कैरोलाइना और जॉर्जिया थे। एरिजोना में जीत के साथ ट्रंप के इलेक्टोरल वोट की संख्या 312 पहुंच ग ई है जबकि निवर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को 226 वोट मिले हैं। एरिजोना में 11 इलेक्टोरल वोट हैं। रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट में फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया है और वह प्रतिनिधि सभा में बहुमत बरकरार रखने के लिए तैयार है। अभी, पार्टी के पास सीनेट में 52 सीट हैं जबकि डेमोक्रेट के पास 47 सीट हैं। प्रतिनिध सभा में रिपब्लिकन अभी तक डेमोक्रेट की 209 सीटों के मुकाबले 216 सीट हासिल कर चुके हैं। बहुमत का आंकड़ा 218 है। रिपब्लिकन को विश्वास है कि उन्हें बहुमत के लिए आवश्यक सीट मिल जाएंगी। साल 2020 में निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन 1996 में बिल क्लिंटन के बाद एरिजोना से जीत दर्ज करने वाले पहले डेमोक्रेट बने थे। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान सीमा सुरक्षा, आव्रजन और अवैध शरणार्थियों द्वारा किए जाने वाले अपराधों के मुद्दों पर बात की थी। ट्रंप ने अवैध शरणार्थियों को वापस उनके देश भेजने का संकल्प लिया था। एरिजोना छठा राज्य है जिसे ट्रंप ने बाइडन से छीन लिया है जहां उन्हें 2020 में जीत मिली थी। इसके अलावा ट्रंप ने इस साल जॉर्जिया, मिशिगन, नेवादा, पेन्सिलवेनिया और विस्कॉन्सिन में भी जीत हासिल की है जो पहले बाइडन ने जीते थे।

ट्रंप की हत्या की साजिश के आरोपी को इजराइली पर्यटकों को भी निशाना बनाने का दिया था जिम्मा: अधिकारी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रचने के आरोप मे अमेरिकी खुफिया ब्यूरो (एफबीआई) द्वारा गिरफ्तार किए गए एक ईरानी नागरिक को ईरानियों ने श्रीलंका में इजराइली पर्यटकों को निशाना बनाने का भी काम सौंपा था। न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। ईरान के फरहाद शकेरी (51) के खिलाफ ट्रंप की हत्या की साजिश मे कथित संलिप्तता के संबंध में शुक्रवार को आपराधिक शिकायत दर्ज की गई। शकेरी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) का सदस्य है। वह फिलहाल फरार है और माना जा रहा है कि वह तेहरान मे है। न्याय विभाग ने कहा, उसे श्रीलंका मे इजराइली पर्यटकों को निशाना बनाने का भी काम सौंपा गया था। संघीय अदालत में दायर दस्तावेजों के अनुसार शकेरी को आईआरजीसी ने श्रीलंका में इजराइली पर्यटकों को निशाना बनाने और अक्टूबर 2024 में सामूहिक गोलीबारी की योजना बनाने के लिए कहा था।

ट्रंप ने अपने शपथ ग्रहण समारोह की योजना बनाने के वास्ते गठित की समिति

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी 2025 को होने वाले अपने शपथ ग्रहण समारोह की योजना बनाने और अन्य आयोजनों के लिए एक समिति के गठन की शनिवार को घोषणा की। ट्रंप (78) ने देश में हाल में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में जीत हासिल की है और 47वें राष्ट्रपति चुने गए हैं। वे निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन का स्थान लेंगे। ट्रंप वेंस इनॉगरल कमेटी शपथ ग्रहण कार्यक्रम की योजना बनाएगी और इस समिति की सह-अध्यक्षता ट्रंप के करीबी मित्र स्टीव विटकॉफ तथा सीनेटर केली लोफ्लर करेंगे। ट्रंप ने कहा, चुनाव की रात हमने इतिहास रच दिया और मुझे अमेरिका का 47वां राष्ट्रपति निर्वाचित होने का असाधारण सम्मान प्राप्त हुआ है। इसका श्रेय देश भर के उन लाखों मेहनती अमेरिकियों को जाता है जिन्होंने हमारे अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का समर्थन किया।

बाइडन ने ट्रंप को 13 नवंबर को व्हाइट हाउस में बैठक के लिए आमंत्रित किया

वाशिंगटन। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो. बाइडन ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 13 नवंबर को व्हाइट हाउस मे बैठक के लिए आमंत्रित किया है। इस बैठक के बाद औपचारिक रूप से राष्ट्रपति पद का हस्तांतरण करने की प्रक्रिया शुरू होगी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन पियरे ने एक बयान में कहा, निवर्तमान राष्ट्रपति बाइडन के निमंत्रण पर नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप बुधवार को पूर्वाह्न 11 बजे ओवल ऑफिस में उनसे मुलाकात करेंगे। निवर्तमान राष्ट्रपति और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के बीच यह बैठक औपचारिक होती है और यह दशकों पुरानी परंपरा है। बैठक आम तौर पर ओवल ऑफिस में होती है, जिसके दौरान निवर्तमान राष्ट्रपति अपने उत्तराधिकारी को देश के मुख्य एजेंडे के बारे मे जानकारी देते हैं। इसमे प्रथम महिला और आने वाली प्रथम महिला के बीच भी मुलाकात भी होती है। इस दौरान नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को व्हाइट हाउस का दौरा भी कराया जाता है।

मॉरीशस : संसदीय चुनाव का मतदान संपन्न

सत्ताधारी दल को सत्ता बरकरार रखने की उम्मीद

भाषा। जोहानिसबर्ग

मॉरीशस में लोगों ने संसदीय चुनाव के लिए रविवार को मतदान किया। अफ्रीका के सबसे स्थिर लोकतंत्रों में से एक इस देश के चुनाव में सत्तारूढ़ दल प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ के पांच साल के दूसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने की उम्मीद कर रहा है। लोगों ने संसद की 62 सीट के लिए हुए चुनाव में मतदान किया, जबकि आठ सांसदों को इलेक्टोरल सुपरवाइजरी काउंसिल नामित करती है। जगन्नाथ की सरकार को हाल ही में आलोचना का सामना करना पड़ा था, जब उसने वायरटैपिंग घोटाले के बाद सोशल मीडिया वेबसाइट पर प्रतिबंध लगा दिया था। वायरटैपिंग घोटाले के तहत नेताओं, व्यापारियों, कार्यकर्ताओं और पत्रकारों से जुड़ी बातचीत की रिकॉर्डिंग ऑनलाइन लीक कर दी गई थी। हालांकि, कुछ दिनों के बाद प्रतिबंध हटा लिया गया, लेकिन इससे विपक्ष और नागरिक समाज में चिंता बढ़ गई। वर्ष 1968 में मॉरीशस को ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद यह देश में 12वां संसदीय चुनाव है, जिसमें कम से कम 10 लाख लोगों ने मतदान के लिए पंजीकरण कराया था। जगन्नाथ के सेंटर-लेफ्ट मिलिटेंट सोशलिस्ट मूवमेंट के नेतृत्व वाले दलों के गठबंधन ने 2019 में उनके नेतृत्व को मजबूत करने के लिए संसद में अधिकांश सीट जीती थीं।

एयरशो के दौरान नए लड़ाकू विमानों और ड्रोन पोत का प्रदर्शन करेगा चीन

भाषा। बीजिंग

चीन की सेना झुहाई शहर में आयोजित किए जा रहे अपने वार्षिक एयर शो में कुछ नवीनतम युद्धक विमानों को प्रदर्शित करेगी जिनमें एक नया लड़ाकू विमान और एक बड़ा ड्रोन जहाज भी शामिल है जिसे किलर व्हेल के नाम से जाना जाता है।चीन का 15वां एयर शो 12 से 17 नवंबर तक दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के झुहाई शहर में आयोजित किया जाएगा। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) हर साल एयर शो में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करती है। पीएल, नौसेना जे-15टी जेट का प्रदर्शन करेगी। इसे तीसरे विमान वाहक पोत, फुजियान से संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो इलेक्ट्रो मैग्नेटिक कैटापुल्ट से सुसज्जित है, जबकि अन्य दो विमान वाहक पोतों, लिओनिंग और शांदोंग में स्की जंप टेक ऑफ रैंप लगे हैं। एयरोस्पेस नॉलेज पत्रिका के मुख्य संपादक वांग यानान ने सरकारी अखबार चाइना डेली को बताया कि जे-15टी को लिओनिंग और शांदोंग पर भी तैनात किया जा सकता है, दोनों ही स्थानों पर फिक्स्ड-विंग विमान उड़ान भरने के लिए स्की जंप विधि का इस्तेमाल करते हैं। चीन की नौसेना एयर शो के दौरान किलर व्हेल नामक एक बड़े ड्रोन जहाज को भी पहली बार प्रदर्शित करेगी। हांगकांग से प्रकाशित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक यह पोत लंबे समय तक खुले समुद्र में काम करने में सक्षम है। खबर के मुताबिक किलर व्हेल में दोहरी डीजल और इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणाली है, जो इसे 4,000 समुद्री मील (7,400 किमी) से अधिक की दूरी 40 नॉट्स (74 किमीघंटा) की अधिकतम गति तक तय करने की क्षमता देती है। अखबार ने इस पोत को एक सर्वांगीण योद्धा बताया है, जिसे विभिन्न प्रकार के हथियार से लैस किया जा सकता है ।

शारीरिक व्यायाम बच्चों के स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए आवश्यक

भाषा। स्टार्कविल (अमेरिका)

क्या वे इसके लिए थोड़े छोटे नहीं हैं? यह एक ऐसा सवाल है जिसे मैं माता-पिता से अक्सर सुनता था, जब मैं युवा खेलों में अपने साथ काम करने वाले बच्चों के लिए शारीरिक क्षमता बढ़ाने वाले व्यायाम की सलाह देता था। इन बच्चों की उम्र छह से 18 वर्ष के बीच थी। क्षमता एवं प्रशिक्षण कोच के रूप में अपने चार वर्षों के दौरान, मुझे अक्सर माता-पिता से बच्चों के लिए शारीरिक क्षमता बढ़ाने वाले व्यायाम - (अर्थात, भार वहन करने वाले व्यायामों से संबंधित प्रशिक्षण) - के फायदे और नुकसान के बारे में सवाल प्राप्त होते थे। कुछ सबसे आम सवाल: क्या बच्चों और किशोरों के लिए शारीरिक क्षमता बढ़ाने वाले व्यायाम सुरक्षित है? किस उम्र में उनके लिए यह व्यायाम प्रशिक्षण शुरू करना उचित है? इस आयु वर्ग के लिए शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण के क्या लाभ हैं? क्या शारीरिक व्यायाम उन बच्चों के लिए भी फायदेमंद है जो संगठित खेलों में शामिल नहीं होते हैं? सरल शब्दों में कहें तो, सभी उम्र के बच्चों के लिए शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण सुरक्षित और उपयुक्त है। मैं एक व्यायाम फिजियोलॉजिस्ट, प्रमाणित क्षमता और प्रशिक्षण विशेषज्ञ और प्रमाणित प्रदर्शन और खेल वैज्ञानिक हूं। मेरा शोध इस बात पर केंद्रित है कि बचपन से किशोरावस्था तक मांसपेशियां किस प्रकार विकसित होती हैं, और इसका लक्ष्य यह समझना है कि युवा लोग व्यायाम प्रशिक्षण कार्यक्रमों, विशेष रूप से क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रमों से किस प्रकार अधिकतम लाभ उठा सकते हैं। मेरे अनुभव और शोध से पता चला है कि शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण युवाओं के खेल प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है,

और यह कि शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण में भाग लेने वाले युवाओं के लिए खेल प्रदर्शन के अलावा भी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ हैं। सुरक्षा प्रथम-- मुझसे अक्सर यह सवाल पूछा जाता है कि क्या शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण युवाओं के लिए सुरक्षित है। विभिन्न खेलों में चोट की दरों की जांच करने वाले एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि, यदि सही तरीके से किया जाए तो शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण में चोट लगने का जोखिम लगभग सभी अन्य खेलों की तुलना में कम होता है। जैसा कि कहा गया है, किसी युवा व्यक्ति को डम्बल देने से पहले उसकी भावनात्मक परिपक्वता पर विचार करना महत्वपूर्ण है। अपने करियर के दौरान, मैंने सभी उम्र के बच्चों के लिए शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए हैं और उन्हें लागू किया है, यहां तक कि छह साल की उम्र के बच्चों के लिए भी। लेकिन, उस आयु सीमा का हर बच्चा शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण के लिए तैयार नहीं होता। अपनी सुरक्षा के लिए, प्रतिभागियों को भावनात्मक रूप से इतना परिपक्व होना चाहिए कि वे निर्देशों को सुनें और उनका पालन करें, ताकि वे स्वयं को चोट न पहुंचाएं। कुछ बच्चों के लिए यह उम्र छह वर्ष से भी कम होती है, जबकि अन्य कुछ वर्ष बड़े होने तक इसके लिए तैयार नहीं होते। क्योंकि इन व्यायामों को सुरक्षित रूप से करने के लिए सही तकनीक महत्वपूर्ण है, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि बच्चों के लिए शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण कार्यक्रम एक योग्य प्रशिक्षक या कोच के मार्गदर्शन में डिजाइन और कार्यान्वित किए जाएं। इसका अर्थ है ऐसा व्यक्ति जिसके पास वैध योग्यता हो तथा जिसने व्यायाम विज्ञान में उच्च शिक्षा प्राप्त की हो।

लुढ़का भारतीय शीर्ष क्रम, दक्षिण अफ्रीका की जीत

● दूसरे टी-20 में भारतीय टीम को मिली 3 विकेट से हार

गक्बेरहा। दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों के दम पर भारत को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में रविवार को यहां 3 विकेट से हराकर अपने पहले मैच का बदला ले लिया। दक्षिण अफ्रीका ने 6 गेंदे शेष रहते 7 विकेट खोकर 128 रन बनाकर भारत के दिए 124 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने 41 गेंद में नाबाद 47 जबकि गेराल्ड कोएट्जी ने आखिरी ओवरों में नौ गेंद में नाबाद 19 रन की आक्रामक पारी खेली। दोनों ने 20 गेंद में 42 रन की अटूट साझेदारी से टीम को लक्ष्य के पार पहुंचाया।भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 17 रन देकर पांच विकेट चटकाए। इससे पहले उसने भारत को छह विकेट पर 124 रन पर रोक दिया। चार मैचों की इस श्रृंखला के शुरुआती मैच कों 61 रन से जीतने वाली भारतीय टीम के लिए अनुभवी हार्दिक पंड्या ने सबसे ज्यादा नाबाद 39 रन का योगदान दिया। उन्होंने 45 गेंद की पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया।दक्षिण अफ्रीका ने पहले ओवर से ही शिकंजा कसे रखा और शुरुआती चार ओवर में 15 रन पर तीन विकेट चटकाकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया। टीम के लिए मार्को यानसन, गेराल्ड कोएट्जी, एडेन मारक्रम, नकाबायोमजी पीटर, एंडिले सिमेलेन ने एक-एक विकेट चटकाए। सभी ने किफायती गेंदबाजी की। यानसेन ने पहले ओवर में ही पिछले दो मैचों में शतक जड़ने वाले संजू सैमसन को खाता खोले बगैर बोल्ड किया। अभिषेक शर्मा (चार) ने कोएट्जी पर चौके के साथ अपना और टीम का खाता खोला लेकिन शॉटपिच गेंद को हवा में लहराकर यानसेन को कैच थमा बैठे। तिलक वर्मा ने यानसेन के खिलाफ चौका लगाया लेकिन दूसरी छोर से कप्तान सूर्यकुमार यादव संघर्ष करन रहे थे। वह पारी के चौथे ओवर में आठ गेंद पर चार रन बनाकर सिमेलेन की गेंद पर पगबाधा हो गए।वर्मा ने कोएट्जी के खिलाफ गेंद को स्टेडियम के बाहर पहुंचाकर भारतीय पारी का पहला छक्का जड़ा तो वहीं अक्षर ने छठे ओवर में सिमेलेन के खिलाफ दो चौके लगाए जिससे पावर प्ले में टीम का स्कोर तीन विकेट पर 34 रन हो गया। वर्मा ने रनगति को तेज करने की कोशिश में कप्तान मारक्रम की गेंद पर आक्रामक शॉट लगाया लेकिन कवर क्षेत्र में डेविड मिलर ने शानदार कैच लपककर उनकी 20 गेंद में 20 रन की पारी को खत्म किया।अक्षर ने 10वें ओवर की आखिरी गेंद पर पीटर के खिलाफ चौका लगाया जिससे पहली बार टीम का स्नरेट छह के पार हुआ। वह हालांकि 12वें ओवर में बदकिस्मत तरीके से रन आउट हो गए। हार्दिक पंड्या के बल्ले से निकली गेंद पीटर के हाथों से छूते हुए दूसरे छोर पर विकेटों से टकरा गई और अक्षर क्रीज से बाहर थे।

स्कोरबोर्ड

भारत पारीः सैमसन बो यानसेन 00,अभिषेक का यानसेन बो कोएट्जी 04,सूर्यकुमार पगबाधा सिमेलेन 04,वर्मा का मिलर बो मारक्रम 20, पटेल रन आउट (पीटर) 27, पंड्या नाबाद 39,रिंकू का कोएट्जी बो पीटर 09,अर्शदीप नाबाद 07,अतिरिक्तः 14,**कुल योगः** 20 ओवर में छह विकेट परः 124 रन,**विकेट पतनः** 1-0, 2-5, 3-15, 4-45, 5-70, 6-87,**गेंदबाजीः** यानसेन 4-1-25-1,कोएट्जी 4-0-25-1,सिमेलेन 3-0-20-1,मारक्रम 4-0-24-0,मारक्रम 1-0-4-1, पीटर 4-0-20-1

न्यूजीलैंड से 0-3 की हार पर अश्विन ने कहा, यह बहुत ही निराशाजनक अनुभव है

मुंबई। भारत के सीनियर ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 0–3 की हार को निराशाजनक करार करते हुए घरेलू मैदान पर मिली शिकस्त के लिए खुद को दोषी ठहराया।यह पहली बार है जब भारत को घरेलू मैदान पर तीन या उससे अधिक टेस्ट मैचों की श्रृंखला में व्हाइटवॉश का सामना करना पड़ा जबकि पिछले 12 वर्ष से भारत को अपनी सरजमीं पर पराजय नहीं झेलनी पड़ी थी।अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हमें न्यूजीलैंड से 0–3 की हार का सामना करना पड़ा। मैंने कहीं पढ़ा था कि भारत को ऐसा कभी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, मेरे करियर और अब तक अनुभव में मैं जानता हूं कि जब हम खेलते हैं तो हमारे अंदर इतनी भावनाएं नहीं होती हैं। लेकिन यह बहुत ही निराशाजनक अनुभव है जो कि सही शब्द है। पिछले दो या तीन दिन मैं इस पर कैसे प्रतिक्रिया दूं, यह नहीं जान पा रहा। अश्विन ने श्रृंखला में भारत के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए स्वीकार किया कि उनके खुद के लचर प्रदर्शन से टीम को नुकसान हुआ।उन्होंने कहा, मुझे खुद से बहुत उम्मीद रहती है। मैं ऐसा खिलाड़ी हूं जो कहता है कि जो कुछ भी गलत हुआ उसके लिए मैं जिम्मेदार हूं। मैं इस श्रृंखला में मिली हार का बड़ा कारण रहा। अश्विन ने कहा, मैं निचले क्रम के रन में योगदान नहीं दे सका। एक गेंदबाज के तौर पर मैं जानता हूं कि गेंदबाज के लिए रन बहुत जरूरी होते हैं। मैंने कई जगहों पर अच्छी शुरुआत की। लेकिन मैंने कुछ मौकों पर इसे गंवा दिया। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, लेकिन यह काफी नहीं था। इस अनुभवी खिलाड़ी ने उम्मीद जताई कि टीम श्रृंखला में शर्मनाक हार से सीख लेगी। इस 38 वर्षीय गेंदबाज ने कहा, कोई भी अजेय नहीं है इसलिए हारना कों बुरी बात नहीं है। हमारी पहली गलती यह सोचना है कि हम अजेय हैं। और मैं ऐसा नहीं सोचता।

पाक का दौरा करने की भारत की अनिच्छा पर पीसीबी को मिला आईसीसी का मेल

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को पुष्टि की कि भारत ने अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने की अपनी अनिच्छा के बारे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सूचित किया है। पीसीबी ने एक बयान में कहा, पीसीबी को आईसीसी से एक ई–मेल मिला है जिसमें कहा गया है कि बीसीसीआई ने उन्हें सूचित किया है कि उनकी टीम आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी पीसीबी के प्रवक्ता ने कहा, पीसीबी ने उस ई–मेल को परामर्श और मार्गदर्शन के लिए पाकिस्तान सरकार को भेज दिया है। पीसीबी ने आईसीसी से ई–मेल पर आगे कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन इसके अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शुक्रवार को कहा था कि पाकिस्तान अपनी नीति का खुलासा तभी करेगा जब उन्हें आईसीसी से कुछ लिखित में मिलेगा। बीसीसीआई ने पहले ही वैश्विक क्रिकेट संस्था को भारत की पड़ोसी देश की यात्रा करने में असमर्थता के बारे में सूचित किया था।

पूर्व दिग्गज पोलो खिलाड़ी एचएस सोढ़ी का निधन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज पोलो खिलाड़ी और अर्जुन पुरस्कार विजेता हरिंदर सिंह सोढ़ी का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण शनिवार देर रात को निधन हो गया है। वह 86 वर्ष के थे और उनके परिवार में पत्नी और दो बेटियां है। अपने शानदार करियर में उन्होने पांच से अधिक गोल का हैडीकैप हासिल किया था। पोलो जगत में वह बिली सोढ़ी के नाम से लोकप्रिय थे। सोढ़ी को दिग्गज हनुत सिंह, सवाई मान सिंह (जयपुर के महाराजा) और बाद में उनके बेटे भवानी सिंह के साथ पोलो खेलने का अनुभव था। छोटे भाई प्रसिद्ध पोलो खिलाड़ी रविंदर सिंह सोढ़ी भी अर्जुन पुरस्कार विजेता है। वह 1980 के मॉस्को ओलंपिक के दौरान भारतीय घुड़सवारी टीम के मैनेजर थे।

कोको गाफ ने पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीता

रियाद। अमेरिका की युवा टेनिस स्टार कोको गाफ ने ओलंपिक चैम्पियन झेंग क्विंन को 3-4, 6-4, 7- 6 से हराकर पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीता। बीस वर्ष की गाफ ने 3-5 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीत दर्ज की। वह 2014 मे सेरेना विलियम्स के बाद यह खिताब जीतने वाली पहली अमेरिकी खिलाड़ी है। उन्हें पुरस्कार के तौर पर 48 लाख डॉलर मिले। वह मारिया शारापोवा (2004) के बाद खिताब जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी भी है। गाफ ने फाइनल तक के सफर मे एरिना सबालेंका और इगा स्वियातेक को हराया।

मेस्सी की इंटर मियामी एमएलएस प्लेआफ से बाहर

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की इंटर मियामी टीम को शुरूआती चरण में ही एमएलएस कप से बाहर करके अटलांटा युनाइटेड ने बड़ा उलटफेर कर दिया। जमाल थियरे के दो गोल और बर्टोज स्लाइज के 76वें मिनट में लगाए गए हेडर के दम पर अटलांटा ने शनिवार की रात को इंटर मियामी को 3 . 2 से हराकर एमएलएस कप प्लेआफ पहले दौर का बेस्ट आफ थ्री मुकाबला जीता। आखिरी मिनटों में मेस्सी की दो फ्रीकिक बेकार गई। उन्होंने 65वें मिनट में हेडर पर बराबरी का गोल दागकर स्कोर 2 . 2 जरूर किया था लेकिन मेजबान टीम कभी बढत नही बना सकी।

राष्ट्रीय स्तर का शॉट-पुट खिलाड़ी भोपाल में मृत पाया गया

भोपाल। राष्ट्रीय स्तर का शॉट-पुट (गोला फेंक) खिलाड़ी अमित वर्मा रविवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अपने अपार्टमेंट में मृत पाया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।टीटी नगर पुलिस थाने के प्रभारी सुनील सिंह भदोरिया ने पीटीआई-भाषा को बताया कि वर्मा ने सुबह जब अपने दोस्तो के फोन कॉल का जवाब नही दिया तो वे उनके घर पहुंचे। इस 22 साल के खिलाड़ी के दरवाजे की घंटी का जवाब नही मिलने पर दोस्तो ने दरवाजा तोड़ दिया। उन्हे उसका शव अपार्टमेंट के अंदर मिला।

भारत में रेफरियों का स्तर सुधर रहा है

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मे खराब रेफरिंग लंबे समय से कई कोचो के लिए निराशा भरी रही है लेकिन अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के शीर्ष अधिकारी ट्रेवर केटल ने रविवार को दावा किया कि देश मे रेफरियो के स्तर मे सुधार हो रहा है।आईएसएल क्लबो के कई कोच, विशेषकर विदेशी कोच बीते वर्षो मे शीर्ष टीयर लीग मे रेफरिंग के खराब मानक के बारे में बात कर चुके है और यहां तक कि एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने भी कुछ महीने पहले इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की थी।

अपनी धरती पर खिताब बरकरार रखने उतरेगी भारतीय टीम

● महिला एसीटी हॉकी : मलेशियाई टीम से मैच आज

भाषा। राजगीर (बिहार)

पूरे साल खराब फॉर्म से जूझती रही भारतीय महिला हॉकी टीम नए ओलंपिक सत्र की शुरूआत अपनी धरती पर एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी (एसीटी) खिताब जीतकर करना चाहेगी और सोमवार को उसका पहला मुकाबला निचली रैंकिंग वाली मलेशियाई टीम से होगा। भारत ने अब तक सात बार हुए टूर्नामेंट में से सिंगापुर (2016) और रांची (2023) में खिताब जीते हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद भारतीय टीम ने इस साल एफआईएच प्रो लीग में 16 में से 13 मैच गंवाए और सिर्फ दो जीते जबकि एक ड्रॉ रहा। भारत ने सलीमा टेटे की कप्तानी में मिली जुली टीम उतारी है जिसमें युवा और अनुभवी खिलाड़ी दोनों हैं। स्ट्राइकर नवनीत कौर उपकप्तान होंगी। भारत को मौजूदा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड से चुनौती मिलेगी। भारतीय डिफेंस की कमान उदिता, ज्योति, इशिका चौधरी, सुशीला चानू और वैष्णवी विट्ठल फाल्के के हाथ में होगी। मिडफील्ड में कप्तान टेटे के अलावा नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिटा टोप्पो और लालरेम्सियामी जिम्मा संभालेंगी। फॉरवर्ड पंक्ति में नवनीत , संगीता कुमारी, दीपिका , प्रीति दुबे और ब्यूटी डुंगडुंग पर जिम्मेदारी होगी। गोलकीपिंग में पूर्व कप्तान सविता और युवा बिछू देवी खारीबम पर नजरें रहेंगी। सुशीला और ब्यूटी फिटनेस समस्याओं से उबरकर टीम में वापसी कर रहीं हैं। भारतीय टीम विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज चीन के साथ खिताब की प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। दक्षिण कोरिया ने तीन बार और जापान ने दो बार खिताब जीते हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए यह नई शुरूआत है। कोच हरेंद्र सिंह ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा , पेरिस ओलंपिक नहीं खेल पाना अब अतीत की बात है। हम उससे आगे निकलकर अब लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं और उसके लिए यह पहला कदम है। काफी महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है और हम जीत के साथ आगाज करना चाहेंगे। टेटे प्रो लीग के यूरोपीय चरण में भारत की कप्तानी कर चुकी है जिसमें प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने इसके लिए फिटनेस की कमी और मानसिक दृढता के अभाव को दोषी ठहराया था।

मिशन 2026 विश्व कप और 2028 ओलंपिक की शुरूआत एसीटी से : कोच हरेंद्र सिंह

राजगीर (बिहार)। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि टीम अतीत की नाकामियों को भुलाकर आगामी विश्व कप और ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के जरिए अपने अभियान का आगाज करेगी। तोक्यो ओलंपिक 2021 में चौथे स्थान पर रहने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम ने लगातार खराब दौर देखा है। यह टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नही कर सकी और एफआईएच प्रो लीग में 16 में से 13 मैच हार गई। कोच हरेंद्र ने कहा कि उनकी टीम ने इन नाकामियों को पीछे छोड़ने के लिए काफी मेहनत की है और नीदरलैंड मे 2026 मे होने वाले विश्व कप और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर नजरें है। मलेशिया के खिलाफ सोमवार को होने वाले पहले मैच से पूर्व हरेंद्र ने कहा , यह टूर्नामेंट भविष्य की हमारी योजनाओं का आधार होगा। यह 2026 विश्व कप और 2028 ओलंपिक के हमारे मिशन की शुरूआत होगी। उन्होंने कहा , हमें सारी नाकामियों को भुलाकर अपनी गलतियों को सुधारना है। टीम मे हर खिलाड़ी को अपनी भूमिका बखूबी पता है। एसीटी ऐसा बड़ा मंच है जहां लड़कियां अपना कौशल दिखाकर साबित कर सकती है कि टीम सही रास्ते पर जा रही है। उन्होंने कहा , मै टीम से हमेशा कहता हूं कि वर्तमान मे जियो।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंगलिस और मैकस्वीनी आस्ट्रेलियाई टीम में

भाषा। सिडनी

भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में नाथन मैकस्वीनी पहली बार उस्मान ख्वाजा के साथ पारी का आगाज करेंगे जबकि जोश इंगलिस को भी पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में इन दो नए चेहरों को जगह दी है। मैकस्वीनी के चयन की पैरवी डेविड वॉर्नर और रिकी पोंटिंग ने की थी। उन्हें मार्कस हैरिस, कैमरन बेनक्राफ्ट और सैम कोंस्टास पर तरजीह दी गई। आस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा , हम नाथन के खेल से काफी उत्साहित हैं। पिछले एक डेढ साल में उसके खेल में काफी परिपक्वता आई है। टेस्ट क्रिकेट उसे रास आएगा क्योंकि वह बहुत स्थिर भाव से खेलता है। 25 बरस के मैकस्वीनी ने पिछले कुछ साल में शेफील्ड शील्ड में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और भारत के खिलाफ ए टीम के मुकाबले में कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर भी प्रभावित किया। इंगलिस को एलेक्स कारी के बैकअप विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है।

अरविंद ने एरिगेसी को पहली शिकस्त दी

चेन्नई। ग्रैंडमास्टर एम अरविंद चिथंबरम ने रविवार को यहां छठे दौर में तालिका में शीर्ष पर चल रहे अर्जुन एरिगेसी का अजेय अभियान समाप्त किया जिससे चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स खिताब की दौड़ सभी के लिए खुल गई।वहीं विदित गुजराती और लेवोन अरोनियन के बीच बाजी ड्रॉ रही। एरिगेसी और अरोनियन ढ़ाई-चार अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अरविंद ने प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत दर्ज की और जीएम अमीन तबाताबेई उनसे आधा अंक पीछे हैं।अरविंद ने 48 चाल में एरिगेसी को हराकर पूरे अंक हासिल किए। वहीं अरोनियन के पास एरिगेसी से आगे निकलने का मौका था लेकिन उन्होंने 70 चाल के बाद गुजराती से अंक बांटे। अन्य दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए जिसमें जीएम एलेक्सी सरना और जीएम मैक्सिम वचियर–लाग्रेव तथा अमीन और जीएम परम मघसूदलू के बीच बाजियां शामिल रहीं। चैलेंजर्स वर्ग में जीएम प्रणव वी ने पहले चार दौर में जीत के बाद लगातार दूसरे ड्रॉ के बावजूद शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। रविवार को उन्होंने केवल 39 चाल में जीएम एम प्रणेश से ड्रॉ पर हामी भरी जिससे उनके पांच अंक हैं।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बना इकाना मीडिया कप का चैंपियन

लखनऊ। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने इकानी मीडिया टी20 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में टाइम्स ऑफ इण्डिया को आठ विकेट से हराया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में रविवार पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में आठ विकेट पर 103 रन बनाए। टीम के कप्तान राजीव श्रीवास्तव नाबाद 40 रन की पारी खेली। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से मैन ऑफद मैच फहीम ने तीन विकेट लिए। जवाब में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने 15๓2 ओवरों में ही दो विकेट पर 107 रन बनाकर मैच जीत लिया। मार्तण्ड ने नाबाद 35 और मयूर शुक्ला ने 22 रन बनाए। सतीश ने 32 रन का योगदान किया। विशेष पुरस्कारों में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के मयूर शुक्ला मैन ऑफद टूर्नामेंट व सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जबकि अमर उजाला के राजीव आनंद सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बने। इकाना स्पोर्ट्स सिटी के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक उदय सिन्हा खेल निदेशक आरपी सिंह समेत कई हस्तियों ने पुरस्कार वितरण किया।

कुलदीप ने एक गोल्ड व दो रजत जीता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सचिवालय में कार्यरत विशेष सचिव कुलदीप कुमार रस्तोगी ने ब्रिसबेन/ गोल्डकोस्ट ऑस्ट्रेलिया में आयोजित पैन पैसिफिक मास्टर्स गेम्स में एक स्वर्ण एवं दो रजत पदक जीते। ज्ञात हो कि1 नवंबर 2024 से ऑस्ट्रेलिया में चल रहे इस गेम्स में कुलदीप ने 5000 मीटर पैदल चाल में स्वर्ण एवं 3000 मीटर पैदल तथा 10 किलोमीटर पैदल चाल में रजत पदक जीते कुलदीप पिछले कई वर्षो से एथलेटिक्स का अभ्यास कर रहे हैं कुलदीप ने पूर्व में भी मास्टर्स खेलों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक प्राप्त किए हैं वह अपने परिवार मित्रों सहकर्मियों तथा विशेष कर अपने कोच श्री साहिल हुसैन नकवी के प्रोत्साहन से यह उपलब्धि अर्जित कर पाए हैं।

लखनऊ मंडल को सब जूनियर बालक हैंडबॉल का खिताब

● फाइनल में बरेली मंडल को 27-24 गोल से हराया

लखनऊ। 10 नवंबर 2024। लखनऊ मंडल ने अमेठी में आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक हैंडबॉल प्रतियोगिता में खिताबी जीत दर्ज की। उत्तर प्रदेश खेल विभाग व उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के समन्वय से गत 6 से 9 नवंबर 2024 तक अमेठी के डा.भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के फइनल में पिछले संस्करण की उपविजेता लखनऊ मंडल ने बरेली मंडल को 27.24 गोल से हराया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि दिनेश कुमार मिश्र अपर जिलाधिकारी न्यायिक, अमेठी सहित उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के कोषाध्यक्ष विनय कुमर सिंह, संगठनात्मक सचिव अमित पाण्डेय व संयुक्त सचिव परमेंद्र सिंह ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इसी के साथ विजेता व उपविजेता टीमों को उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। दूसरी ओर लखनऊ मंडल के क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अजय कुमार सेठी ने भी विजेता लखनऊ मंडल के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए लखनऊ मंडल के टीम कोच मो.तौहीद, अंतर्राष्ट्रीय हैंडबॉल कोच की भी सराहना की। इससे पूर्व खेले गए सेमीफाइनल में लखनऊ मंडल ने अयोध्या मंडल को 25–20 से और बरेली मंडल ने वाराणसी मंडल को 17–16 से हराकर फइनल में स्थान

फुटबॉल टूर्नामेंट में सिटी क्लब विजयी

लखनऊ। लखनऊ के चौक स्टेडियम में लाइफ गेट ह्यूमन सोसाइटी द्वारा आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता का आज फाइनल मैच सिटी क्लब और विजय क्लब टीमों के मध्य खेला गया। इस मैच में सिटी क्लब ने विजय क्लब को 2-0 से हराया। सिटी क्लब की टीम की ओर से उत्कर्ष ने 17वें मिनट में गोल किया जबकि सुप्रग वर्मा ने दूसरे हॉफ में 35वें मिनट में गोल किया और अपनी टीम को विजय दिलायी। गत 5 नवंबर से चल रही इस पाँच दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया। आज फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के तौर पर मुमताज़ पी० जी० कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. यासिर अंसारी मौजूद रहे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में प्रधानाचार्य सुन्नी इंटर कॉलेज, शकील अहमद, चौक न्यूजपेपर हैंकर संगठन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार ,प्रसिद्ध समाजसेवी एवं रोटी कपड़ा बैंक के सेक्रेटरी रिद्धि किशोर गौड़ और फ़रहा नाज़ भी उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने में डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल एसोसिएशन के सेक्रेटरी कन्हैया लाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। लाइफ गेट ह्यूमन सोसाइटी के सचिव मो. रिज़वानुल हसन ने विजेता टीम को बधाई दी और सभी अतिथियों और टीमों का धन्यवाद किया।

क्विक न्यूज

बुमराह के लिए कप्तानी मुश्किल काम है: पोंटिंग

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज रिकी पोंटिग का कहना है कि अगर रोहित शर्मा पर्थ में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शुरुआती टेस्ट में नही खेल पाते है तो जसप्रीत बुमराह को भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करने के साथ टीम की अगुआई की दोहरी जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। पोंटिग ने हालांकि कहा कि इस तेज गेंदबाज के लिए कप्तानी करना मुश्किल काम होगा। रोहित के पहले टेस्ट में खेलने को लेकर संदेह बना हुआ है जो 22 नवंबर से ऑप्टस स्टेडियम में खेला जाएगा। हाल में कप्तान ने खुद स्वीकार किया था कि वह अपनी भागीदारी को लेकर निश्चित नही है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के रिव्यू पॉडकास्ट के दौरान बुमराह के बारे में पोंटिग ने कहा, हां, कप्तानी शायद उनके लिए सबसे मुश्किल काम है।

सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के सातवें दिन हॉकी झारखंड, हॉकी महाराष्ट्र ने दर्ज की आसान जीत

चेन्नई। ओडिशा हॉकी संघ, ले पुडुचेरी हॉकी, हॉकी झारखंड और हॉकी महाराष्ट्र ने रविवार को यहां 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के सातवें दिन अपने-अपने पूल मैचों में शानदार जीत दर्ज की। ओडिशा हॉकी संघ ने पूल ई में अमनदीप लाकड़ा, अजय कुमार एक्का और केरोबिन लाकड़ा के दो-दो गोल की मदद से हॉकी अरुणाचल को 9-0 से हराया। टीम के लिए नीलम संजीव जेस , प्रताप लाकड़ा और सुदीप चिरमाको ने भी गोल दागे।ले पुडुचेरी हॉकी ने मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में एक अन्य मैच में हॉकी राजस्थान को 13-2 से शिकस्त दी। पुडुचेरी की टीम के लिए टी अरुण कुमार, महेंद्रन पी और आर रंजीत ने चार-चार जबकि कप्तान वीरथमिजन वी एक गोल किया।

पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट हराकर तीन मैच की वनडे श्रृंखला 2-1 से जीती

पर्थ। पाकिस्तान ने रविवार को यहां निर्णायक तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में आठ विकेट की जीत से 2002 के बाद ऑस्ट्रेलिया पर 50 ओवर की श्रृंखला मे पहली जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया का कमजोर बल्लेबाजी लाइन अप पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण के आगे 31.5 ओवर में 140 रन पर सिमट गया।घरेलू टीम कप्तान पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और मार्नस लाबुशेन के बिना खेल रही थी। इन सभी को भारत के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला के 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले मैच की तैयारियो के लिए आराम दिया गया था। सईम अयूब (42 रन) और अब्दुल्ला शफीक (37 रन) ने फिर पहले विकेट के लिए 84 रन की शानदार साझेदारी निभाकर मजबूत नीव रखी। पर दोनो एक ही ओवर मे लांस मौरिस का शिकार हुए। फिर बाबर आजम और कप्तान मोहम्मद रिजवान ने पाकिस्तान को यह महत्वपूर्ण जीत दिलाई।

गेंदबाजों ने बड्डीज व तारिक क्लब को दिलाई जीत

लखनऊ। मैन ऑफद मैच सुमित गुप्ता 4 विकेट की उपयोगी गेंदबाजी से क्रिकेट बड्डीज ने तृतीय अधीर दुबे स्मारक टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में एसएमआर क्लब को रोमांचक मैच में 20 रन से हराया। एक अन्य मैच में तारिक क्लब ने कॅरियर लायंस को 5 विकेट से पराजित किया। पंडित रास बिहारी तिवारी स्टेडियम पर क्रिकेट बड्डीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 4 विकेट पर 187 रन बनाए। सोनू स्वरुप ने सर्वाधिक 42, आईसी अग्रवाल ने नाबाद 34, फखरुजमां ने 33 व ललित कुमार श्रीवासतव ने 31 रन का योगदान किया। जवाब में एसएमआर क्लब नौ विकेट पर 167 रन ही बना सका। राशिद 61, रेहान ने 38 व शिव श्रीवास्तव ने 23 रन बनाए लेकिन टीम जीत से 20 रन दूर रह गयी। क्रिकेट बड्डीज से सुमित गुप्ता ने 24 रन देकर चार विकेट की सफलता पाई। अखिलेश अग्रवाल को दो विकेट की सफलता मिली। दिन के दूसरे मैच में तारिक क्लब ने मैन ऑफद मैच नैयर जमाल 4 विकेट की अगुवाई में धारदार गेंदबाजी से कॅरियर लायंस को 5 विकेट से पराजित किया। कॅरियर लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 141 रन बनाए। जवाब में तारिक क्लब ने 18.5 ओवर में 5 विकेट पर जीत के लिए जरुरी 142 रन बना लिए।

पलक-अमित की जोड़ी ने एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। पलक गुलिया और अमित शर्मा की एयर पिस्टल मिश्रित टीम ने रविवार को यहां विश्व विश्वविद्यालय निशानेबाजी चैपियनशिप के दूसरे दिन हमवतन खिलाड़ियों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय निशानेबाजो ने इस प्रतियोगिता मे अब तक पांच पदक हासिल किए है जिसमे से तीन रजत पदक है। पलक और अमित की जोड़ी ने यहां कर्णी सिंह परिसर में संयम और सम्राट राणा की जोड़ी को खिताबी मुकाबले मे 16-12 से हराया जिससे भारत ने शीर्ष दो स्थान हासिल किए। हंगरी की सारा राहेल फैबियन और रेडेसी मेट की जोड़ी ने चीनी-ताइपे को 16-12 से हराकर कांस्य पदक जीता। इससे पहले क्वालिफिकेशन दौर मे संयम (289) और सम्राट (290) 579 के कुल स्कोर के साथ शीर्ष पर रहे थे जबकि पलक (285) और अमित (293) 578 के कुल स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। महिलाओ की ट्रैप स्पर्धा मे नीरू और कीर्ति गुप्ता ने फाइनल मे क्रमशः 43 और 32 का स्कोर बनाकर रजत और कांस्य पदक जीता। चेक गणराज्य की जिना हर्डलिकोवा ने 45 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता।

दिनेश कुमार शर्मा ने जीता 42वां शिवानी कप स्पेशल ओपन चेस टूर्नामेंट

लखनऊ। आईएम दिनेश कुमार शर्मा ने 42वां शिवानी कप स्पेशल ओपन चेस टूर्नामेंट में कांटे की टक्कर में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद टाईब्रेक स्कोर में दमदार प्रदर्शन के सहारे 42वां शिवानी कप स्पेशल ओपन चेस टूर्नामेंट का विजेता होने का गौरव हासिल किया। लखनऊ जिला चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में शिवानी पब्लिक स्कूल द्वारा कुल 2,22,222 रुपए की ईनामी राशि वाले टूर्नामेंट में एलआईसी के दिनेश शर्मा को प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी चुनौती मिली। आठवें व अंतिम राउंड के बाद दिनेश सहित बिहार के विवेक शर्माए मेरठ के गोपाल कृष्ण माहेश्वरीए बिहार के सुधीर कुमार सिन्हा व लखनऊ के अंचल रस्तोगी के समान 7 अंक रहे लेकिन टाईब्रेक स्कोर के चलते दिनेश शर्मा विजेता होने के साथ 42 हजार रुपए के नगद ईनाम के भी हकदार बने। वहीं विवेक शर्मा ;30 हजारद्ध दूसरे स्थान पर रहे। गोपाल कृष्ण माहेश्वरीए सुधीर कुमार सिन्हा व अंचल रस्तोगी क्रमशरू तीसरे से चौथे स्थान तक रहे। सर्वश्रेष्ठ वेटरन 60 वर्ष से अधिक में सर्वाधिक 6 अंक के साथ राजस्थान के कांतिलाल दवे पहले व कानपुर के अनिल बाजपेयी 5๓5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी–33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोनः 0522–4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।